मध्यप्रदेश शासन



संस्कृति विभाग

प्रशासकीय प्रतिवेदन

2025-26





राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान - अलंकरण समारोह

मा. राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं अपर मुख्य सचिव संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला द्वारा राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान से पुनरूत्थान समरसता गुरुकुलम, पुणे के पद्मश्री गिरीश प्रभुणे को सम्मानित करते हुए



राष्ट्रीय सम्मान - अलंकरण समारोह

मा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मा. संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी द्वारा महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान से श्री प्रफुल्ल केतकर, नई दिल्ली को सम्मानित करते हुए

मध्यप्रदेश शासन

संस्कृति विभाग

प्रशासकीय प्रतिवेदन

2025–2026

मुख्यमंत्री	:	**माननीय डॉ. मोहन यादव**
मंत्री		**माननीय श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी**
अपर मुख्य सचिव	:	**श्री शिवशेखर शुक्ला**
सचिव	:	**श्रीमती उर्मिला शुक्ला**
उप सचिव	:	**श्री जगदीश कुमार गोमे (दिनांक 08.12.2024 से 24.10.2025 तक)** **श्री राजेश कुमार गुप्ता (दिनांक 16.04.2025 से निरंतर)**

विभागाध्यक्ष

1.	**आयुक्त–सह–संचालक** स्वराज संस्थान संचालनालय, भोपाल	**श्री शिवशेखर शुक्ला**
2.	**आयुक्त** पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल	**श्रीमती उर्मिला शुक्ला**
3.	**संचालक** संस्कृति संचालनालय, भोपाल	**श्री एन.पी. नामदेव**

विषय सूची

संस्कृति विभाग, प्रशासित अधिनियम और नियम 01

विभागीय संरचना 05

विभागीय सम्मान 06

पुरस्कार 08

विभागीय प्रकाशन 12

संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय 13

- बजट प्रावधान एवं व्यय 16
- राज्य योजनाएँ/अन्य योजनाएँ 17

संस्कृति संचालनालय 23

- बजट प्रावधान एवं व्यय 24
- राज्य योजनाएँ 26
- सामान्य प्रशासनिक विषय 46
- अभिनव योजनाएँ 46
- महिला नीति 46

स्वराज संस्थान संचालनालय 47

- बजट प्रावधान एवं व्यय 48
- राज्य योजनाएँ 51
- सामान्य प्रशासनिक विषय 58
- अभिनव योजनाएँ 59
- विभागीय प्रकाशन 60
- महिला नीति 60

संस्कृति विभाग

राज्य शासन द्वारा संस्कृति विभाग का गठन वर्ष 1980 में किया गया। राज्य की सांस्कृतिक धरोहर, पुरातात्विक सम्पदा एवं ऐतिहासिक महत्व का यथास्थिति संरक्षण एवं विरूपण, विनाश, अपक्षरण, व्ययन या निर्यात से संरक्षण करना विभाग के मुख्य उद्देश्य हैं। संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश की कला, संस्कृति, साहित्य, राजभाषा, स्वाधीनता संग्राम से संबंधित एवं पुरासम्पदा के संरक्षण, संवर्धन तथा उनके गुरुत्तर विकास के लिये उद्देश्य अनुरूप सक्रिय है।

संस्कृति विभाग के मुख्य कार्य निम्नानुसार हैं :–

1. कला, साहित्य और संस्कृति को हर संभव उपायों द्वारा प्रोन्नत करना और इस सन्दर्भ में नीतिगत मामले एवं विभिन्न नई योजनाएँ/नीति निर्धारित करना।
2. शासकीय कार्य में एवं शैक्षणिक संस्थाओं में शिक्षण माध्यम के रूप में हिन्दी भाषा का उपयोग।
3. भारतीय भाषाओं का अध्ययन और परिरक्षण।
4. अशासकीय सांस्कृतिक संगठनों को प्रोत्साहित करना और उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।
5. संगीत और ललित कला को प्रोन्नत करना, सुदृढ़ करना और उसका विस्तार तथा इसके विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों को स्थापित करना।
6. ऐतिहासिक दस्तावेज़ों और पाण्डुलिपियों का परिरक्षण और शोध कार्य।
7. प्रदेश में फैली हुई पुरातात्विक संपदाओं और निखात निधियों का सर्वेक्षण, उनकी पहचान करना, दस्तावेजीकरण, संपादन, संग्रहण, परिरक्षण, प्रदर्शन, उत्खनन और संरक्षण।
8. ऐतिहासिक स्मारकों का संरक्षण और विविध संग्रहालयों का विकास।
9. संग्रहालयों में पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं का कलात्मक प्रदर्शन/प्रतिकृतियों का निर्माण, प्रदर्शन, पुरातात्विक विषयों पर शोध, सेमिनार और प्रकाशन।
10. राज्य/जिला गजेटियरों का लेखन, प्रकाशन और पुनर्मुद्रण।
11. कला, साहित्य और संस्कृति से संबंधित व्याख्यान, गोष्ठियाँ और विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित करना और संचालित करना।
12. जनजातीय और लोक कला, साहित्य एवं संस्कृति का अनुरक्षण, संरक्षण, प्रोत्साहन, प्रदर्शन, प्रशिक्षण एवं विकास।
13. स्वाधीनता संग्राम तथा स्वाधीनता संघर्ष–स्वराज के विविध आयामों का अध्ययन तथा उसका विचार विमर्श, दस्तावेजीकरण, संग्रहण और प्रदर्शन, दुर्लभ एवं प्रामाणिक ग्रंथों का संग्रहण एवं प्रकाशन, बहुविध आयोजन करना, प्रोत्साहन करना, प्रचार–प्रसार करना तथा उच्च स्तरीय गतिविधियों का संचालन करना।
14. भारत एवं संपूर्ण विश्व में हुए स्वाधीनता संघर्ष पर केन्द्रित स्मृति चिन्हों, दस्तावेज़ों, समाचार–पत्रों, पुस्तकों, चित्रों और फिल्मों तथा साहित्य का संग्रहण तैयार करना तथा उनका प्रकाशन, स्वाधीनता संग्राम संबंधी व्याख्यान, परिचर्चाएँ, गोष्ठियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।

15. चयनित कलाकारों, साहित्यकारों, विद्वानों, पुरातत्वविदों और संगठनों का सम्मान करना।
16. स्वतंत्रता संग्राम–स्वराज से संबंधित पुरस्कार/अलंकरण प्रदान करना।
17. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, जननायकों तथा प्रसिद्ध व्यक्ति और उनके समर्पित योगदान की शताब्दी तथा जयंती कार्यक्रमों का आयोजन करना तथा इसके लिए स्वयंसेवी संगठनों को सहायता अनुदान।
18. नाट्य विद्यालय, रंगकर्म प्रदर्शन तथा अध्ययन, अभिनय, प्रशिक्षण, प्रसार और विकास।
19. फिल्म सिटी की स्थापना, संचालन तथा समन्वय, फिल्म निर्माण, प्रशिक्षण, प्रोत्साहन, विकास तथा समस्त सम्बन्धित विषय।
20. सांस्कृतिक सम्मेलनों का परिरक्षण और संरक्षण।
21. वित्तीय अभाव वाले कलाकारों तथा साहित्यकारों को पेंशन तथा वित्तीय सहायता।
22. साहित्य, कला तथा स्वाधीनता संग्राम/आंदोलन के क्षेत्र में शोध कार्य के लिए फैलोशिप।
23. सार्वजनिक स्थलों पर विशिष्ट व्यक्तियों की प्रतिमा स्थापित करने हेतु अनुमति प्रदान करना।
24. स्वाधीनता संघर्ष सेनानियों/शहीदों की स्मृति में शहीद स्तम्भों तथा स्मारकों की स्थापना।
25. सेवाओं से संबंधित सभी विषय जिनका विभाग से संबंध है (वित्त विभाग और सामान्य प्रशासन विभाग को आवंटित किए गए विषयों को छोड़कर) उदाहरणार्थ– नियुक्तियाँ, पदस्थापनाएँ, स्थानांतरण, वेतन, छुट्टी, निवृत्ति वेतन, पदोन्नतियाँ, सामान्य भविष्य निधि, प्रतिनियुक्ति, दण्ड तथा अभ्यावेदन।

विभाग द्वारा प्रशासित अधिनियम और नियम :

1. मध्यप्रदेश राजभाषा अधिनियम, 1957 (क्रमांक 5 सन् 1958)
2. मध्यप्रदेश प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्वीय स्थल तथा पुरावशेष अधिनियम, 1964 (क्र. 12 सन् 1964)
3. राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (क्र. 4 सन् 2009)
4. सांची बौद्ध–भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय अधिनियम, 2012 (क्रमांक 1 सन् 2013)
5. मध्यप्रदेश निखात निधि नियम, 1964
6. मध्यप्रदेश प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष नियम, 1975
7. कलाकार कल्याण कोष नियम, 2023
8. मध्यप्रदेश अशासकीय सांस्कृतिक संस्था सहायता अनुदान नियम, 2024
9. अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों/कलाकारों और उनके आश्रितों को मासिक वित्तीय सहायता योजना नियम, 2023
10. राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मान नियम, 2017

विभाग के अधीन आने वाले संचालनालय तथा कार्यालय :

1. संचालनालय, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल
2. क्षेत्रीय उप–संचालक, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर
3. राजकीय अभिलेखागार क्षेत्रीय कार्यालय, इंदौर और ग्वालियर

4. राज्य स्तरीय संग्रहालय, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर, धुबेला (जिला–छतरपुर) उज्जैन तथा रामवन (जिला–सतना)
5. जिला स्तरीय संग्रहालय, शहडोल, रीवा, पन्ना, ओरछा (जिला–टीकमगढ़), विदिशा, राजगढ़, होशंगाबाद, देवास, धार, मंदसौर, मण्डला, भिण्ड, सागर एवं दमोह
6. पुरातत्ववेत्ता कार्यालय रीवा, सागर, जबलपुर, होशंगाबाद, भोपाल और इंदौर
7. संस्कृति संचालनालय, भोपाल
8. संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर, उज्जैन, इंदौर, मंदसौर, धार, नरसिंहगढ़, मैहर और खण्डवा
9. ललित कला महाविद्यालय, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर, धार और खण्डवा
10. मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल
11. रवीन्द्र भवन, भोपाल
12. स्वराज संस्थान संचालनालय, भोपाल
13. डॉ. शंकरदयाल शर्मा स्वतंत्रता संग्राम राज्य संग्रहालय, भोपाल
14. शहीद भवन, भोपाल

अधिनियम के अधीन गठित मण्डल, निगम और विश्वविद्यालय :

1. राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर
2. साँची बौद्ध–भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, साँची

अन्य संस्थाएँ तथा निकाय :

1. भारत भवन न्यास, भोपाल
2. मध्यप्रदेश नेहरू केन्द्र, लालबाग न्यास, इंदौर
3. मध्यप्रदेश हेरीटेज डेव्हलपमेंट ट्रस्ट, भोपाल
4 वीर भारत न्यास, भोपाल
5. आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, भोपाल
6. श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास, भोपाल
7. संत रविदास सांस्कृतिक एकता न्यास, भोपाल
8. जिला पुरातत्व संघ (सभी जिला मुख्यालयों में)
9. मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, भोपाल

(i) उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, भोपाल
(ii). जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल
(iii). साहित्य अकादमी, भोपाल
(iv) कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन
(v) सिंधी साहित्य अकादमी, भोपाल
(vi). मराठी साहित्य अकादमी, भोपाल
(vii) भोजपुरी साहित्य अकादमी, भोपाल
(viii) पंजाबी साहित्य अकादमी, भोपाल

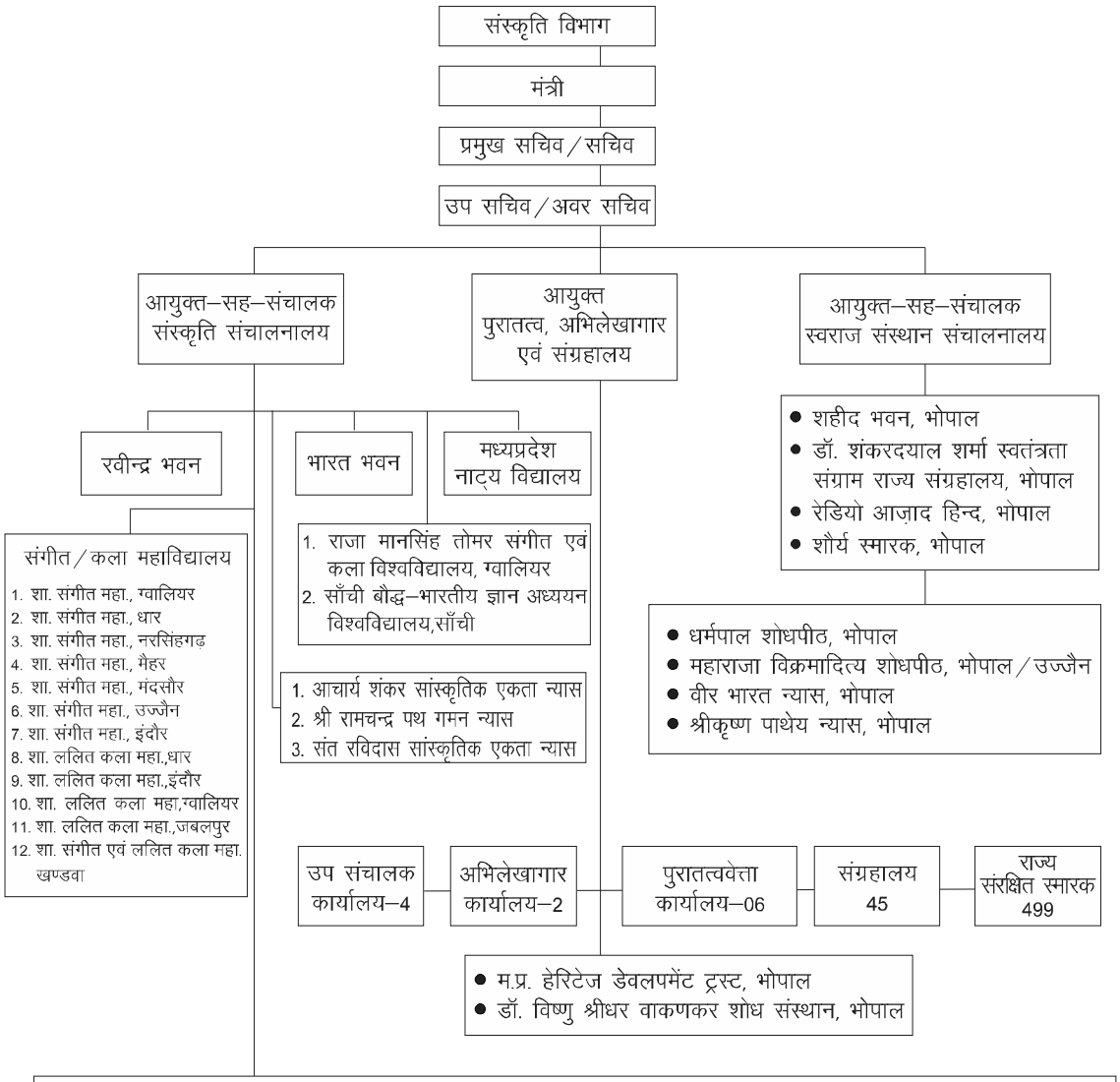
(ix) मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, भोपाल
(x) प्रेमचंद सृजनपीठ, उज्जैन
(xi) निराला सृजनपीठ, भोपाल
(xii) मुक्तिबोध सृजनपीठ, सागर
(xiii) बाल साहित्य सृजनपीठ, इंदौर
(xiv) पं. सूर्यनारायण व्यास कला संकुल, उज्जैन
(xv) सांस्कृतिक संकुल, जबलपुर एवं खण्डवा
(xvi) मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, भोपाल
(xvii) त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय, उज्जैन
(xviii) सर्वांग कला दीर्घा, उज्जैन
(xix) जनगढ़ सिंह श्याम गोंड कला केन्द्र, पाटनगढ़
(xx) जनजातीय कला केन्द्र, बांधवगढ़
(xxi) साकेत रामायण कला संग्रहालय, ओरछा
(xxii) तुलसी शोध संस्थान, चित्रकूट
(xxiii) तानसेन कला संकुल, ग्वालियर
(xxiv) राजा मानसिंह तोमर कला केन्द्र, ग्वालियर

10. धर्मपाल शोधपीठ, भोपाल
11. महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, भोपाल/उज्जैन
12. रेडियो आज़ाद हिन्द, भोपाल
13. शौर्य स्मारक, भोपाल
14. श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, भोपाल

विभाग के अधीन सेवाओं के नाम और विशेष सेवा विषय :

1. मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग (राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय) राजपत्रित सेवा भर्ती नियम, 1998
2. मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग अधीनस्थ (राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय) तृतीय श्रेणी (लिपिकीय तथा अलिपिकीय) सेवा तथा भर्ती नियम, 2014
3. शासकीय संगीत/ललित कला महाविद्यालय तृतीय श्रेणी सेवा भर्ती नियम, 2024
4. मध्यप्रदेश राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय भर्ती (चतुर्थ श्रेणी) नियम, 1997
5. शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय चतुर्थ श्रेणी सेवा भर्ती नियम, 2024
6. मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् सेवा तथा भर्ती नियम, 2021
7. मध्यप्रदेश पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय तृतीय श्रेणी (अराजपत्रित, अलिपिकीय) सेवा भर्ती नियम, 1999
8. मध्यप्रदेश पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 2019
9. मध्यप्रदेश पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय (चतुर्थ श्रेणी) भर्ती नियम, 1998
10. मध्यप्रदेश स्वराज संस्थान संचालनालय तृतीय श्रेणी (अराजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 2013.
11. मध्यप्रदेश स्वराज संस्थान संचालनालय चतुर्थ श्रेणी सेवा भर्ती नियम, 2015.

विभागीय संरचना



मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्

- **उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, भोपाल**

क. तानसेन कला वीथिका, ग्वालियर ख. ख्याल केन्द्र, भोपाल ग. ध्रुपद केन्द्र, भोपाल, ग्वालियर
घ. चक्रधर नृत्य केन्द्र, भोपाल ड़. हस्सू हद्दू खाँ सभागार, ग्वालियर

- **जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल**

क. साकेत रामायण कला संग्रहालय, ओरछा ख. आदिवर्त जनजातीय एवं लोक कला राज्य संग्रहालय, खजुराहो
ग. तुलसी शोध संस्थान, चित्रकूट घ. मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, भोपाल ड़. त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय, उज्जैन
च. सर्वांग कला दीर्घा, उज्जैन छ. जनगढ़ सिंह श्याम गोंड कला केन्द्र, पाटनगढ़ ज. जनजातीय कला केन्द्र, बांधवगढ़

- **साहित्य अकादमी, भोपाल**
- **कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन**
- **सिंधी साहित्य अकादमी, भोपाल**
- **मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, भोपाल**
- **मराठी साहित्य अकादमी, भोपाल**
- **भोजपुरी साहित्य अकादमी, भोपाल**
- **पंजाबी साहित्य अकादमी, भोपाल**
- **तानसेन कला संकुल, ग्वालियर**
- **राजा मानसिंह तोमर कला, ग्वालियर**
- **पं. सूर्यनारायण व्यास कला संकुल, उज्जैन**
- **सांस्कृतिक संकुल, जबलपुर**
- **प्रेमचन्द सृजनपीठ, उज्जैन**
- **मुक्तिबोध सृजनपीठ, सागर**
- **निराला सृजनपीठ, भोपाल**
- **बाल साहित्य सृजनपीठ, इंदौर**

विभागीय सम्मान

राष्ट्रीय सम्मान

सम्मान	स्थापना वर्ष	राशि	विषय क्षेत्र
महात्मा गांधी सम्मान	1995–96	20 लाख	गांधी विचार दर्शन (संस्था के लिए)
कबीर सम्मान	1986–87	5 लाख	भारतीय भाषाओं की कविता
तानसेन सम्मान	1980–81	5 लाख	हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत
कालिदास सम्मान	1980–81	5 लाख	शास्त्रीय संगीत
कालिदास सम्मान	1980–81	5 लाख	शास्त्रीय नृत्य
कालिदास सम्मान	1980–81	5 लाख	रंगकर्म
कालिदास सम्मान	1980–81	5 लाख	रूपंकर कलाएँ
तुलसी सम्मान	1983–84	5 लाख	जनजातीय, लोक व पारम्परिक कलाएँ महिला कलाकार
लता मंगेशकर सम्मान	1984–85	5 लाख	सुगम संगीत–पार्श्व गायन, संगीत निर्देशन
इकबाल सम्मान	1986–87	5 लाख	उर्दू साहित्य में रचनात्मक लेखन
मैथिलीशरण गुप्त सम्मान	1987–88	5 लाख	हिन्दी कविता
कुमार गंधर्व सम्मान	1992–93	2.51 लाख	शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में गायन, वादन एवं नृत्य हेतु युवा कलाकार
शरद जोशी सम्मान	1992–93	5 लाख	हिंदी व्यंग्य, ललित निबंध, रिपोर्ताज, डायरी, पत्र आदि
देवी अहिल्या सम्मान	1996–97	5 लाख	जनजातीय, लोक एवं पारम्परिक कलाओंके क्षेत्र में महिला कलाकार
किशोर कुमार सम्मान	1997–98	5 लाख	फिल्म के क्षेत्र में अभिनय, पटकथा, गीत लेखन, निर्देशन
डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर सम्मान	2005–06	2 लाख	पुरातत्व
अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद सम्मान	2006–07	2 लाख	स्वाधीनता संग्राम के आदर्श, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा
महाराजा अग्रसेन सम्मान	2008–09	2 लाख	सामाजिक सद्भाव और समरसता
महर्षि वेद व्यास सम्मान	2008–09	2 लाख	शिक्षा
वीरांगना लक्ष्मीबाई सम्मान	2012–13	2 लाख	देश की सुरक्षा, कर्तव्य हेतु बलिदान, अदम्य, साहस, वीरता, नारी उत्थान के लिए महिला को
राजा मानसिंह तोमर सम्मान	2011–12	5 लाख	संगीत, संस्कृति एवं कला संरक्षण (संस्था के लिए)
कवि प्रदीप सम्मान	2012–13	5 लाख	मंचीय कविता के लिए

नानाजी देशमुख सम्मान	2012–13	5 लाख	सामाजिक, सांस्कृतिक समरसता, उत्थान, परिष्कार, आध्यात्म, परम्परा
सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान	2015–16	5 लाख	हिंदी साफ्टवेयर, वेब डिजाइनिंग, डिजीटल भाषा
निर्मल वर्मा सम्मान	2015–16	5 लाख	अप्रवासी भारतीयों द्वारा हिंदी का विकास।
फादर कामिल बुल्के सम्मान	2015–16	5 लाख	विदेशी मूल के लोगों द्वारा हिंदी भाषा/बोलियों के विकास।
गुणाकर मुले सम्मान	2015–16	5 लाख	हिंदी में वैज्ञानिक/तकनीकी लेखन एवं पाठ्य पुस्तकों का निर्माण
हिन्दी सेवा सम्मान	2015–16	5 लाख	हिंदी को समृद्ध करने के लिये हिन्दी भाषी लेखकों/साहित्यकारों को सम्मान

राज्य स्तरीय सम्मान

शिखर सम्मान	1980–81	2 लाख	हिन्दी साहित्य
शिखर सम्मान	1980–81	2 लाख	उर्दू साहित्य
शिखर सम्मान	1980–81	2 लाख	संस्कृत साहित्य
शिखर सम्मान	1980–81	2 लाख	नृत्य
शिखर सम्मान	1980–81	2 लाख	संगीत
शिखर सम्मान	1980–81	2 लाख	नाटक
शिखर सम्मान	1980–81	2 लाख	रूपंकर कलाएँ
शिखर सम्मान	1980–81	2 लाख	जनजातीय एवं लोक कलाएँ
शिखर सम्मान	2009–10	2 लाख	दुर्लभ वाद्य वादन

पुरस्कार

मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्
उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी

रूपंकर कलाओं के क्षेत्र में राज्य पुरस्कार

दत्तात्रेय दामोदर देवलालीकर पुरस्कार	51,000/–
मुकुन्द सखाराम भाण्ड पुरस्कार	51,000/–
रघुनाथ कृष्णराव फड़के पुरस्कार	51,000/–
नारायण श्रीधर बेन्द्रे पुरस्कार	51,000/–
जगदीश स्वामीनाथन पुरस्कार	51,000/–
सैयद हैदर रजा पुरस्कार	51,000/–
देवकृष्ण जटाशंकर जोशी पुरस्कार	51,000/–
विष्णु चिंचालकर पुरस्कार	51,000/–
लक्ष्मीसिंह राजपूत पुरस्कार	51,000/–
राममनोहर सिन्हा पुरस्कार	51,000/–

उस्ताद लतीफ़ खाँ सम्मान

दुर्लभ वाद्यों के प्रतिष्ठित एवं शीर्ष कलाकारों के लिए	51,000/–

साहित्य अकादमी

अखिल भारतीय पुरस्कार

पुरस्कार	विषय	राशि
पं. माखनलाल चतुर्वेदी पुरस्कार	निबंध	1,00,000/–
गजानन माधव मुक्तिबोध पुरस्कार	कहानी	1,00,000/–
राजा वीर सिंह देव पुरस्कार	उपन्यास	1,00,000/–
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पुरस्कार	आलोचना	1,00,000/–
पं. भवानीप्रसाद मिश्र पुरस्कार	गीत एवं हिन्दी ग़ज़ल	1,00,000/–
अटल बिहारी वाजपेयी पुरस्कार	कविता	1,00,000/–
कुवेरनाथ राय पुरस्कार	ललित निबंध	1,00,000/–
विष्णु प्रभाकर पुरस्कार	आत्मकथा–जीवनी	1,00,000/–
निर्मल वर्मा पुरस्कार	संस्मरण	1,00,000/–
महादेवी वर्मा पुरस्कार	रेखाचित्र	1,00,000/–
प्रोफेसर विष्णुकांत शास्त्री पुरस्कार	यात्रा–वृतांत	1,00,000/–
भारतेन्दु हरिश्चंद्र पुरस्कार	अनुवाद	1,00,000/–
नारद मुनि पुरस्कार	फेसबुक/ब्लॉग/नेट	1,00,000/–

प्रादेशिक पुरस्कार

वृन्दावन लाल वर्मा पुरस्कार	उपन्यास	51,000/–
सुभद्राकुमारी चौहान पुरस्कार	कहानी	51,000/–
श्रीकृष्ण सरल पुरस्कार	कविता	51,000/–
आचार्य नंददुलारे वाजपेयी पुरस्कार	आलोचना	51,000/–
हरिकृष्ण प्रेमी पुरस्कार	नाटक	51,000/–
राजेन्द्र अनुरागी पुरस्कार	डायरी	51,000/–
बालकृष्ण शर्मा नवीन पुरस्कार	प्रदेश के लेखक की पहली कृति	51,000/–
ईसुरी पुरस्कार	लोक भाषा विषयक	51,000/–
हरिकृष्ण देवसरे पुरस्कार	बाल साहित्य	51,000/–
नरेश मेहता पुरस्कार	संवाद/पटकथा लेखन	51,000/–
जैनेन्द्र कुमार जैन पुरस्कार	लघुकथा	51,000/–
सेठ गोविन्द दास पुरस्कार	एकांकी	51,000/–
शरद जोशी पुरस्कार	व्यंग्य	51,000/–
वीरेन्द्र मिश्र पुरस्कार	गीत	51,000/–
दुष्यंत कुमार पुरस्कार	ग़ज़ल	51,000/–

मध्यप्रदेश की छह बोलियों के पुरस्कार

संत पीपा स्मृति पुरस्कार	मालवी	51,000/–
संत सिंगाजी स्मृति पुरस्कार	निमाड़ी	51,000/–
श्री विश्वनाथ सिंह जूदेव स्मृति पुरस्कार	बघेली	51,000/–
श्री छत्रसाल स्मृति पुरस्कार	बुन्देली	51,000/–
टंट्या भील स्मृति पुरस्कार	भीली	51,000/–
रानी दुर्गावती स्मृति पुरस्कार	गोंडी	51,000/–

कालिदास संस्कृत अकादमी

अखिल भारतीय

अखिल भारतीय कालिदास पुरस्कार	संस्कृत में रचित मौलिक सृजनात्मक कृति (गद्य, पद्य, चम्पू तथा रूपक काव्य)	1,00,000/–
प्रादेशिक भोज पुरस्कार	संस्कृत अथवा हिंदी में रचित संस्कृत संबंधित समीक्षात्मक कृति	1,00,000/–
प्रादेशिक व्यास पुरस्कार	पारम्परिक विद्वत्ता के क्षेत्र में सम्पादन अथवा संस्कृत में किसी साहित्यिक अथवा शास्त्रीय कृति का हिंदी अनुवाद	1,00,000/–
प्रादेशिक राजशेखर पुरस्कार	पारम्परिक अनुशासनों की संस्कृत अथवा हिंदी की रचनात्मक कृति	1,00,000/–

प्रादेशिक पुरस्कार

भोज पुरस्कार	संस्कृत साहित्य की समीक्षात्मक कृति के लिए	51,000/–
व्यास पुरस्कार	संस्कृत की साहित्यिक कृति अथवा शास्त्रीय ग्रंथ के हिन्दी अनुवाद के लिए	51,000/–
राजशेखर पुरस्कार	पारम्परिक शास्त्रों की शैली में रचित शास्त्रीय ग्रंथ के लिए	51,000/–

सिंधी साहित्य अकादमी (प्रादेशिक पुरस्कार)

संत शिरोमणि हिरदाराम सिन्धी

साहित्य गौरव सम्मान	सिंधी साहित्य की जीवनपर्यन्त सेवा	1,00,000/–
श्रीकृष्ण खटवानी श्रेष्ठ लेखन पुरस्कार	गद्य	21,000/–
खिचलदास बेगवानी श्रेष्ठ लेखन पुरस्कार	पद्य	21,000/–
भगवंती नावाणी श्रेष्ठ गायिका पुरस्कार	गायन	21,000/–
मास्तर चन्द्र श्रेष्ठ गायक पुरस्कार	गायन	21,000/–
श्रेष्ठ नाट्य निर्देशक एवं कलाकार पुरस्कार	नाट्य निर्देशक	21,000/–
श्रेष्ठ युवा लेखक कृति पुरस्कार	लेखन	21,000/–

मराठी साहित्य अकादमी

पुरस्कार	विधा	राशि
अखिल भारतीय भा.रा.ताम्बे कृति पुरस्कार	नाट्य लेखन	21,000/–
अखिल भारतीय भा.रा.ताम्बे कृति पुरस्कार	कादम्बरी (उपन्यास)	21,000/–

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी
(उर्दू पुस्तकों (कृति) के लिए पुरस्कार)

अखिल भारतीय पुरस्कार

मीर तकी मीर पुरस्कार	उर्दू शायरी	51,000/–
हामिद सईद ख़ाँ पुरस्कार	कहानी एवं लघु कथा	51,000/–
शादाँ इन्दौरी पुरस्कार	निबंध एवं अनुवाद	51,000/–
हकीम कमरुल हसन पुरस्कार	उर्दू पत्रकारिता, शोध एवं आलोचना	51,000/–
जौहर कुरैशी पुरस्कार	हास्य व्यंग्य	51,000/–
इब्राहिम यूसुफ पुरस्कार	नाटक एवं दास्तान	51,000/–

प्रादेशिक पुरस्कार

सिराज मीर ख़ाँ पुरस्कार	उर्दू शायरी	31,000/–
बासित भोपाली पुरस्कार	कहानी एवं लघु कथा	31,000/–
मोहम्मद अली ताज पुरस्कार	रेखाचित्र एवं रिपोर्ताज	31,000/–
नवाब सिद्दीक़ हसन ख़ाँ पुरस्कार	उर्दू पत्रकारिता, उर्दू पत्रिका, शोध व आलोचना	31,000/–
शैरी भोपाली पुरस्कार	बाल साहित्य	31,000/–
कैफ़ भोपाली पुरस्कार	उर्दू शिक्षक	31,000/–

शम्भू दयाल सुखन पुरस्कार	उर्दू भाषी लेखकों/शायरों की उर्दू कृति	31,000/–
शिफ़ा ग्वालियरी पुरस्कार	प्रदेश के लेखक/शायर की पहली कृति	31,000/–
जाँ निसार अख़्तर पुरस्कार	रसाई, नात, उर्दू साहित्य/शायरी की एक विद्या	31,000/–
पन्नालाल श्रीवास्तव नूर पुरस्कार	आत्मकथा एवं संस्करण	31,000/–
सूरज कला सहाय पुरस्कार	यात्रा वृतांत	31,000/–
नवाब शाहजहाँ बेगम ताजवर पुरस्कार	निबंध एवं अनुवाद	31,000/–
निदा फ़ाज़ली पुरस्कार	उर्दू नज़्म, दोहा, रुबाई	31,000/–

जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी

पद्मभूषण युगतुलसी पण्डित

श्री रामकिंकर उपाध्याय राष्ट्रीय पुरस्कार	धार्मिक–सांस्कृतिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान	2,00,000/–

भारत भवन

अन्तर्राष्ट्रीय छापा कला द्वैवार्षिकी पुरस्कार

चार ग्रेण्ड प्राईज अवार्ड एवं सम्मान पट्टिका	1,00,000/–
दस मेरिट अवार्ड एवं सम्मान पट्टिका	

विभागीय प्रकाशन

संचालनालय, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, बाणगंगा भोपाल–462003	**पुरातन** इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व की अनियतकालीन शोध पत्रिका। वर्ष 1984 से प्रकाशित। इसके अतिरिक्त समय–समय पर कई पुस्तकें।
स्वराज संस्थान संचालनालय रवीन्द्र भवन परिसर भोपाल – 462002	स्वराज पुस्तक मालांतर्गत स्वाधीनता संघर्ष विषयों पर लगभग 80 पुस्तकें, अक्षयनिधि पुस्तक योजनान्तर्गत आठ पुस्तकें प्रकाशित।
साहित्य अकादमी मुल्ला रमूज़ी संस्कृति भवन प्रथम तल, बाणगंगा, भोपाल–462003	**साक्षात्कार** सृजनात्मक साहित्य की हिन्दी मासिक पत्रिका। वर्ष 1976 से प्रकाशित।
उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन, बाणगंगा, भोपाल	**कलावार्ता** संगीत, नृत्य, नाट्य, फिल्म एवं ललित–समकालीन कला की रचनात्मक अनियतकालीन पत्रिका। वर्ष 1981 से प्रकाशित।
जनजातीय लोककला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय श्यामला हिल्स, भोपाल	**चौमासा** जनजातीय और लोक वाचिक परम्परा, संस्कृति और कला पर केन्द्रित चौमासिक पत्रिका। वर्ष 1982 से प्रकाशित।
कालिदास संस्कृत अकादमी विश्वविद्यालय मार्ग, उज्जैन	**कालिदास** कालिदास और संस्कृत साहित्य की शोध पत्रिका। वर्ष 1982 से प्रकाशित। दूर्वा–संस्कृत कविताओं की त्रैमासिक पत्रिका।
सिन्धी साहित्य अकादमी मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन बाणगंगा, भोपाल	**सिन्धू मशाल** सिन्धी साहित्य, कला और संस्कृति केन्द्रित वार्षिक पत्रिका। वर्ष 1999 से प्रकाशित। **बाल सिन्धू मशाल** सिन्धी बच्चों के लिए तथा बच्चों की रचनाएं केन्द्रित वार्षिक पत्रिका। वर्ष 2005 से प्रकाशित।
मराठी साहित्य अकादमी मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन, बाणगंगा, भोपाल भोपाल–462003	**अथर्वनाद** मराठी साहित्य अनियतकालिक सृजनात्मक साहित्यिक पत्रिका। वर्ष 2011 से प्रकाशित
मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी मुल्ला रमूज़ी संस्कृति भवन प्रथम तल, बाणगंगा, भोपाल	**पुस्तकें** – महफ़िलें दानिश्वराँ, सुबह सलोनी चम–चमचम, अंधेरा रायगाँ लम्हात का, ख़्याल अपना–अपना, इंतेख़ाबे तजल्लियाते नज़र, सरमाया–ए–निशात, दीवाने–ग़ालिब, उर्दू आपके लिए। **पत्रिकायें** – तमसील, मौजे नर्बदा (ख़बरनामा)
भारत भवन ज. स्वामीनाथन मार्ग, श्यामला हिल्स भोपाल–462002	**पूर्वग्रह** साहित्य और कलाओं की आलोचना त्रैमासिक पत्रिका। वर्ष 1974 से प्रकाशित।

संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, मध्यप्रदेश, भोपाल

भाग – एक

पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग म.प्र. की स्थापना वर्ष 1956 से ही अस्तित्व में आया, जो वर्ष 1980 में संस्कृति विभाग के गठन के साथ एक संचालनालय के रूप में स्थापित हुआ। वर्ष 1994 में राजकीय अभिलेखागार का इसमें विलय हुआ। इस संचालनालय का मुख्य कार्य प्रदेश भर में फैली पुरा–संपदा का सर्वेक्षण, चिन्हांकन, छायांकन, संकलन, संरक्षण, प्रदर्शन, उत्खनन एवं अनुरक्षण करना है, इसके साथ संग्रहालय में सुरूचिपूर्ण प्रदर्शन, महत्वपूर्ण प्रतिमाओं की अनुकृतियों का निर्माण, प्रदर्शनियों एवं पुरातत्व विषय पर केन्द्रित शोध संगोष्ठियों का आयोजन, पुरातत्वीय सामग्रियों का प्रकाशन तथा राजकीय अभिलेखागार के अन्तर्गत अभिलेखों एवं महत्वपूर्ण दस्तावेजों का संरक्षण, संवर्धन तथा शोध कार्य किये जाते हैं।

प्रमुख कार्य एवं उद्देश्य

1. **सर्वेक्षण कार्य** – म.प्र. के विभिन्न अंचलों में बिखरी हुई पुरासम्पदा के चिन्हांकन एवं प्रलेखन हेतु ग्राम से ग्राम पुरातत्वीय सर्वेक्षण कराया जाता है। वर्तमान म.प्र. के 55 जिलों में से 49 जिलों का ग्राम से ग्राम सर्वेक्षण कार्य संपन्न किया गया है।
2. **संरक्षण कार्य** – पुरातत्वीय सर्वेक्षण में चिन्हित की गयी पुरासम्पदा यथा प्राचीन मंदिर, किले, गढ़ी, छत्री, बावड़ी आदि का संरक्षण कार्य किया जाता है।
3. **उत्खनन कार्य** – सर्वेक्षण के दौरान चिन्हित प्राचीन बस्ती के अवशेषों (प्राचीन टीलों) का उत्खनन एवं ध्वस्त मंदिरों का पुरातत्वीय प्रविधि से मलबा सफाई कार्य कर अवशेषों को प्रकाश में लाया जाता है।
4. **अनुरक्षण** – संचालनालय पुरातत्व द्वारा संरक्षित स्मारकों के मौलिक स्वरूप को बनाये रखने एवं भविष्य की पीढ़ी के लिए सुरक्षित हस्तांतरण हेतु स्मारकों का अनुरक्षण कार्य कराया जाता है।
5. **कलाकृति संकलन** – पुरातत्वीय सर्वेक्षण के दौरान विभिन्न स्थलों पर बिखरी हुई कलाकृतियों का चिन्हांकन किया जाता है। उनको सुरक्षा की दृष्टि से समीप के संग्रहालय में स्थानांतरित किया जाता है।
6. **प्रदर्शन** – संचालनालय पुरातत्व के अधीन वर्तमान में 45 संग्रहालय हैं। इन संग्रहालयों में समीप के क्षेत्रों से संकलित पुरावशेषों को संरक्षित किया गया है। संग्रहालय विज्ञान के सिद्धांतों के अनुरूप सभी संग्रहालयों में प्रदर्शन कार्य कराया जाता है।
7. **पुरातत्वीय गतिविधियों का प्रचार–प्रसार** – संचालनालय पुरातत्व द्वारा किए जाने वाले कार्यों यथा सर्वेक्षण, उत्खनन्, संरक्षण, प्रदर्शन, अनुरक्षण आदि के संबंध में न केवल इतिहासकारों–शोधार्थियों अपितु जनसामान्य को धरोहर के प्रति जागरुक बनाने के लिए शोध संगोष्ठी, प्रदर्शनी, व्याख्यान, कार्यशाला आदि का आयोजन किया जाता है।

8. **प्रकाशन** – संचालनालय पुरातत्व द्वारा कराये जा रहे कार्यों यथा सर्वेक्षण, उत्खनन्, संग्रहालय प्रदर्शन आदि के ऊपर शोधपरक आलेखों के माध्यम से प्रकाशन कार्य भी कराया जाता है।
9. **प्रतिकृति निर्माण –** प्रदेश की कलाकृतियों के प्रचार–प्रसार की दृष्टि से संग्रहालयों में प्रदर्शित महत्वपूर्ण कलाकृतियों की प्रतिकृतियों का निर्माण कराया जाता है, जो विभाग के सोवीनियर शॉप पर विक्रय हेतु उपलब्ध रहती हैं।
10. **रासायनिक अनुरक्षण –** स्मारकों एवं संग्रहालयों में प्रदर्शित कलाकृतियों में हो रहे मौसमी प्रभाव के कारण क्षरण आदि को रोकने के लिए रासायनिक अनुरक्षण भी करवाया जाता है।
11. **अभिलेखागार –** ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण अभिलेखों का संरक्षण, संवर्धन, शोध कार्य तथा दस्तावेजीकरण ।

कार्यालयीन संरचना

संचालनालय, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, मध्यप्रदेश, भोपाल

कार्यालय उप संचालक, भोपाल
1. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष राज्य संग्रहालय, भोपाल
2. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष जिला पुरातत्व संग्रहालय, विदिशा
3. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष जिला पुरातत्व संग्रहालय, राजगढ़
4. कार्यालय पुरातत्ववेता पुरा.,अभि. एवं संग्रहा.,नर्मदापुरम्

कार्यालय उप संचालक, ग्वालियर
1. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष गुजरी महल संग्रहालय, ग्वालियर
2. कार्या. संग्रहाध्यक्ष महाराजा छत्रसाल संग्रहालय, धुबेला, छतरपुर
3. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष जिला पुरातत्व संग्रहालय, पन्ना
4. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष जिला पुरातत्व संग्रहालय, ओरछा, निवाड़ी
5. कार्यालय पुरातत्ववेता पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, सागर

कार्यालय उप संचालक, इंदौर
1. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष केन्द्रीय संग्रहालय, इन्दौर
2. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष त्रिवेणी संग्रहालय, उज्जैन
3. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष जिला पुरातत्व संग्रहालय, धार
4. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष जिला पुरातत्व संग्रहालय, देवास
5. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष यशोवर्धन पुरातत्व संग्रहालय, मंदसौर
6. कार्यालय पुरातत्ववेता पुरातत्व, अभि. एवं संग्रहालय, इन्दौर

कार्यालय उप संचालक, जबलपुर
1. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष रानी दुर्गावती संग्रहालय, जबलपुर
2. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष तुलसी संग्रहालय, रामवन, सतना
3. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष जिला पुरातत्व संग्रहालय, शहडोल
4. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष जिला पुरातत्व संग्रहालय, रीवा
5. कार्यालय संग्रहाध्यक्ष जिला पुरातत्व संग्रहालय, मण्डला
6. कार्यालय पुरातत्ववेता पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, रीवा
7. कार्यालय पुरातत्ववेता पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, जबलपुर

संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय
विभागीय स्वीकृत सेटअप का विवरण

क्र.	पदनाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त पद
1	आयुक्त/संचालक भारतीय प्रशासनिक सेवा	1	1	—
2	प्रथम श्रेणी	8	1	7
3	द्वितीय श्रेणी	41	06	35
4	तृतीय श्रेणी लिपिकीय	105	46	59
5	तृतीय श्रेणी अलिपिकीय	99	28	71
6	चतुर्थ श्रेणी	362	177	185
7	आऊटसोर्सिंग	14	14	—
	योग	**630**	**273**	**357**

भाग–दो

बजट प्रावधान (वर्ष 2023–24)

(रुपये लाख में)

क्र.	योजना का नाम	स्वीकृत प्रावधान	वास्तविक व्यय (31.03.2024)
	लेखाशीर्ष–2205		
1	103–पुरातत्व	5965.53	5771.55
2	104–अभिलेखागार	355.03	320.21
3	105–सार्वजनिक पुस्तकालय	12.50	7.85
4	107–संग्रहालय	1280.41	1050.08
	कुल योग	**7613.47**	**7049.69**

बजट प्रावधान (वर्ष 2024–25)

(रुपये लाख में)

क्र.	योजना का नाम	स्वीकृत प्रावधान	प्राप्त बजट	वास्तविक व्यय (31.03.2025)
	लेखाशीर्ष–2205			
1	103–पुरातत्व	6580.05	5634.99	5901.42
2	104–अभिलेखागार	664.48	574.32	580.60
3	105–सार्वजनिक पुस्तकालय	14.00	12.20	11.95
4	107–संग्रहालय	1728.26	1644.20	1303.57
	योग राजस्व	**8986.79**	**7865.71**	**7797.54**
1	106–संग्रहालय (विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण)	2000.00	00.00	00.00
2	800– (पूंजीगत)	7009.60	7009.60	7.04
	योग (पूंजीगत)	**9009.60**	**7009.60**	**7.04**
	कुल योग (राजस्व+पूंजीगत)	**17996.39**	**14875.31**	**7804.58**

बजट प्रावधान (वर्ष 2025–26)

(रुपये लाख में)

क्र.	योजना का नाम	स्वीकृत प्रावधान	प्राप्त बजट	वास्तविक व्यय (19.01.2026)
	लेखाशीर्ष–2205			
1	103–पुरातत्व	7359.97	7359.97	4577.54
2	104–अभिलेखागार	484.60	484.60	224.19
3	105–सार्वजनिक पुस्तकालय	02.10	02.10	01.86
4	107–संग्रहालय	1757.02	1757.02	998.92
	योग राजस्व	**9602.93**	**9602.93**	**5802.51**
1	106–संग्रहालय (विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण)	1000.00	1000.00	750.00
2	800– (पूंजीगत)	7.03	7.03	5.49
	योग (पूंजीगत)	**1007.03**	**1007.03**	**755.49**
	कुल योग (राजस्व+पूंजीगत)	**10609.96**	**10609.96**	**6558.00**

भाग – 3

राज्य योजनाएँ

उत्खनन/सर्वेक्षण :– उत्खनन एवं सर्वेक्षण शाखा द्वारा प्रदेश में बिखरी पुरासम्पदा के चिन्हांकन के लिये सर्वेक्षण एवं सर्वेक्षण में चिन्हित स्थलों पर का उत्खनन् कर संस्कृति के अध्ययन के लिये उत्खनन एवं मलबा सफाई का कार्य कराया जाता है। सत्र 2025–26 में अशोकनगर जिले के अशोकनगर, शाढौरा एवं चन्देरी तहसील, धार जिले के मनावर, कुक्षी एवं बदनावर तहसील तथा शिवपुरी जिले के पिछोर, पोहरी एवं सीहोर जिले की रेहटी एवं श्यामपुर तहसीलों के पुरातत्वीय सर्वेक्षण का कार्य कराया गया है। उत्खनन एवं मलबा सफाई कार्य के अंतर्गत आशादेवी मंदिर जिला रायसेन के दक्षिणी भाग का मलवा सफाई कार्य कराया गया, जिसमें 11वीं शती ईस्वी के परमार कालीन खण्डित प्रतिमायें, स्थापत्यखण्ड आदि प्रकाश में आये मढ़ा क्रमांक 1 दोनी (जिला–दमोह) में पुरातत्वीय प्रविधि से मलवा सफाई कार्य कराया जा रहा है। मंदिरों की पुनर्संरचना योजना के अंतर्गत महाकाल मंदिर परिसर उज्जैन में स्थित मंदिर के पुनर्संरचना का कार्य पूर्ण करने के साथ–साथ भूतनाथ मंदिर (मंदिर क्रमांक 21) आशापुरी (जिला–रायसेन) के पुनर्संरचना का कार्य प्रगतिरत है।

अनुरक्षण :– अनुरक्षण शाखा द्वारा राज्य संरक्षित स्मारकों का अनुरक्षण, उन्नयन एवं विकास कार्य सम्पन्न कराये जाते हैं। इस कार्य हेतु संचालनालय में प्राप्त बजट के अन्तर्गत क्षेत्रीय कार्यालयों, म.प्र.राज्य पर्यटन विकास निगम मर्यादित, इंटेक एवं आई.जी.एन.सी.ए. द्वारा प्रस्तुत प्राक्कलन के आधार पर परीक्षण उपरांत प्रशासकीय, वित्तीय, तकनीकी स्वीकृति जारी की जाती है। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा आवंटित बजट के आधार पर स्मारकों के अनुरक्षण कार्य सम्पन्न कराये जाते हैं।

33–अनुरक्षण आयोजना– 33 अनुरक्षण आयोजना मद में रू. 35.50 करोड़ का बजट प्राप्त हुआ जिसके तहत ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल एवं इंदौर क्षेत्र के 67 स्मारकों पर अनुरक्षण एवं विकास कार्य कराये जा रहे हैं, जिसमें 15 स्मारकों के कार्य पूर्ण हो चुके हैं एवं शेष 52 स्मारकों पर कार्य प्रगति पर है।

म.प्र.पर्यटन विकास निगम के माध्यम से 24 स्मारकों पर इंटेक के माध्यम से 12 स्मारकों पर एवं आई.जी.एन.सी.ए. के माध्यम से 03 स्मारक पर कार्य कराया जा रहा है तथा हॉलिस्टिक के अंतर्गत 04 स्मारकों पर कार्य प्रगति पर है।

संरक्षण :– मध्यप्रदेश प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम 1964 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रदेश में पुरातत्वीय दृष्टि से महत्वपूर्ण वर्तमान में 499 राज्य स्मारक संरक्षित घोषित किये जा चुके हैं।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा गंजबासौदा, विदिशा जिले में स्थित 04 स्थलों की अंतिम अधिसूचना जारी कर राज्य संरक्षित स्मारक घोषित किये गये एवं जिला–दमोह में स्थित 05 प्राचीन स्थलों की प्रथम अधिसूचना जारी करने संबंधी प्रस्ताव शासन को भेजे गये थे, जिसकी शासन द्वारा प्रथम अधिसूचना जारी की गई।

इस वित्तीय वर्ष में 05 नवीन स्थलों को चिन्हित कर उनके संरक्षण के संबंध में प्रस्ताव शासन को प्रेषित किये जावेंगे।

सूचना एवं प्रौद्योगिकी :

डिजिटल लाइब्रेरी पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन – संचालनालय पुरातत्व एक डिजिटल लाइब्रेरी लागू कर रहा है, जिसके तहत 10 पुस्तकालयों के संग्रह को ई–बुक प्रारूप में परिवर्तित करके एवं साथ ही प्रदेश में संरक्षित पाण्डुलिपियों का भी डिजिटलीकरण किया जाएगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से विभागीय संग्रह देश–विदेश में अधिक व्यापक पाठक वर्ग तक पहुँचेगा।

स्मारकों की 3–डी लिडार स्कैनिंग (लक्ष्मी मंदिर ओरछा) – संचालनालय पुरातत्व द्वारा उन्नत 3&D LiDAR स्कैनिंग प्रौद्योगिकी का उपयोग कर स्मारकों की स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत को डिजिटल रूप में संरक्षित और प्रलेखित किया जा रहा है।

वर्चुअल रियलिटी (वीआर) केन्द्र (वर्तमान में राज्य संग्रहालय, भोपाल और ओरछा में) वर्ष दो एवं सेंटर स्थापित एवं विभिन्न संग्रहालयों में कलाकृतियों/पुरातन वस्तुओं/कला वस्तुओं का 3–डी स्कैनिंग/डिजिटलीकरण/डिजिटल दस्तावेजीकरण किया जा रहा है।

व्हाट्सएप्प चैटबॉट – संचालनालय पुरातत्त्व, द्वारा किये जा रहे कार्यो का प्रचार–प्रसार करने हेतु व्हाट्सऐप चैटबॉट तैयार किया गया हैं। जिसमे विभाग की विभिन्न गातिविधियों एवं संग्रहालयों/स्मारकों की जानकारी नागरिकों को प्रेषित की जा रही है।

ई–कॉमर्स पोर्टल – संचालनालय पुरातत्व ने स्मृति चिन्हों के विक्रय, प्रदर्शन, संग्रह, उत्पादन और आपूर्ति के लिए एक समर्पित ई–कॉमर्स पोर्टल विकसित किया है।

ऑनलाइन टिकटिंग सिस्टम (कियोस्क) – संचालनालय पुरातत्व ने प्रमुख संग्रहालयों और स्मारकों पर, जहॉ आगंतुकों की संख्या बहुत अधिक है, 25 कियोस्क स्थापित करने की योजना है एवं राज्य संग्रहालय, भोपाल में एक ऑनलाईन टिकटिंग कियोस्क स्थापित किया गया है।

विविध आईटी व्यय – अन्य विविध आईटी व्यय में हार्डवेयर और बाह्य उपकरण डेस्कटॉप, प्रिंटर, स्कैनर, नेटवर्किंग उपकरण (स्विच, फायरवॉल) सॉफ्टवेयर लाइसेंस और सदस्यताएँ एंटीवायरस, एसएसएल प्रमाण–पत्र, वार्षिक अनुबंध एवं अपग्रेड जैसी रखरखाव गतिविधियाँ शामिल हैं।

प्रकाशन शाखा : वित्तीय वर्ष 2024–25 में ''महेश्वर का पुरातत्व'' तथा ''20वी सदी में मध्यप्रदेश में स्वाधीनता आंदोलन 1920–1947'' पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। अंतर्राष्ट्रीय धरोहर दिवस (18 अप्रैल) एवं अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 18 मई, 2025 के अवसर पर भोपाल, इन्दौर, ग्वालियर एवं जबलपुर उपसंचालक कार्यालय एवं उनके अधीनस्थ संग्रहालयों एवं स्मारकों पर छायाचित्र प्रदर्शनी, व्याख्यान माला, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं, धरोहर भ्रमण एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। मध्यप्रदेश महोत्सव दिनांक 12 से 14 दिसम्बर 2025 को विभाग द्वारा मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली में मध्यप्रदेश की विरासत/उपलब्धियाँ श्रृंखला–2 विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी लगायी गई, जिसे बेस्ट डिस्प्ले अवार्ड से सम्मानित किया गया।

दिनांक 09 से 11 जनवरी 2026 को डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणर राष्ट्रीय सम्मान वर्ष 2022–23 के साथ रीसेन्ट एडवान्सेस इन द फील्डस ऑफ आर्कोयोलॉजी, आर्काइव्स एण्ड म्यूजोलॉजी विषय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री द्वारा उक्त राष्ट्रीय सम्मान से महामनीषी पुराविद् डॉ. यशोधर मठपाल को विभूषित किया गया। इन कार्यक्रमों से

संबंधित वाकणकर सम्मान पत्रिका, बुक ऑफ एब्सट्रक्ट, प्री–बुक, विभागीय उपलब्धियाँ आदि का प्रकाशन कराया गया।

वित्तीय सत्र 2025–26 में ग्रामवार सर्वेक्षण प्रतिवेदनों पर आधारित ग्वालियर, देवास, सीहोर एवं शाजापुर जिलों के पुरातत्व पर पुस्तकें, 1857 के उर्दू फारसी अभिलेख मैपिंग द हेरिटज ऑफ द कलचुरि ऑफ त्रिपुरी प्रोजेक्ट के अंतर्गत रीवा एवं मण्डला जिलों की कलचुरि विरासत पर पुस्तकें तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी में वाचित आलेखों पर पुस्तक प्रकाशित किये जाने का लक्ष्य है। विभिन्न संग्रहालयों जैसे देवास, इंदौर, उज्जैन, गंधर्वपुरी आदि में सुरक्षित विशिष्ट कलाकृतियों पर आधारित संक्षिप्त पुस्तिकाएँ प्रकाशित किया जाना है।

पुरातत्व अंक 19, आगर जिले का पुरातत्व, नर्मदापुरम जिले का पुरातत्व, कलात्मक एवं ऐतिहासिक जल–संरचनाओं का लेखीकरण, विदिशा जिले में स्थित ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक संरचनाओं का अध्ययन, गिन्नौरगढ़, ऐतिहासिक नगरी उदयपुर, ए बुक ऑफ ओरछा–एन ओड टू बुंदेला, विभागीय रासायनिक संरक्षण, अनुरक्षण एवं विकास–कार्य, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, संग्रहालय उन्नयन आदि पर पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं।

मॉडलिंग शाखा : मॉडलिंग शाखा में 853 नग पुरातत्वीय दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रतिकृतियों का निर्माण किया गया। शाखा में 110 नग प्रतिकृतियों के विक्रय से राशि रुपये 53,297/– की आय अर्जित की गई। दिनांक 27.08.2025 को शाखा द्वारा मिट्टी के गणेश निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी कला की प्रदर्शन किया। दिनांक 17.09.2025 को विश्वकर्मा जयंती के अवसर प्रदर्शन एवं सृजन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें अधिक संख्या में प्रतिभागी शामिल हुए। दिनांक 06.12.2025 को जगदीशपुर चमन महल में ह्रदय दृश्यम कार्यक्रम के अवसर पर विभागीय प्रतिकृतियों के प्रदर्शन/विक्रय हेतु स्टॉल लगाया गया। दिनांक 12 से 14 दिसम्बर 2025 को मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली में मध्यप्रदेश उत्सव 2025 अवसर पर विभागीय प्रतिकृतियों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें बेस्ट डिस्प्ले का पुरस्कार संचालनालय को प्राप्त हुआ। दिनांक 09 से 10 जनवरी 2026 में विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय समारोह में विभागीय प्रतिकृतियों का प्रदर्शन कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेशन सभागृह, भोपाल में किया गया जिसे सभी आगन्तुक विद्वानों द्वारा सराहा गया। नवाचार में संचालनालय विभागीय प्राचीन बहुमूल्य प्रतिमा नृ–वराह का 3–डी स्केनिंग कराकर स्टोन डस्ट से तैयार कराई गई है जिसे डिजिटल मार्केट पर भी विक्रय किया जा रहा है।

संग्रहालय शाखा : संग्रहालयों की स्थापना का मूल उद्देश्य, पुरातत्वीय सामग्रियों का संरक्षण, प्रदर्शन एवं उनका प्रचार–प्रसार करना है। संचालनालय पुरातत्व द्वारा प्रदेश में अवस्थित संग्रहालयों के उन्नयन, विकास एवं प्रदर्शन का कार्य सम्पादित कराया जाता है। संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, मध्यप्रदेश, भोपाल के अन्तर्गत प्रदेश में 45 संग्रहालय संचालित हैं जिसमें 7 राज्य स्तरीय संग्रहालय, 22 जिला स्तरीय संग्रहालय, 9 स्थानीय संग्रहालय एवं 6 स्थल संग्रहालय हैं।

वर्ष 2025–26 में केन्द्रीय संग्रहालय इन्दौर के उन्नयन एवं विकास कार्य संपादन के लिये भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय द्वारा रू.8.00 करोड़ की राशि स्वीकृत की जाकर प्रथम किश्त के रूप में राशि रुपये 4.00 करोड़ प्रदाय की गयी है, जिसकी कार्य ऐजेन्सी म.प्र. पर्यटन विकास निगम है। संग्रहालय का उन्नयन एवं विकास का कार्य प्रचलन में है।

रानी दमयंती संग्रहालय दमोह – रानी दमयंती संग्रहालय दमोह के उन्नयन एवं विकास कार्य हेतु राशि रुपये 20.00 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिसकी कार्य ऐजेन्सी म.प्र. पर्यटन विकास निगम है। निविदा कार्यवाही पूर्ण कर कार्य प्रारंभ कराये जा चुके हैं। कार्य प्रचलन में है। **तुलसी संग्रहालय रामवन सतना** – तुलसी संग्रहालय रामवन सतना के उन्नयन एवं विकास कार्य के लिये राशि रुपये 9.68 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, निविदा कार्यवाही प्रचलन में है, जिसकी कार्य ऐजेन्सी म.प्र. पर्यटन विकास निगम भोपाल है। **गुरूगोविन्द सिंह स्मृति संग्रहालय बुरहानपुर** – केन्द्रीय सहायता योजना के अंतर्गत गुरूगोविन्द सिंह स्मृति संग्रहालय बुरहानपुर की डी.पी.आर. को पुनरीक्षित किया गया है, जिसकी कुल लागत राशि रुपये 3835.18 लाख (केन्द्रांश राशि 1539.00 लाख एवं राज्यांश 2296.18 लाख) हो गई है, जिसमें राज्यांश की राशि में बढ़ोत्तरी की गई है। राज्यांश की राशि का भुगतान पूंजीगत मद से किया जावेगा। भारत सरकार से प्राप्त होने वाली अंतिम किश्त की राशि रुपये 769.50 लाख प्राप्त करने की कार्यवाही प्रचलन में है, जिसे शीघ्र प्राप्त होने की संभावना है।

स्थानीय संग्रहालय सिरोंज – केन्द्रीय सहायता योजना के अंतर्गत भारत सरकार से राशि रुपये 191.00 लाख (केन्द्रांश राशि 152.80 लाख एवं राज्यांश 38.20 लाख) की राशि प्राप्त हुई है, जिसकी कार्य ऐजेन्सी लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू. विदिशा) है। उक्त संग्रहालय भवन निर्माण का कार्य प्रचलन में है। भारत सरकार से अनुदान के रूप में तृतीय किश्त प्राप्त हो चुकी है।

विभाग के अधीन 45 संग्रहालयों के रख–रखाव, अग्निशम यंत्रों की रीफिलिंग, CCTV कैमरों की मरम्मत आदि कार्य कराये गये।

अभिलेखागार : अभिलेखागार का मुख्य कार्यालय संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, बाणगंगा मार्ग, भोपाल में स्थित है तथा दो अभिलेख कक्ष डी–ब्लॉक, पुराना सचिवालय एवं सी–विंग, सतपुड़ा भवन, भोपाल में स्थित हैं। इसके अतिरिक्त एक क्षेत्रीय कार्यालय राजवाड़ा, इंदौर में कार्यरत है। अभिलेखागार शाखा में मध्यप्रदेश राज्य में विलीन की गई, भूतपूर्व रियासतें यथा सिंधिया राज्य ग्वालियर, होलकर राज्य इंदौर, भोपाल राज्य, मध्यभारत राज्य तथा मध्यप्रांत (सेन्ट्रल प्रॉविन्सेस) के 6.88 करोड़ ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण अभिलेख वर्ष 1798 से 1956 तक के संरक्षित हैं। यह अभिलेख हिन्दी, अंग्रेजी, मोड़ी, उर्दू एवं फारसी भाषा में हैं। अभिलेखागार में ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण दस्तावेजों का संरक्षण, संवर्धन तथा शोध कार्य किये जाते हैं।

- **डिजीटाईजेशन संबंधी कार्य** – अभिलेखागार प्रभाग में संरक्षित विभिन्न रियासतों के 6.88 करोड़ अभिलेखों का डिजीटाईजेशन का कार्य ई–निविदा के माध्यम से कराया जा रहा है। इस वर्ष होलकर राज्य इन्दौर के विविध विभागों के 25,34,846 अभिलेख एवं मध्यभारत राज्य के रेवेन्यू विभाग के 1,52,000 अभिलेखों का डिजीटाईजेशन का कार्य कराया गया। कार्य प्रगति पर है।
- **कन्जर्वेशन एवं प्रिजर्वेशन संबंधी कार्य** – अभिलेखागार प्रभाग में संरक्षित विभिन्न रियासतों के अतिमहत्वपूर्ण जीर्ण–शीर्ण अभिलेखों का कंजर्वेशन एवं प्रिजर्वेशन का कार्य भी कराया जा रहा है। इस वर्ष कुल 35,367 अभिलेख फोलियो का कंजर्वेशन एवं प्रिजर्वेशन कार्य कराया जा चुका है। कार्य प्रगति पर है।
- **डाटाबेस सर्वर** – डिजिटाइज्ड कराये जा रहे डेटा को सुरक्षित रखने हेतु डाटाबेस सर्वर स्थापित कराया गया तथा डिजीटाईज्ड डेटा को सर्वर पर अपलोड कराया जा रहा है।

- **विश्व अभिलेख दिवस** – 09 जून 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय अभिलेख दिवस के अवसर पर राज्य संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में विभिन्न गतिविधियाँ यथा Archival Walk, Exhibition, Engagement with Collectors and influencers तथा Education exposure to archival techniques का आयोजन किया गया तथा ऐतिहासिक अभिलेखों के उचित रख–रखाव व संरक्षण के लिये डिजीटाईजेशन एवं कंजर्वेशन का स्टॉल लगाकर आंगन्तुकों को जानकारी प्रदान की गई।
- **प्रशिक्षण कार्यशाला** – लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वी जयंती के अवसर पर मोड़ी लिपि पर आधारित प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 02 से 13 जून 2025 तक आर.सी.वी.पी.नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य अभिलेखागार मुम्बई से दो मोड़ीलिपि विशेषज्ञों का आमंत्रित कर उनके द्वारा 40 प्रतिभागियों को मोड़ी लिपि का प्रशिक्षण दिलाया गया तथा उन्हें प्रमाण–पत्र भी प्रदान किया गया।
- **संग्रहालय दिवस** – दिनांक 18.05.2025 को विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर राज्य संग्रहालय, भोपाल में वी. आर. सेन्टर का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया इस अवसर पर अभिलेखागार प्रभाग द्वारा अभिलेखों का डिजीटाईजेशन एवं कंजर्वेशन कार्य का प्रेजेन्टेशन संबंधित स्टॉल लगाया गया।
- अभिलेखागार में संरक्षित विविध रियासत कालीन अभिलेख वर्ष 1798 से 1956 तक अवधि के अभिलेखों पर देश–विदेश के 19 शोधकर्ताओं को उनके शोध विषय से संबंधित शोध सामग्री/सुविधा उपलब्ध कराई गई तथा शासकीय एवं अशासकीय 39 मांग पत्रों पर आवश्यक कार्यवाही कर संबंधित आवेदकों को वांछित जानकारी/अभिलेख उपलब्ध कराये गये।
- **"मध्यप्रदेश अभिलेखागार के 50 स्वर्णिम वर्ष की यात्रा"** के अवसर पर संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय भोपाल द्वारा दिनांक 23.12.2025 को राज्य संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल के ऑडिटोरियम (सभागृह) में विभिन्न कार्यक्रमों यथा अभिलेख प्रदर्शनी (1857–1947), व्याख्यानमाला का आयोजन, अभिलेखागार के सेवानिवृत्त संचालकों/उपसंचालक का अभिनंदन, लघु वृतचित्र का निर्माण, अभिलेखागार का ब्रोशर एवं विभिन्न उपलब्धियों पर आधारित स्मारिका का विमोचन माननीय मंत्री मध्यप्रदेश शासन संस्कृति एवं पर्यटन द्वारा किया गया।

ग्रन्थालय : संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय भोपाल के अधीनस्थ ग्रन्थालयों में लगभग 69813 प्रलेखों एवं पत्र–पत्रिकाओं, धार्मिक पाण्डुलिपियों एवं दुर्लभ ग्रन्थों/पुस्तकों का संकलन है, जिसमें पुरातत्व, इतिहास, संग्रहालय, अनुरक्षण, मानवविज्ञान, आर्किटेक्चर, कला, पेंटिंग, वैदिक साहित्य, मुद्राशास्त्र, लिपिशास्त्र, जिला गजेटियर आदि महत्वपूर्ण विषयों पर पाठ्य सामग्री उपलब्ध है।

देश/विदेश के लगभग 247 शोधार्थियों, जनसामान्य व्यक्ति/विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को पुरातत्विक शोध कार्य के लिये ग्रन्थालयीन सेवायें प्रदान की गयी हैं।

रसायन शाखा :– रसायन शाखा द्वारा अतीत के धरोहर को सुरक्षित रखने के लिए राज्य संरक्षित स्मारकों एवं संग्रहालयों में प्रदर्शित पुरावशेषों का रसायनिक संरक्षण कार्य किया जाता है। रसायन शाखा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में 02 स्मारक, 12 संग्रहालयों के परिसर में वेजीटेशन रिमूवल,

कीटनाशक का छिड़काव एवं दीमक विनिष्टीकरण कार्य किया गया। स्टोन क्लीनिंग प्रशिक्षण कार्यशाला राज्य संग्रहालय, भोपाल में आयोजित की गई। विगत वर्षों में रसायनिक संरक्षण कार्य के पुस्तक प्रकाशन के लिए पाण्डुलिपि तैयार की गई।

स्थापना : स्थापना शाखा के अंतर्गत वर्ष 2025–26 में 02 तृतीय श्रेणी शासकीय सेवकों को तृतीय समयमान वेतनमान दिया गया। 10 चतुर्थ श्रेणी शासकीय सेवकों को समयमान वेतनमान का लाभ दिया गया। 01 तृतीय श्रेणी, 03 चतुर्थ श्रेणी एवं 01 चतुर्थ श्रेणी (संविदा), कुल 05 अनुकम्पा नियुक्तियां की गई है।

डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान : शोध संस्थान का उद्देश्य शैलचित्र, प्रागैतिहासिक, आद्यैतिहासिक एवं इतिहास के विभिन्न कालखण्डों में पल्लवित संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहरों, पुरालिपि, प्रतिमा विज्ञान, वास्तुस्थापत्य पर विश्लेषणात्मक शोधकार्य करना प्रमुख उददेश्य है। शोध संस्थान राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, पुरातत्वीय कार्यशाला, व्याख्यान, उत्खनन, सर्वेक्षण, प्रलेखन आदि महत्वपूर्ण कार्य भी करता है। पुरातत्व के क्षेत्र में शोध कार्य व मध्यप्रदेश की विरासत से जनसामान्य को अवगत कराते हुए उनमें अभिरूचि उत्पन्न करने के लिये शोध संस्थान कनिष्ठ व वरिष्ठ अध्येतावृत्ति भी प्रदान करता है।

अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु संस्थान द्वारा 3 अप्रैल 2025 को व्याख्यान, 3 मई को चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता, 4 मई को व्याख्यानमाला, 5 जुलाई को भीम बैटका व शैलचित्रों पर परिचर्चा, 19 व 20 सितम्बर को मंदिर स्थापत्य एवं संरक्षण कार्यशाला एवं 25 नवम्बर को विश्व धरोहर सप्ताह पर व्याख्यानमाला इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किये गये।



अभिलेखागार के 50 स्वर्णिम वर्ष - व्याख्यानमाला



डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय सम्मान समारोह



मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर प्रख्यात गायक जुबिन नौटियाल



अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव



मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय की प्रस्तुति



लोकरंग समारोह

संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल

भाग–एक

संस्कृति और साहित्य का संवर्धन, संरक्षण, विस्तार और विकास की कार्य प्रतिबद्धता के अनुरूप महत्वपूर्ण कार्यों के उत्तरदायित्व का निर्वहन, संस्कृति से संबंधित नीतिगत मामले और नीति निर्धारण, साहित्य और कला का विकास, सांस्कृतिक परम्परा का संरक्षण, हिन्दी भाषा का प्रयोग और उसका विकास, अभावग्रस्त कलाकारों साहित्यकारों को पेंशन और आर्थिक सहायता, अशासकीय साहित्यिक–सांस्कृतिक संस्थाओं को प्रोत्साहन और आर्थिक सहायता, चयनित कलाकारों, साहित्यकारों का सम्मान के साथ ही साहित्य और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का कार्य किया जाता है।

संस्कृति संचालनालय का स्वीकृत सेट–अप

क्र.	कार्यालय	प्रथम श्रेणी	द्वितीय श्रेणी	तृतीय श्रेणी	चतुर्थ श्रेणी	योग
1.	संस्कृति संचालनालय	3	5	18	11	37
2.	महाविद्यालय	22	27	215	49	313
3.	रवीन्द्र भवन	–	1	12	9	22
	योग	**25**	**33**	**245**	**69**	**372**

स्वीकृत सेटअप के अतिरिक्त संचालनालय में सुपरन्यूमेरेरी पदों पर 04 कर्मचारी कार्यरत हैं।

भाग–दो

बजट प्रावधान

वर्ष 2023–24

(राशि लाख में)

शीर्ष	सेगमेंट कोड	बजट प्रावधान 2023–24	वास्तविक व्यय 2023–24
1	2	3	4
2205 (102) कला और संस्कृति	8888	3200.70	1797.74
का संवर्धन	0101	16444.80	11469.34
3454 गजेटियर	0101	117.09	82.01
4202 पूंजीगत परिव्यय	0101 / 0102 / 0103		
	0701 / 0704 / 9999	36474.24	17031.00
0102–अनुसूचित जनजाति उपयोजना	0102	2100.00	1620.00
0103–अनुसूचित जाति उपयोजना	0103	1000.01	740.00
कुल योग		**59336.84**	**32740.09**
2202 (7981) ललित कला संस्थान	8888	445.41	341.51
2202 (7982) संगीत महाविद्यालय	8888	1241.15	775.94
2202 (7043) जनभागीदारी समिति	8888	115.00	84.01
महाविद्यालय योग		**1801.56**	**1201.46**
विभागाध्यक्ष कुल योग		**61138.40**	**33941.55**

बजट प्रावधान
वर्ष 2024–25

(राशि लाख में)

शीर्ष	सेगमेंट कोड	बजट प्रावधान 2024–25	31 मार्च 2025 तक का वास्तविक व्यय
1	2	3	4
2205 (102) कला और संस्कृति	8888	4842.75	3342.80
का संवर्धन	0101	21798.27	18717.21
3454 गजेटियर	0101	135.66	73.83
4202 पूंजीगत परिव्यय	0101 / 0102 / 0103		
	0701 / 0704 / 9999	43701.38	5486.00
0102–अनुसूचित जनजाति उपयोजना	0102	3000.00	3000.00
0103–अनुसूचित जाति उपयोजना	0103	1500.01	1500.00
कुल योग		**74978.07**	**32119.84**
2202 (7981) ललित कला संस्थान	8888	481.00	358.06
2202 (7982) संगीत महाविद्यालय	8888	1053.34	863.69
2202 (7043) जनभागीदारी समिति	8888	280.00	105.91
2202 (9545) विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण	8888	07.50	0.00
महाविद्यालय योग		**1821.84**	**1327.66**
विभागाध्यक्ष कुल योग		**76799.91**	**33447.50**

बजट प्रावधान
वर्ष 2025–26

(राशि लाख में)

शीर्ष	सेगमेंट कोड	बजट प्रावधान 2025–26	31 दिसम्बर 2025 तक का वास्तविक व्यय
1	2	3	4
2205 (102) कला और संस्कृति	8888	3901.58	2709.76
का संवर्धन	0101	17969.26	10728.44
3454 गजेटियर	0101	142.51	82.12
4202 पूंजीगत परिव्यय	0101 / 0102 / 0103		
	0701 / 0704 / 9999	59710.77	15087.08
0102–अनुसूचित जनजाति उपयोजना	0102	3000.00	2250.00
0103–अनुसूचित जाति उपयोजना	0103	1500.01	1125.00
कुल योग		**86224.13**	**31982.40**
2202 (7981) ललित कला संस्थान	8888	501.86	268.02
2202 (7982) संगीत महाविद्यालय	8888	1147.97	689.62
2202 (7043) जनभागीदारी समिति	8888	170.00	71.99
2202 (9545) विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण	8888	07.50	0.00
महाविद्यालय योग		**1827.33**	**1029.63**
विभागाध्यक्ष कुल योग		**88051.46**	**33012.03**

भाग–तीन

राज्य योजनाएँ

1.1 अशासकीय संस्थाओं को अनुदान – संस्कृति के क्षेत्र में अशासकीय संस्थाओं की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अशासकीय संस्थाओं को वित्तीय सहायता योजना संचालित की जाती है। इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2023–24 में 118 एवं 2024–25 में 144 संस्थाओं को अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

1.2 अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों/कलाकारों को वित्तीय सहायता योजना – अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों/कलाकारों को वित्तीय सहायता योजनांतर्गत प्रदेश के साहित्यकारों/कलाकारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की दृष्टि से योजना के तहत वर्तमान में राशि रुपये 5000/– प्रतिमाह तथा इनके आश्रितों को रुपये 3500/– प्रतिमाह सहायता उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान है। पात्र हितग्राहियों को संबंधित जिला पंचायत कार्यालय के माध्यम से मासिक सहायता उपलब्ध करायी जाती है। वर्ष 2025–26 में कुल 173 साहित्यकारों/कलाकारों तथा उनके आश्रितों के लिये नियमानुसार सहायता राशि जारी की गई।

1.3 कलाकार कल्याण कोष से आर्थिक सहायता – प्रदेश के अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों/कलाकारों तथा उनके आश्रितों को गंभीर बीमारी के इलाज हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 2025–26 में 29 साहित्यकारों/कलाकारों के प्रकरणों पर सहायता उपलब्ध कराने संबंधी कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

1.4 समारोह – वित्तीय वर्ष 2025–26 में संस्कृति संचालनालय द्वारा विभिन्न अनुषंगों के साथ मिलकर कला विविधताओं के अंतर्गत गायन, वादन, नृत्य, रंगकर्म इत्यादि विधाओं पर केन्द्रित कार्यक्रमों के साथ ही संवाद, व्याख्यान, परिचर्चा इत्यादि पर आधारित कार्यक्रम संयोजित किये गये हैं, जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

प्राकट्य पर्व (चित्रकूट, ओरछा, उज्जैन, उमरिया, शहडोल, अमरकंटक, पन्ना एवं श्रीराम वनगमन पथ के 23 लोक आस्था स्थलों पर), परशुराम प्रकटोत्सव (जानापाव) मालवा उत्सव (इंदौर), विरासत महोत्सव (मऊसहानियाँ), देवी अहिल्या गौरव स्मृति समारोह (इंदौर/महेश्वर) विश्व योग व संगीत दिवस (नरसिंहगढ़, उज्जैन, मंदसौर, धार, इंदौर, ग्वालियर मैहर खण्डवा एवं जबलपुर), गुरु पूर्णिमा पर्व (नरसिंहगढ़, उज्जैन, मंदसौर, धार, इंदौर, ग्वालियर मेहर, खण्डवा एवं जबलपुर) राष्ट्रीय नाट्य समारोह (भोपाल), ये शाम मस्तानी (भोपाल), किशोर कुमार स्मृति समारोह (बुरहानपुर एवं भोपाल), श्रीकृष्ण पर्व (संपूर्ण मध्यप्रदेश), राष्ट्रीय हिंदी भाषा सम्मान अलंकरण समारोह (भोपाल), विष्णु नारायण भातखण्डे स्मृति प्रसंग (नरसिंहगढ़, उज्जैन, मंदसौर, धार, इंदौर, ग्वालियर, मैहर एवं खण्डवा) शक्ति पर्व (नीमच, दमोह, मैहर, नलखेड़ा, देवास, सलकनपुर), अंर्तराष्ट्रीय रामायण मेला (भोपाल/चित्रकूट), राष्ट्रीय लता मंगेशकर अलंकरण एवं गीत संगीत संध्या (इंदौर) दशहरा पर्व (परासिया/बुदनी), शरदोत्सव/वाल्मीकि समारोह (चित्रकूट), नर्मदा महोत्सव (जबलपुर), किशोर कुमार सम्मान एवं गीत संगीत संध्या (खण्डवा), गोवर्धन पर्व (भोपाल), मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह (भोपाल), अंतर्राष्ट्रीय

व्यापार मेला (दिल्ली), महाबोधि महोत्सव (सांची), स्मृति प्रसंग (भोपाल) तानसेन संगीत समारोह (ग्वालियर), हृदय दृश्यम (भोपाल), गढ़कुण्डार महोत्सव (गढ़कुण्डार) पचमढ़ी उत्सव (पचमढ़ी), रजब अली–अमानत अली स्मृति प्रसंग (देवास), ताप्ती महोत्सव (मुलताई), अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, गणतंत्र दिवस समारोह (भोपाल), निर्झरणी महोत्सव (भेड़ाघाट, बरमानघाट, सेठानीघाट नागरघाट, ओंकारेश्वर, मण्डलेश्वर, डही, बड़वानी, मण्डला, अमरकंटक, डिण्डोरी, सिवनी, रायसेन) नर्मदा साहित्य मंथन (धार) संपन्न किया गया है।

इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2025–26 के अंतिम फरवरी एवं मार्च–2026 में नोहलेश्वर महोत्सव (दमोह), महादेव (भोजपुर), महादेव (मंदसौर, टीकमगढ़, बांदकपुर, पन्ना, लांजी, मुरैना, मऊगंज नरवर कुकडेश्वर), रहस उत्सव (सागर), भारतीय नाट्य उत्सव (भोपाल), प्राकट्य पर्व (चित्रकूट, ओरछा, उज्जैन, उमरिया, शहडोल, अमरकंटक, पन्ना एवं श्रीराम वनगमन पथ के 23 लोकआस्था स्थलों पर इत्यादि प्रस्तावित हैं।

1.5 सम्मान – साहित्य, संस्कृति, सिनेमा, सामाजिक समरसता, सद्भाव आदि बहुआयामी क्षेत्रों में उत्कृष्टता, सृजनात्मकता और बहुउल्लेखनीय योगदान को समादृत करने के लिए मध्यप्रदेश की पहल देशभर में अग्रणी और अनूठी है। संस्कृति विभाग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मान संस्कृति संचालनालय के अंतर्गत स्थापित किये गये है, जो निम्नानुसार हैं :–

(1) **राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान** – गांधी विचार दर्शन (संस्था हेतु)
(2) **राष्ट्रीय कबीर सम्मान** – भारतीय भाषाओं की कविता के लिए
(3) **राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान** – हिन्दी साहित्य के लिए
(4) **राष्ट्रीय इकबाल सम्मान** – उर्दू साहित्य के लिए
(5) **राष्ट्रीय शरद जोशी सम्मान** – हिंदी व्यंग्य, ललित निबंध, रिपोर्ताज, डायरी, पत्र लेखन आदि
(6) **राष्ट्रीय कालिदास सम्मान** – शास्त्रीय संगीत
(7) **राष्ट्रीय कालिदास सम्मान** – शास्त्रीय नृत्य
(8) **राष्ट्रीय कालिदास सम्मान** – रूपंकर कलाएँ
(9) **राष्ट्रीय कालिदास सम्मान** – रंगकर्म
(10) **राष्ट्रीय तानसेन सम्मान** – हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत
(11) **राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान** – अभिनय, पटकथा, गीत लेखन, निर्देशन (बारी–बारी से)
(12) **राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान** – संगीत निर्देशन, पार्श्व गायन (बारी–बारी से)
(13) **राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान** – जनजातीय लोक व पारंपरिक कलाओं के लिए महिला कलाकार।
(14) **राष्ट्रीय तुलसी सम्मान**– जनजातीय लोक व पारंपरिक कलाओं के लिए पुरुष कलाकार
(15) **राष्ट्रीय कुमार गंधर्व सम्मान** – शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में गायन, वादन एवं नृत्य (25 से 45 वर्ष के युवा कलाकार हेतु)
(16) **राष्ट्रीय कवि प्रदीप सम्मान** – मंचीय कविता के लिए
(17) **राष्ट्रीय नानाजी देशमुख सम्मान** – सामाजिक, सांस्कृतिक समरसता, उत्थान, परिष्कार, आध्यात्म, परम्परा, समाज एवं विकास तथा संस्कृति हेतु व्यक्ति (पुरुष एवं महिला) एवं संस्था के लिए

(18) **राष्ट्रीय राजा मानसिंह तोमर सम्मान** – संगीत, संस्कृति एवं कला के संरक्षण में कार्य करने वाली संस्था के लिए।

(19) **राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान** – हिंदी सॉफ्टवेयर सर्च इंजिन, वेब डिजाइनिंग, डिजीटल भाषा प्रयोगशाला, प्रोग्रामिंग, सोशल मीडिया, डिजीटल ऑडियो विजुअल एडीटिंग आदि में उत्कृष्ट योगदान।

(20) **राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान** – भारतीय अप्रवासी होकर विदेश में हिंदी के विकास में अमूल्य योगदान।

(21) **राष्ट्रीय फादर कामिल बुल्के सम्मान** – विदेशी मूल के व्यक्ति के हिंदी भाषा एवं उसकी बोलियों के विकास में उत्कृष्ट योगदान।

(22) **राष्ट्रीय गुणाकर मुले सम्मान** – हिंदी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेखन एवं पाठ्य पुस्तकों के लिए लेखन।

(23) **राष्ट्रीय हिन्दी सेवा सम्मान** – अहिंदी भाषी लेखकों और साहित्यकारों को लेखन–सृजन में हिंदी की समृद्धि के लिए योगदान।

(24) **राज्य शिखर सम्मान** – हिन्दी साहित्य

(25) **राज्य शिखर सम्मान** – उर्दू साहित्य

(26) **राज्य शिखर सम्मान** – संस्कृत साहित्य

(27) **राज्य शिखर सम्मान** – नृत्य

(28) **राज्य शिखर सम्मान** – संगीत

(29) **राज्य शिखर सम्मान** – नाटक

(30) **राज्य शिखर सम्मान** – रूपकर कलाएँ

(31) **राज्य शिखर सम्मान** – जनजातीय एवं लोक कलाएँ

(32) **राज्य शिखर सम्मान** – दुर्लभ वाद्यवादन

1.6 कला पंचांग – संचालनालय द्वारा वित्तीय वर्ष में आयोजित होने वाली समस्त गतिविधियों की जानकारी देने के लिए एक आकर्षक कैलेण्डर कला–पंचांग का प्रकाशन भी किया गया, जिसमें अप्रैल 2025 से मार्च 2026 की अवधि में आयोजित होने वाले विभिन्न समारोह/उत्सव इत्यादि की जानकारी अंकित की गई है। यह कैलेण्डर बहुरंगी, नयनाभिराम एवं राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सचित्र दर्शाता है।

1.7 वेबसाइट – समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप विभाग के समग्र आकार को देखने, जानने तथा उससे जुड़ने की दृष्टि से संस्कृति विभाग की एक वेबसाइट बनायी गयी है, जिसको और अधिक कलात्मक, सुसज्जित एवं समृद्ध किया गया है। इस वेबसाइट www.culturemp.in के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, सक्रियता एवं उपक्रमों को दुनिया भर में देखा और जाना जा सकता है।

1.8 मोबाइल कल्चर एप – संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियों के व्यापक प्रचार–प्रसार के दृष्टिगत संचालनालय के "एमपीकल्चरल मोबाइल एप" के माध्यम से जनसामान्य हाईब्रिड मोड में कार्यक्रमों का घर बैठे अवलोकन कर सकते हैं। एप के माध्यम से कलाकारगण भविष्य में अपना ऑनलाईन पंजीयन भी करा सकेंगे।

1. रवीन्द्र भवन –

राजधानी भोपाल में रवीन्द्र भवन की स्थापना 1962 में हुई थी। रवीन्द्र भवन सभागृह, ओपन स्टेज, लॉन का उपयोग विभिन्न स्थानीय राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की अनेक कला/संगीत/साहित्य विधाओं की संस्थाओं, कलाकारों, निकाय निगमों, सामाजिक संस्थाओं द्वारा सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यक्रमों के लिए आरक्षित कर उपयोग किया जाता है। रवीन्द्र भवन सभागृह में 510 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है। इस सभागृह के अलावा परिसर में एक मुक्ताकाश मंच है, जिसमें 5000 दर्शकों की क्षमता से भव्य आयोजन होते हैं। रवीन्द्र भवन सभागृह में (जनवरी से दिसम्बर 2025 तक) 200 दिवस कार्यक्रम सभागृह/मुक्ताकाश मंच/लॉन में आयोजित किये गये।

नव निर्मित 'रवीन्द्र समागम केन्द्र' आधुनिक साज–सज्जा एवं सर्वसुविधायुक्त होने के साथ–साथ, सभागृह और कक्षों को राग आधारित पहचान दी जा सके, के उद्देश्य से आंतरिक स्थलों के प्रत्येक कक्ष के लिए विशिष्ट नाम दिये गये हैं। इसमें 'हंसध्वनि' नाम से मुख्य ऑडिटोरियम जिसकी क्षमता 1500 है, इसके अतिरिक्त एक 'गौरांजनी' लघु ऑडिटोरियम क्षमता 212 (वातानुकूलित अलंकरण कक्ष एवं वातानुकूलित विश्राम रूम) के साथ 'जयजयवन्ती' सभागार (बोर्ड रूम) क्षमता 80, 'मालाकौश' बैठक कक्ष (मीटिंग हॉल) क्षमता 40, 'कौशिकी' उत्सव कक्ष (बैंक्वेट हॉल) क्षमता 350, 'मल्हार ऑडियो रिकार्डिंग स्टूडियो, 'श्रीरंजिनी' वीडियो रिकार्डिंग स्टूडियो, 'कुरंजिका' भोजन कक्ष, 'वागीश्वरी' अभ्यास कक्ष (रिर्हसल रूम), 'ललित' कलाविधि कार्य (आर्ट गैलरी) आदि सुविधाएं कला प्रेमियों एवं जनसामान्य के लिए न्यूनतम दर पर उपलब्ध होती हैं। नये सभागृह एवं विभिन्न स्थानों पर 230 दिवस कार्यक्रम, जिसमें शासकीय एवं अशासकीय कार्यक्रमों में सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं रचनात्मक इत्यादि आयोजित किये गये।

2. शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के नियंत्रणाधीन एवं संस्कृति संचालनालय के अंतर्गत प्रदेश के 07 शासकीय संगीत महाविद्यालय संचालित हैं। इन महाविद्यालयों में संगीत से संबंधित विषयों/विधाओं (गायन, हारमोनियम, तबला, सितार, वायलिन, सारंगी एवं नृत्य (कथक) में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा (विद एवं कोविद) स्नातक एवं स्नात्कोत्तर स्तर पर शिक्षण कार्य संपादित किया जाता है :–

(1) शासकीय माधव संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर – शासकीय माधव संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर की स्थापना स्व. पण्डित विष्णु नारायण भातखण्डे जी की प्रेरणा से स्वर्गीय महाराजा माधवराज सिंधिया के संरक्षण में दिनांक 10 जनवरी 1918 को हुई। महाविद्यालय का उद्देश्य संस्थागत शिक्षण पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों को संगीत के क्षेत्र में प्रशिक्षित कर कला जगत में आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित करना है। महाविद्यालय में समय–समय पर सांगितिक कार्यक्रय जैसे विश्व संगीत दिवस, गुरु पूर्णिमा पर्व, भातखण्डे स्मृति प्रसंग, मासिक संगीत समा, वार्षिक स्नेह सम्मेलन व अन्य प्रतियोगिताएँ, कार्यशाला व सेमीनार आयोजित किये जाते हैं।

(2) लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय, इंदौर – लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय, इंदौर की स्थापना जुलाई 1935 में हुई। इस महाविद्यालय में गायन, तबला, बेला, सितार, कथक विषय संचालित हैं। महाविद्यालय में विभिन्न संकायों एवं उपाधि वर्ष के लगभग 504 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

संगीत एवं योग दिवस, गुरू–पूर्णिमा, भातखण्डे वार्षिक स्नेह सम्मेलन तथा कार्यशाला–तबला दिवस 25 दिसम्बर 2025 लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों की सुगम एकल गायन, पाश्चात्य एकल गायन, समूह गायन, समूह लोकनृत्य, पाश्चात्य समूह गायन में सहभागिता रही।

(3) शासकीय माधव संगीत महाविद्यालय, उज्जैन – इस महाविद्यालय की स्थापना सन् 1926 में तत्कालीन ग्वालियर महाराज श्री माधवराव सिंधिया के द्वारा की गई। महाविद्यालय में गायन, तबला वायलिन, हारमोनियम, सितार, कथक नृत्य विषयों में डिप्लोमा, स्नातक तथा स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम एवं संगीतिका जूनियर सीनियर डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित है। जिसमें वर्तमान में प्रत्येक विषय की कक्षाओं को मिलाकर कुल 500 छात्र–छात्राएँ अध्यापन कर रहे है। गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष 74 विद्यार्थियों की वृद्धि हुई है।

छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु महाविद्यालय में अनेक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जिनमें प्रमुख रूप से विश्व योग एवं संगीत दिवस, गुरुपूर्णिमा महोत्सव, भातखण्डे स्मृति समारोह, वसंत पंचमी महोत्सव, वार्षिक स्नेह सम्मेलन इत्यादि हैं।

(4) शासकीय माधव संगीत महाविद्यालय, मंदसौर – महाविद्यालय में गायन, तबला, वॉयलिन एवं कथक विषय संचालित हैं। जिसमें सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातक स्तर का अध्यापन कार्य कराया जाता है।

महाविद्यालय द्वारा विश्व योग एवं संगीत दिवस, गुरु पूर्णिमा एवं पं विष्णु नारायण भातखण्डे स्मृति संगीत समारोह के अवसर पर शास्त्रीय संगीत सभा का आयोजन महाविद्यालय के छात्र–छात्राओ द्वारा किया गया। महाविद्यालय द्वारा विकसित भारत सेवा पर्व पखवाड़ा अन्तर्गत शासन द्वारा संकल्पना पर केन्द्रित सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत दो दिवसीय संगीत कार्यशाला, तबला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय तबला कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में वसंतोत्सव, फाग उत्सव एवं भारत पर्व तथा स्थानीय प्रशासन द्वारा समय–समय पर आयोजित किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में महाविद्यालय की सक्रिय भागीदारी रहती है।

(5) शासकीय संगीत महाविद्यालय, धार – सन् 1945 में स्थापित शा. संगीत महाविद्यालय धार संगीत शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी है। महाविद्यालय में गायन, वायलिन तथा तबला की कक्षाएँ संचालित है, जिसमें संगीत कला प्रवेशिका प्रथम से संगीतकला विद् अंतिम तक (6 वर्षीय डिप्लोमा) तथा बी.पी. ए. (4 वर्षीय स्नातक उपाधि) तक अध्ययन–अध्यापन का कार्य किया जाता है। वर्तमान में प्रत्येक विषय की कक्षाओं को मिलाकर कुल 101 छात्र–छात्राएँ अध्यापन कर रहे हैं।

महाविद्यालय में प्रतिवर्ष वार्षिक स्नेह सम्मेलन, मासिक संगीत सभा, स्वाधीनता पर्व, गणतंत्र दिवस, विश्व योग एवं संगीत दिवस, गुरु पूर्णिमा महोत्सव, विष्णु नारायण भातखण्डे स्मृति प्रसंग, तबला दिवस पर संगीत सभा आयोजित की गई।

(6) शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर – शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर की स्थापना 20वी शताब्दी की शुरूआत में मैहर रियासत में सन् 1956 में हुई। शास्त्रीय संगीत एवं शास्त्रीय वाद्य की शिक्षा जिसमें सरोद, सितार, वायलिन, तबला, गायन एवं कथक (नृत्य) की शिक्षा उस्ताद अलाउद्दीन खाँ मैहर घराना के प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीत के रूप में विद्यार्थियों को निरंतर प्रदान की जा रही है। उपरोक्त विषयों में संगीत के 437 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। मैहर घराने की संगीत परम्परानुसार शासकीय

संगीत महाविद्यालय मैहर के अन्तर्गत शासकीय मैहर वाद्यवृन्द जिसकी स्थापना उस्ताद अलाउद्दीन खाँ द्वारा लगभग 100 वर्ष पूर्व महाराजा बृजनाथ सिंह जूदेव के संरक्षण में आरंभ हुई जो आज दिनाँक तक निरंतर चली आ रही है। मैहर में प्रतिवर्ष उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत समारोह आयोजित किया जाता है जिसमें मैहर बैण्ड की विशेष प्रस्तुति की जाती है।

(7) शासकीय संगीत महाविद्यालय, नरसिंहगढ़ – शासकीय संगीत महाविद्यालय, नरसिंहगढ़ महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1945 में हुई है। महाविद्यालय में गायन, तबला, वायलिन, एवं नृत्य विषय में प्रवेशिका–विद्, कलारत्न डिप्लोमा एवं बी.पी.ए. साथ ही एम.ए./एम.पी.ए. (गायन तथा तबला विषय) पाठ्क्रम संचालित हैं। शैक्षणिक सत्र 2025–2026 में महाविद्यालय में कुल 232 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

इसी प्रकार प्रदेश में 05 शासकीय ललित कला महाविद्यालय संचालित हो रहे हैं। इन महाविद्यालयों में ललित कला से संबंधित समस्त विषय/विधा (चित्रकला, मूर्तिकला एवं व्यावहारिक कला) में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में शिक्षण कार्य संपादित किया जाता है :–

(1) शासकीय ललित कला महाविद्यालय, ग्वालियर – शासकीय ललित कला महाविद्यालय, ग्वालियर स्वयं के परिसर में संचालित हो रहा है। वर्तमान में 225 छात्र/छात्राओं के साथ चित्रकला, मूर्तिकला, व्यावहारिक कला के यू.जी., पी.जी. एवं सर्टिफिकेट कोर्स संचालित हो रहे है विगत वर्ष परीक्षा परिणाम 99 प्रतिशत रहा है।

वर्ष–2025 खजुराहो नृत्य समारोह के अन्तर्गत आयोजित चित्रकारों की 07 दिवसीय लाईव चित्रांकन कार्यशाला, विश्व योग एवं संगीत दिवस, गुरु पूर्णिमा उत्सव, मूर्तिकला कार्यशाला, चित्रकला प्रतियोगिता, कला मेला आयोजनों में छात्र–छात्राओं की सहभागिता।

(2) शासकीय ललित कला महाविद्यालय, इंदौर – शासकीय ललित कला महाविद्यालय इन्दौर की स्थापना सन् 1927 में कला महर्षि श्री डी.डी. देवलालीकर द्वारा की गई। महाविद्यालय में सत्र 2025–26 में 113 छात्र/छात्राएँ चित्रकला व व्यावहारिक कला के यू.जी, पी.जी. कोर्स में अध्ययनरत हैं। समय–समय पर विभाग द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम – विश्व योग एवं संगीत दिवस, गुरू पूर्णिमा, तानसेन कला शिविर व जलम कला शिविर में विद्यार्थियों द्वारा रुचिपूर्ण सहभागिता की गई।

(3) शासकीय ललित कला महाविद्यालय, जबलपुर – शासकीय ललित कला महाविद्यालय जबलपुर की स्थापना सन् 1962 में हुई। सत्र 2025–26 के लिए 200 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। छायांकन कार्यशाला, विश्व योग दिवस, गुरु पूर्णिमा उत्सव, चित्रकला कार्यशाला, चित्रकला प्रतियोगिता, सेवा पर्व पखवाड़ा, छंद–प्रसंग, भारतीय कला राष्ट्रीय शिविर में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की।

(4) शासकीय ललित कला महाविद्यालय, धार – महाविद्यालय में बी.एफ.ए. चित्रकला चार वर्षीय पाठ्यक्रम एवं एम.एफ.ए. चित्रकला दो वर्षीय पाठ्यक्रम तथा सर्टिफिकेट कोर्स 01 वर्षीय संचालित किये जा रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2025–28 में बी०एफ०ए० चित्रकला विषय में 32 विद्यार्थी व एम०एफ०ए० चित्रकला 05 विद्यार्थी तथा सर्टिफिकेट कोर्स में 2 विद्यार्थी, कुल 39 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। महाविद्यालय में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, महाविद्यालय का स्थापना दिवस, व्याख्यान के आयोजन के साथ ही राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, चित्रकला प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की।

(5) शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय, खण्डवा – शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय, खंडवा प्रदेश का ऐसा प्रथम संयुक्त महाविद्यालय है जिसमें संगीत एवं ललित कला दोनों विधाएं एक साथ में संचालित की जाती है। इस महाविद्यालय की स्थापना जून, 2013 में हुई। जिसमें वर्तमान में संगीत से संबंधित विषय/विधा (गायन, तबला, सितार, हारमोनियम, कथक) में डिप्लोमा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर एवं ललित कला विधा में (चित्रकला, मूर्तिकला एवं व्यवहारिक कला) के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स की कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में महाविद्यालय में उक्त संचालित पाठ्यक्रमों में कुल विद्यार्थी संख्या 305 है।

महाविद्यालय द्वारा विश्व योग एवं संगीत दिवस, गुरु पूर्णिमा, पण्डित विष्णु नारायण भातखण्डे रमृति प्रसंग, तबला कार्यशाला आयोजित की गई।

3. मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल –

मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय में दिनांक 01 जनवरी से दिसम्बर 2025 तक संचालित की गई कक्षाओं में आमंत्रित अतिथि व्याख्याताओं द्वारा विद्यार्थियों को अभिनय, विक्रमादित्य काल की कलाओं, भारतीय रंगमंच श्री विद्या, सॉर्डन मूवमेंट नाट्य लेखन, बाल रंगमंच, कहानी रंगमंच, मलखम, वेशभूषा परिकल्पना, शास्त्रीय भारतीय रंगमच, छाऊ, थियेटर, संगीत, भरतनाट्यम शास्त्रीय नृत्य, थांग्टा, सेट निर्माण परिकल्पना, कविता रंगमच, पोस्टर एवं स्पेस डिजाईन, प्रकाश परिकल्पना, देहगति, असंगत अभिनय, फिल्मी स्टंट, माईजनर, योगा, रंग संगीत, प्रॉपर्टी निर्माण, कल्लरी, स्वर सम्भाषण, रूपसज्जा, देहगोरी, भारतीय शास्त्रीय शैली, यथार्थवादी शैली आदि में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम एवं रंग प्रयोगशाला के विद्यार्थियों का वार्षिक शिक्षण–प्रशिक्षण, चयन कार्यशालाएं तथा परीक्षाएं–शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत भ्रमणशील कार्यशाला का आयोजन, किन्नर मेला, मृच्छकटिकम, चेरी का बगीचा, श्रीकृष्ण सुदामा, एक फूल का नाम लो, विक्रमोर्वशी, बरी द डेड, चुकाएंगे नहीं, राम की शक्ति पूजा, श्रीमान चोर, सच्चा स्वांगी, एक थी चिड़ी आदि नाट्य प्रस्तुतियों का मंचन किया गया।

रंग प्रयोगशाला सत्र 2025–26 की कार्यशालाएँ एवं नाट्य प्रस्तुतियां – मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के रंग प्रयोगशाला के द्वितीय सत्र 2025–26 के विद्यार्थियों के साथ "व्यक्तित्व विकास" पर 12 दिवसीय कार्यशाला, 2024–25 के विद्यार्थियों के साथ एक माह की रंगमंचीय प्रस्तुति परक कार्यशाला (दमोह, बालाघाट, रीवा एवं झाबुआ), 'आशा अमरधन' का मंचन (बालाघाट), 'घर' एवं 'चंपावती' का नाट्य मंचन (दमोह), 'आजादी की नींद'' का मंचन (रीवा), बहादुर चूहा एवं एकता में बल का मंचन (झाबुआ) किया गया।

4. राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर अध्यादेश 2008 (क्रमांक 5 सन् 2008) के तहत 19 अगस्त 2008 को राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश की संगीत हृदय स्थली व सांस्कृतिक एवं साहित्यिक नगरी ग्वालियर में स्थापित किया गया। इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश है। विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु राज्य शासन द्वारा आवंटित की गई भूमि पर विश्वविद्यालय द्वारा विकास एवं निर्माण कार्यों के अंतर्गत ऑडिटोरियम निर्माण,

अकादमिक भवन निर्माण, बालक–बालिका छात्रावास, कुलपति–कुलसचिव आवास, शिक्षक एवं कर्मचारी आवास तथा अतिथि आवासगृह का निर्माण कार्य प्रारम्भ है।

विश्वविद्यालय अंतर्गत 137 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय अध्ययनशाला में संचालित संगीत, नृत्य, ललित कला, रंगमंच संकाय, कला संकाय एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के लगभग 12000 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा गुरु पूर्णिमा उत्सव, व्याख्यान, कला संवाद, विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 12 वीं योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय को 12B का स्टेटस प्रदान किया गया है।

5. साँची बौद्ध–भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, साँची

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति मंत्रालय द्वारा वर्ष 2012 में गठित साँची बौद्ध–भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय अकादमिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है। बौद्ध एवं भारतीय दर्शन के विभिन्न आयामों पर गहन शोध एवं उच्चस्तरीय अध्ययन के उद्देश्य से स्थापित साँची विश्वविद्यालय में जुलाई 2025 से दसवां अकादमिक सत्र प्रारंभ हुआ। साँची विश्वविद्यालय सलामतपुर–साँची, रायसेन स्थित अपने नवीन परिसर में संचालित होने लगा है। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के लिए निर्मित 5 भवनों में अकादमिक भवन, प्रशासनिक भवन, मैत्रेयी कन्या छात्रावास, बालक छात्रावास तथा लाइब्रेरी भवन कार्यरत हो गए हैं।

अकादमिक सत्र 2025–26 में विश्वविद्यालय द्वारा 5 विभिन्न स्कूलों के 11 विभिन्न विभागों द्वारा नियमित पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विभिन्न विभागों के अंतर्गत 100 छात्र स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में, 49 छात्र पी.एच.डी शोधार्थी के रूप में तथा 21 छात्र सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में अध्ययनरत् होकर कुल छात्रों की संख्या 170 है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश, विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा तथा केन्द्रीय पात्रता परीक्षा (CUET) के माध्यम से संपन्न हुए। पी.एच.डी पाठ्यक्रमों में प्रवेश भी विश्वविद्यालयीन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया गया।

साँची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में इंडियन सोसायटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज (ISBS) का रजत जयंती सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में वियतनाम, म्यांमार और श्रीलंका के अलावा देश–विदेश के 150 से अधिक प्रतिष्ठित बौद्ध विद्वान सम्मिलित हुए। साँची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अवसर पर 5 दिवसीय ध्यान शिविर, चूड़ामणि पर व्याख्यान, भगवान राम के लंका मार्ग के पुरातात्विक प्रमाण पर विशेष व्याख्यान, बुद्ध पूर्णिमा कार्यक्रम, हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता : स्वतंत्रता का उत्सव स्वतंत्रता के संग अभियान, सेवा पखवाड़ा अंतर्गत विकसित भारत में शिक्षक की भूमिका पर परिचर्चा आदि कार्यक्रमों के साथ ही "मोदी युग–संसदीय लोकतंत्र का नया अध्याय" और "अमृतकाल में भारत" पुस्तक पर परिचर्चा आयोजित की गई।

6. मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, भोपाल

मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को संचालित करने के लिये मध्यप्रदेश शासन द्वारा वित्त पोषित पंजीकृत संस्था है। परिषद् की अधीनस्थ अकादमियों द्वारा संस्कृति विभाग के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप कला और साहित्य के संरक्षण, संवर्धन और विकास की गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं। परिषद् अपने अनुषंगों के माध्यम से विभाग के लिये निर्धारित विभागीय योजनाओं को विस्तार देते हुये मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, साहित्य अकादमी, कालिदास संस्कृत अकादमी, सिंधी साहित्य अकादमी, मराठी साहित्य अकादमी, भोजपुरी साहित्य अकादमी, पंजाबी साहित्य अकादमी एवं मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी के माध्यम से निर्धारित विभागीय योजनाओं को क्रियान्वित करती रही है :–

(1) उस्ताद अलाउद्दीन ख़ाँ संगीत एवं कला अकादमी, भोपाल –

अकादमी द्वारा कुमार गंधर्व समारोह (देवास), 131वां गुरू पूर्णिमा संगीत समारोह नाना साहब पानसे–बकायन (जिला–दमोह), कथक प्रशिक्षण कार्यशाला (भोपाल), लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता (इंदौर), संभागीय कला विमर्श संगोष्ठी (जबलपुर), 51वाँ उस्ताद अलाउद्दीन खां समारोह (मैहर), 101 वाँ तानसेन संगीत समारोह, (दतिया, शिवपुरी एवं ग्वालियर), पण्डित नन्दकिशोर शर्मा स्मृति समारोह (भोपाल), घुँघरू समारोह (जबलपुर), राग अमीर समारोह (इन्दौर) आयोजित किये गये।

अकादमी द्वारा आगामी माह में 52 वाँ खजुराहो नृत्य समारोह, बैजू बावरा समारोह, आचार्य भरत मुनि प्रसंग (दमोह), पण्डित सदाशिव भगवंत देशपाण्डे स्मृति समारोह (ग्वालियर) आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

- **ध्रुपद केन्द्र, भोपाल** – उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, भोपाल के अन्तर्गत कार्यरत ध्रुपद केन्द्र की स्थापना 1 दिसम्बर 1981 को भोपाल में की गई थी। यह केन्द्र भारतीय शास्त्रीय गायन की दुर्लभ शैली ध्रुपद को गुरू–शिष्य परम्परा के अंतर्गत गहन प्रशिक्षण प्रदान करने का केन्द्र है।
- **ध्रुपद केन्द्र– ग्वालियर एवं बेहट**– उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी के अन्तर्गत बेहट–ग्वालियर में संचालित है। इस केन्द्र की स्थापना 2019 गुरू–शिष्य परम्परा के अंतर्गत की गई। वर्तमान में इस केन्द्र में लगभग ग्यारह प्रशिक्षणार्थी संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

  ग्वालियर में संचालित ध्रुपद केन्द्र की स्थापना 1999 गुरू–शिष्य परम्परा के अंतर्गत की गई है। वर्तमान में इस केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है। नवीन सत्र के लिए विज्ञापन का प्रस्ताव प्रेषित किया गया है।
- **चक्रधर नृत्य केन्द्र, भोपाल** – रायगढ़ घराने के महान नर्तक महाराज चक्रधर सिंह की स्मृति में कथक नृत्य शैली की शिक्षा लगभग चार दशकों से अकादमी द्वारा गुरु–शिष्य परम्परा के अन्तर्गत प्रदान की जा रही है। चक्रधर नृत्य केन्द्र से अनेक छात्राओं ने कथक नृत्य में उच्च प्रशिक्षण प्राप्त किया।

❍ **तानसेन कलावीथिका, ग्वालियर** – उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी के अनुषंग कार्यालय पड़ाव ग्वालियर में नियमित संचालित है। इस वीथिका में चित्रों की प्रदर्शनी, कार्यशाला, ध्रुपद गायन का प्रशिक्षण आदि गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं।

(2) जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल

मध्यप्रदेश में निवासरत जनजातीय और लोक समुदायों की संस्कृति, कला और वाचिक परम्परा के सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, प्रकाशन और समारोहों के साथ मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय–भोपाल, 'त्रिवेणी' कला संग्रहालय–उज्जैन, 'सर्वांग' कला दीर्घा–उज्जैन, 'आदिवर्त' जनजातीय लोक कला राज्य संग्रहालय–खजुराहो, 'तुलसी' शोध संस्थान–चित्रकूट का संचालन तथा स्व. जनगण सिंह श्याम गोण्ड कला केन्द्र–पाटनगढ़ (डिण्डोरी) एवं जनजातीय कला केन्द्र–ताला (उमरिया) की स्थापना का कार्य किया जा रहा है।

(अ) समारोह – जनजातीय और लोक समुदायों में विभिन्न अनुष्ठानिक और मनोरंजन परक नृत्य, गायन, वादन एवं अभिनयन के साथ अवसर विशेष पर सृजित किये जाने वाले शिल्पों, चित्रों आधारित विविध गतिविधियाँ होती हैं। ऐसे पारम्परिक कलारूपों को लोकव्यापकता प्रदान करने तथा सांस्कृतिक अर्न्तक्रिया के उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न स्थलों पर गतिविधियाँ आहुत की गई हैं। कुछेक गतिविधियाँ मौखिक परम्परा के चरित नायकों, आध्यात्मिक मान्यताओं आदि पक्षों को लेकर विशेष रूप से परिकल्पित कर तैयार कराई गई हैं, जिनकी प्रस्तुतियाँ भी अकादमी की गतिविधि का महत्वपूर्ण भाग रही हैं। ऐसी गतिविधियों में गणतंत्र के अवसर पर पाँच दिवसीय आयोजित **'लोकरंग'**–भोपाल, पारम्परिक कलाओं एकाग्र **'लोकरंजन समारोह'**–खजुराहो, जनजातीय नृत्यों पर एकाग्र **'भगोरिया उत्सव'**–झाबुआ, महिलाओं के कलारूपों एकाग्र **'इन्द्राणी उत्सव'**–भोपाल, जनजातीय नृत्यों पर एकाग्र **'सम्पदा समारोह'**–पचमढ़ी, श्रीरामकथा की लीला प्रस्तुति एकाग्र **'प्राकट्य पर्व'**–बड़नगर, विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर **चित्रांकन शिविर**–खजुराहो/उज्जैन, मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की स्थापना का 12वाँ वर्षगाँठ समारोह **'महुआ महोत्सव'**–भोपाल, श्रावण सोमवार के अवसर पर **'महाकाल की सवारी'** के दौरान प्रत्येक सोमवार को सांस्कृतिक गतिविधियाँ, गुरुपूर्णिमा के अवसर पर **'श्रद्धा पर्व'** गोस्वामी तुलसी दास जी की जयन्ती के अवसर पर **'तुलसी जयन्ती समारोह'**–चित्रकूट, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर **'भक्ति पर्व'**–उज्जैन, दीपावली के अवसर पर प्रवचन, व्याख्यान, भक्ति संगीत और श्रीरामकथा प्रस्तुति पर एकाग्र **'तुलसी उत्सव रघुनाथ गाथा'**–चित्रकूट,दीपावली के अवसर पर **'मोनिया उत्सव'–खजुराहो,** गोण्ड जनजातीय **नृत्य प्रशिक्षण–परिष्कार शिविर**, प्रत्येक रविवार को जनजातीय और लोक नृत्यों, गायन, वादन आधारित समारोह **'संभावना'** का आयोजन, युद्ध कलाओं एवं शारीरिक कर्तब एकाग्र समारोह **'उद्घोष',** अलीराजपुर एवं सिवनी जिले में जनजातीय नृत्यों केन्द्रित **'मड़ई उत्सव',** कठपुतली परम्परा पर केन्द्रित **'पुतुल समारोह',**घुमन्तू समुदायों की भाषा शब्द संचय प्रविधि शिविर का आयोजन पचमढ़ी एवं भोपाल में, प्रत्येक माह **'शलाका'** जनजातीय चित्र प्रदर्शनी, श्रीरामनवमी के अवसर पर तीन दिवसीय 'लोकोत्सव'–खण्डवा, गायिकी एवं नृत्य प्रस्तुतियों एकाग्र **'लोकराग समारोह'**–खकनार (बुरहानुपर),कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर पारम्परिक कलाओं एवं काव्यपाठ केन्द्रित **'निमाड़ उत्सव'**–महेश्वर, पारंपरिक कलाओं एकाग्र **लोकोत्सव**–कराहल (श्योपुर), शिव–पार्वती के लोकरूपों एकाग्र **गणगौर उत्सव**–करेली (नरसिंहपुर)

और भील समुदाय का अनुष्ठानिक पर्व **'इन्दल उत्सव'**–मटली (बड़वानी) और 'आदिवर्त' संग्रहालय की स्थापना का तीसरा **वर्षगाँठ समारोह**–खजुराहो में आयोजित किया गया।

'लीला गुरूकुल संस्थान'के माध्यम से 'श्रीरामकथा' के विविध आधार ग्रंथों से सात दिवसीय श्रीरामलीला का आदर्शपाठ तैयार कराकर सात दिवसीय श्रीरामलीला प्रस्तुति तैयार की गई है। इसी प्रस्तुति से पटकथा के सम्पादन उपरान्त पाँच और तीन दिवसीय लीला रूप भी तैयार किया गया है। जिसकी प्रस्तुतियाँ प्रदेश के अलग–अलग स्थानों पर कराई गई हैं।

श्रीरामकथा के विविध प्रसंगों के लीला मंचन एकाग्र सात दिवसीय 'अन्तरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव' का आयोजन राघव प्रयाग घाट, चित्रकूट में किया गया है। समारोह में सातों दिवस संस्कृति कला संगम–नई दिल्ली द्वारा श्रीरामकथा में वर्णित अनुसार विविध प्रसंगों का मंचन किया गया है। इसके साथ ही आई.सी.सी.आर.–नई दिल्ली द्वारा आमंत्रित विदेशी लीला मण्डलियों में इण्डोनेशिया, वियतनाम, मलेशिया की लीला मण्डली द्वारा लीला मंचन किया गया है।

संस्कृति संचालनालय के लिये 'शक्ति पर्व' सुन्दरशी मेला–शाजापुर, मंगलादेवी मेला–भिण्ड, निहालदेवी मेला–गुना, माँ कालका देवी मेला–रतलाम, भद्रकाली मेला–पेटलावद (झाबुआ), नोहटा, चापरा, बनवार (दमोह)/अन्तर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव–भोपाल, गोवर्द्धन पर्व–भोपाल, अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव–कुरुक्षेत्र (हरियाणा), गीता महोत्सव–नारायणा, अमझेरा, जानापाव, सान्दीपनि आश्रम (उज्जैन) एवं पन्ना तथा दशहरा पर्व–तारादेही (दमोह), दशहरा मैदान (छिंदवाड़ा), फूलबाग मैदान (ग्वालियर), दशहरा मैदान (सीधी), भरवेली माइन्स (बालाघाट), रामलीला मैदान–कारी (टीकमगढ़), एन. सी.सी. ग्राउण्ड (रीवा), दशहरा मैदान बरही (कटनी), दशहरा मैदान (मऊगंज), पॉलिटेक्निक ग्राउण्ड (शहडोल), ग्राम पंचायत बघोली (बैतूल), चौपाटी फारेस्ट प्ले ग्राउण्ड (कटनी), रामलीला सांस्कृतिक मंच, बांधव कुंज (सतना), दशहरा मैदान (जबलपुर), दशहरा मैदान, जामसांवली (पांढुर्ना) के संयोजन का कार्य किया गया।

संस्कृति संचालनालय के लिये वर्तमान मध्यप्रदेश के भौगोलिक क्षेत्र से सम्बद्ध **श्रीरामचन्द्र वनगमन पथ** के चिन्हित 23 स्थलों में श्रीरामनवमी के अवसर पर 'प्राकट्य पर्व' का आयोजन किया गया है।

लोकमाता देवी अहिल्या के 300वें जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रदेश के धार, खण्डवा एवं देवास में देवी अहिल्या बाई के जीवन और अवदान केन्द्रित नाट्य प्रस्तुति **'लोकमाता अहिल्याबाई'** का संयोजन किया गया है।

गोण्ड शासकों द्वारा स्थापित 52 गढ़ों में से 31 गढ़ों पर उनके ही चरित एवं ऐतिहासिक नायकों पर केन्द्रित तीन–तीन दिवसीय **'जननायक : गोण्ड इतिहास की नृत्य–नाट्य प्रस्तुतियाँ'** समारोह का आयोजन किया गया।

(ब) प्रकाशन – अनुसूचित जातियों तथा अन्य ग्राम्य कलाओं, परम्पराओं, वाचिकता एवं संस्कृति रूपों पर केन्द्रित चौमासिक पत्रिका **'चौमासा'**के तीन अंकों क्रमशः 127 एवं 128का प्रकाशन किया गया है। पत्रिका की पूरक पुस्तिका के रूप में **'एक समय की बात हती : बुन्देली कथाएँ'**पुस्तक प्रकाशित की गई हैं।

विशिष्ट विषयों एवं शोधों पर आधारित पुस्तकों में घुमन्तू समुदायों पर केन्द्रित **रेबारी**, निमाड़ी संत सिंगाजी के वचनों पर आधारित पुस्तक **संत सिंगाजी**, विशेष पिछड़ी जनजाति सहरिया के जीवन

एवं कला परम्परा आधारित पुस्तक **सहरिया**, मध्यप्रदेश की नदियों केन्द्रित **सदानीरा**, वंशावली एवं विरुदावली के शोध आधारित **कुटुम्ब** पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है।

(स) सर्वेक्षण एवं दस्तावेजीकरण – घुमन्तू जातियों क्रमशः बंजारा, पारधी, कुचबंधिया, गाड़िया लोहार और बेड़िया समुदायों की भाषाओं का वैज्ञानिक ढंग से संग्रह और शब्दकोष तैयार किये जाने का कार्य किया गया है। पाँच अन्य घुमन्तू जातियों क्रमशः कालबेलिया, कंजर, नट, बांछड़ा और कलन्दर समुदायों की विलुप्त होती भाषाओं के शब्द संचय की प्रविधि और टॉकिंग डिक्शनरी तैयार करने के लिये शिविर का आयोजन किया गया।

तीन दिवसीय 'वंशावली एवं विरुदावली राष्ट्रीय संगोष्ठी' ओंकारेश्वर (खण्डवा) में आयोजित की गई। अन्य जनजातियों क्रमशः भारिया और गोण्ड जनजातियों के सांस्कृतिक अध्ययन का कार्य कराया जा रहा है। मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक जनपदों के पारम्परिक व्यंजन का विशद् अध्ययन कराया गया है, जिसे आगामी वर्ष में सचित्र पुस्तक रूप में प्रकाशित किया जायेगा। 'त्रिवेणी' कला संग्रहालय द्वारा देश में प्रचलित श्रीरामलीला प्रस्तुतियों में प्रयुक्त वेश–भूषा, मुकुट–मुखौटे एवं अस्त्र–शस्त्र आदि के संग्रह के साथ ही अन्य देशों की वेश–भूषा का भी संग्रह किया गया है, जिसकी प्रदर्शनी भी अन्तर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव के अवसर पर संयोजित की गई है।

श्रीकृष्ण द्वारा गुरु सान्दीपनि आश्रम में सीखी 64 कलाओं और 14 विद्याओं का राजस्थान की नाथद्वारा पिछवई शैली में चित्रांकन कराकर उनका प्रदर्शन 'सर्वांग' कला दीर्घा में किया गया है। 'त्रिवेणी' कला संग्रहालय द्वारा अकादमी द्वारा आल्हा–ऊदल के जीवन और अवदान केन्द्रित प्रकाशित पुस्तक 'आल्हा : लोक महाकाव्य' में उल्लेखित लड़ाइयों में से दस लड़ाइयों की कथा आधारित वाटर कलर में चित्रांकन कार्य कराया गया है।

(द) अनुषंग कला संस्थाएँ –

1. **तुलसी शोध संस्थान, चित्रकूट** : लीला गुरूकुल संस्थान' की स्थापना वर्ष 2016 में चित्रकूट में की गई है। वर्तमान में यह संस्थान तुलसी शोध संस्थान के भवन से ही संचालित किया जा रहा है। संस्थान की स्थापना के लिये जिला प्रशासन द्वारा आवंटित भूमि का आधिपत्य प्राप्त कर आकल्पन कार्रवाई प्रचलित है। संस्थान द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के अवसर पर 'तुलसी जयंती समारोह', दीपावली के अवसर पर प्रवचन, व्याख्यान, भक्ति संगीत और श्रीरामकथा प्रस्तुति पर एकाग्र 'तुलसी उत्सव रघुनाथ गाथा' समारोह का आयोजन किया गया।

संस्थान द्वारा श्रीरामलीला की प्रस्तुति में परिष्कार लाने के लिये आदर्श पाठ का लेखन कराया गया है। उक्त पाठ के आधार पर संगीत रचना और ध्वनि मुद्रण का कार्य प्रचलन में है। सात दिवसीय आदर्श लीला का संगीतमय स्वरूप का कलाकारों द्वारा लिप्सिंग कर प्रस्तुति को आकर्षक और पूर्ण पवित्रता के साथ किया जा सकेगा।

2. **मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, भोपाल** : मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की स्थापना का 11वाँ वर्षगाँठ समारोह, कोरकू एवं गोण्ड जनजातीय नृत्य प्रशिक्षण–परिष्कार शिविर, प्रत्येक रविवार को जनजातीय और लोकनृत्यों पर आधारित समारोह 'संभावना' का आयोजन, कलाओं में मुखौटे के उपयोग एकाग्र समारोह 'प्रतिरूप', मऊगंज जिले में जनजातीय नृत्यों पर केन्द्रित 'मड़ई उत्सव' कठपुतली परम्परा पर केन्द्रित 'पुतुल समारोह', घुमन्तू समुदायों की भाषा शब्द संचय प्रविधि शिविर का आयोजन भोपाल एवं

लखनऊ में, प्रत्येक माह 'शलाका' जनजातीय चित्र प्रदर्शनी का संयोजन किया गया है। संग्रहालय भारतीय और विदेशी दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र रहा।

संग्रहालय की स्थापना के 11वें वर्षगाँठ के अवसर पर प्रदेश की सभी प्रमुख सात जनजातियों क्रमशः गोण्ड, बैगा, भारिया, कोरकू, कोल, सहरिया और भील के रहने योग्य आवासों का निर्माण एवं जीवन उपयोगी वस्तुओं का संग्रह/निर्माण कराकर लोकार्पित किया गया। इन सातों ही जनजातीय आवासों को संचालित करने के लिये इन्हीं समुदायों के परिवारों को आमंत्रित किये जाने की योजना है, जिनके लिये भिन्न सात आवास निर्मित कराये गए हैं। धरती के उत्पत्ति की गोण्ड जनजातीय कथा का लौह शिल्प में विशाल निर्माण कराकर संग्रहालय में स्थापित किया गया।

संग्रहालय की दीर्घा–एक के लिये लौह शिल्प में पत्तों के निर्माण, पड़ोसी राज्यों की जनजातीय संस्कृति को अभिव्यक्त करते विभिन्न स्थापत्यों की प्रतिकृतियों का निर्माण तथा अलंकरण कार्य प्रचलन में है। संचालित दीर्घाओं में नवीनीकरण और विस्तार हेतु अनेक यथाआवश्यक कार्य कराये गए हैं।

3. **सांस्कृतिक गाँव : 'आदिवर्त' जनजातीय एवं लोककला राज्य संग्रहालय, खजुराहो** – इस संग्रहालय में प्रदेश की सातों जनजातियों के आवास, जीवनोपयोगी वस्तुएँ और इनके देवलोक का प्रदर्शन किया गया है। एक दीर्घा जनजातीय चित्रांकन को प्रदर्शित करने के लिये निर्मित है, जिसमें प्रत्येक माह किसी एक कलाकार के चित्रांकन को प्रदर्शित किया जाता है। सांस्कृतिक गाँव की परिकल्पना के दूसरे भाग में प्रदेश के पाँच सांस्कृतिक जनपदों के आवास, जीवन उपयोगी वस्तुएँ और उनके देवलोक को प्रदर्शित किया गया है, जो लोकार्पण के लिये तैयार है। अन्तिम चरण के रूप में प्रशिक्षण का प्रावधान रखा गया है। इसमें शामिल होने वाले कलाकारों और गुरुओं के रहने योग्य आवासों की निर्मिति भी की जा चुकी है। देश के पहले पारम्परिक कलाओं के गुरुकुल का निर्माण प्रचलन में है। संग्रहालय में विविध शिल्प माध्यमों की कार्यशालाएँ निरन्तरता में आयोजित हो रही हैं।

संग्रहालय द्वारा प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को नृत्य, गायन एवं वादन केन्द्रित 'देशज' समारोह का आयोजन किया जा रहा है। दीपावली के अवसर पर 'मोनिया उत्सव' तथा संग्रहालय की दूसरी वर्षगाँठ का समारोह आयोजित किया गया। संग्रहालय भारतीय और विदेशी दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र रहा।

4. **'त्रिवेणी' कला संग्रहालय, उज्जैन** : शैव, शाक्त और वैष्णव (श्रीकृष्ण) ज्ञान परम्परा की कला अभिव्यक्तियों केन्द्रित स्थापित संग्रहालय में चैत्र श्रीरामनवमीं के अवसर पर तीन दिवसीय **प्राकट्य पर्व,चौरासी महादेवों** की चित्र प्रदर्शनी, श्रावण सोमवार के अवसर पर **'महाकाल की सवारी'** के दौरान प्रत्येक सोमवार को सांस्कृतिक गतिविधियाँ, श्री रामलीला के चरितों आधारित **संगोष्ठी** का आयोजन, पुराण आख्यानों के सृजित 1300 चित्रों की फ्रेमिंग का कार्य कराया गया है।

घन, तार एवं सुशिर क्रमशः भगवान शिव, माँ सरस्वती और श्रीकृष्ण से सम्बद्ध वाद्य हैं। जिसके विशाल संग्रह के संकल्प के तहत 700 से अधिक वाद्यों का संग्रह किया गया है। यह निरंतरता में जारी भी है। संग्रहित वाद्यों की पहली प्रदर्शनी ग्वालियर में लगाई गई है।

श्रीरामचन्द्र वन गमन पथ के वर्तमान मध्यप्रदेश से जुड़े स्थलों का जलरंग में चित्रांकन कराया गया है, जिसकी प्रदर्शनी भोपाल में आयोजित की गई। इसी प्रकार श्रीकृष्ण पाथेय से सम्बद्ध मध्यप्रदेश के लोक स्वीकृत स्थलों का जलरंग माध्यम में चित्रांकन कराया गया है। संग्रहालय द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर **भक्ति पर्व** अन्तर्गत नारायणा गांव, सान्दीपनि आश्रम, अमझेरा, जानापाव और

'त्रिवेणी' संग्रहालय में संचालनालय के लिये संयोजन किया गया है। संग्रहालय भारतीय और विदेशी दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र रहा।

5. **सर्वांग–चौसठ कलाओं एवं चौदह विद्याओं की कला दीर्घा, उज्जैन** : कलादीर्घा में नवाचार की दृष्टि से 64 कलाओं और 14 विद्याओं का चित्रांकन नाथद्वारा चित्र शैली में कराया जा रहा है, जिसे दीर्घा में प्रदर्शित किया जायेगा। श्रीकृष्ण ने पूरी मनुष्य सभ्यता को अप्रतिम जीवन दर्शन उपदेशित किया है, जो लगभग 100 फलकों में तैयार मिट्टी शिल्प का प्रदर्शन, सम्पूर्ण दीर्घा को आश्रम की तरह अलंकृत करने का कार्य किया गया है।

6. **जनगढ़ सिंह श्याम गोण्ड कला केन्द्र, पाटनगढ़** : गोण्ड जनजाति की स्मृति और उसकी सामर्थ्य को विश्व व्यापकता प्रदान करने वाले स्वर्गीय जनगढ़ सिंह श्याम की स्मृति में पाटनगढ़ (जिला–डिण्डोरी) में कला केन्द्र की स्थापना के लिये निर्माण कार्य प्रचलन में है।

7. **जनजातीय कला केन्द्र, बाँधवगढ़** : बैगा, कोल एवं गोण्ड जनजातीय कला, संस्कृति और उसके जीवन को अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से बांधवगढ़ में भूमि आवंटित हुई है, जिसका आकल्पन एवं प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है।

(3) साहित्य अकादमी, भोपाल

अकादमी द्वारा केशव स्मृति समारोह 'ओरछा महोत्सव' (ओरछा), पं. माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति समारोह विमर्श एवं रचनापाठ (खण्डवा), स्व. नीरजपुरी स्मृति समारोह में कवि सम्मेलन, भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान साहित्यिक आयोजन, बुंदेली साहित्य संगम, स्वामी दयानंद सरस्वती स्मृति समारोह विमर्श एवं रचनापाठ (कटनी), बघेली साहित्य संगम, स्वामी विवेकानंद स्मृति समारोह विमर्श एवं रचनापाठ, श्रीकृष्ण सरल स्मृति समारोह विमर्श एवं रचनापाठ, संत सिंगाजी व्याख्यान (महेश्वर–खरगौन), बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' स्मृति समारोह में विमर्श एवं रचनापाठ (ग्राम–भ्याना, शुजालपुर), भावसार बा स्मृति समारोह में व्याख्यान एवं रचनापाठ, चन्द्रसेन विराट की स्मृति में व्याख्यान एवं रचनापाठ (इंदौर) आयोजन के साथ ही कार्यशाला एवं सृजन संवाद अंतर्गत युवा रचनाकारों की सृजनात्मक कार्यशाला, पाठक मंच योजना एवं कार्यशाला, निरंतर सृजन संवाद श्रृंखला भी आयोजित की गई।

पुरस्कार – कुल 13 अखिल भारतीय पुरस्कार रुपये 1.00 लाख एवं कुल 15 प्रादेशिक पुरस्कार रुपये 00.51 हजार के दिये जाते हैं। साथ ही मध्यप्रदेश की छः बोलियों के पुरस्कार रुपये 00.51 हजार जिसमें बघेली, बुंदेली, निमाड़ी, मालवी, भीली एवं गोंडी के नाम से दिया जाता है।

पाण्डुलिपि प्रकाशन योजना – प्रदेश के युवा रचनाकारों को इस योजना का लाभ दिया जाता है, जिसमें 20 सामान्य वर्ग के रचनाकारों एवं 20 अनुसूचित जाति/जनजाति के रचनाकारों को प्रत्येक रुपये 20,000/– का सहायता अनुदान दिया जाता है।

प्रकाशन– साक्षात्कार पत्रिका : रचना, विचार और आलोचना की मासिक पत्रिका 'साक्षात्कार' वर्ष 1976 से निरंतर प्रकाशित हो रही है। हिंदी जगत की बहुचर्चित पत्रिका साक्षात्कार में वरिष्ठतम साहित्यकारों से लेकर युवा रचनाकारों की रचनाएँ प्रकाशित की जाती हैं। **साहित्यिक गजेटियर** : जिलों के साहित्यिक गजेटियर भी तैयार किये जा रहे हैं। **बघेली साहित्य का इतिहास, बुंदेली साहित्य का इतिहास, निमाड़ी साहित्य का इतिहास** एवं **मालवी साहित्य का इतिहास**। इसके अतिरिक्त दुर्लभ पुस्तकों का पुनर्प्रकाशन भी अकादमी द्वारा किया जाता है।

सृजनपीठ : मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग, संस्कृति परिषद् द्वारा प्रेमचंद सृजनपीठ–उज्जैन, निराला सृजनपीठ–भोपाल, बाल शोध सृजनपीठ–इंदौर, मुक्तिबोध सृजनपीठ–सागर। साहित्य अकादमी द्वारा उक्त पीठों को क्रियाशील तथा प्रभावी बनाने के लिए परामर्श एवं आयोजन किये जाते हैं।

(4) कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन :

कालिदास संस्कृत अकादमी द्वारा उज्जैन में पंचांग विमर्श, शास्त्रीय नृत्य गायन, ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर, कालिदास प्रसंग (मंदसौर), ज्योतिष सम्मेलन (उज्जैन), संस्कृत गौरव दिवस (विदिशा), सारस्वतम व्याख्यान एवं परिचर्चा (पन्ना, छिंदवाड़ा, बड़वानी), संस्कृत नाट्य समारोह (उज्जैन), बाल नाट्य समारोह (उज्जैन), अखिल भारतीय कालिदास समारोह (उज्जैन), पुजारी उन्मुखीकरण कार्यशाला (उज्जैन) जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

प्रकाशन – वृत्तान्त 2025, राष्ट्रीय कालिदास चित्र एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी केटलॉग–2025, लोकमाता देवी अहिल्या बाई होळकर, दूर्वा (संयुक्तांक), विवरणिका–2025, कालिदास शोध पत्रिका अंक–58, कालिदास शोध पत्रिका अंक–59, मालती, प्राचेतस, सप्तपर्ण एवं श्री शिप्रा नदी माहात्म्य आदि।

कालिदास अकादमी द्वारा आगामी माहों में कालिदास प्रसंग, कल्पवल्ली समारोह, भोज समारोह, वर्णागम शिविर, भर्तृहरि प्रसंग, शांकर समारोह, समरस कलाशिविर एवं भवभूति समारोह आयोजित किये जाना प्रस्तावित हैं।

(5) सिन्धी साहित्य अकादमी, भोपाल :

सिन्धी साहित्य अकादमी की स्थापना सिन्धी साहित्य, भाषा एवं संस्कृति के संवर्धन एवं संरक्षण के लिये की गई है। अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अकादमी वर्ष भर विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक आयोजन के साथ–साथ सिन्धी भाषा के संवर्धन हेतु सिन्धी भाषा अध्यापन शिविर एवं विविध कार्यशालाएं भी आयोजित करती है। साहित्यिक गतिविधि अंतर्गत अकादमी वर्ष भर सिन्धी साहित्यकार संगोष्ठी, व्याख्यान तथा वर्ष में दो बार सिन्धु मशाल का प्रकाशन, जिसमें प्रदेश के साथ ही देशभर के साहित्यकारों की रचनाऐं प्रकाशित की जाती हैं। लिप्यांतरण योजना अंतर्गत श्रेष्ठ पुस्तकों का देवनागरी सिन्धी में अनुवाद किया जाता है साथ ही प्रदेश के साहित्यकारों को पाण्डुलिपि प्रकाशन हेतु आंशिक आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। साहित्यकारों एवं कलाकारों को प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न सम्मान व पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं, जिसके अंतर्गत आजीवन सिन्धी साहित्य की सेवा हेतु संत हिरदाराम साहित्य गौरव सम्मान तथा श्रेष्ठ श्रेणी अंतर्गत छः पुरस्कार जिसमें लेखन हेतु श्रेष्ठ गद्य, श्रेष्ठ पद्य पुरस्कार, युवा लेखक पुरस्कार तथा श्रेष्ठ गायक, श्रेष्ठ गायिका एवं श्रेष्ठ नाट्य निर्देशक अथवा कलाकर को प्रदान किये जाते हैं।

अकादमी द्वारा जनवरी से दिसम्बर 2025 तक निम्नानुसार गतिविधियां आयोजित की गईं :–

सुहिणा सिन्धी–इटारसी, सिन्धू महोत्सव–बुरहानपुर, सिन्धू महोत्सव अंतर्गत सिन्धीयत जा रंग–मैहर, शहीद स्मरण–यादि कयो हेमूअ जी फांसी–विदिशा, शहीद स्मरण यादि कयो हेमूअ जी फांसी–ग्वालियर, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी तूं नारायणी – शहडोल, चैतीचांद महोत्सव अंतर्गत 'आयो मुंहिंजो लालु आयो'–विदिशा, कटनी, रीवा, बुरहानपुर, जबलपुर, सिन्धी भाषा दिवस–भोपाल, संत कंवरराम जयंती समारोह–डबरा एवं दतिया, सिन्धू दर्शन यात्रा–लेह लद्दाख, सिन्धी नाट्य

समारोह–जबलपुर, विभाजन विभीषिका दिवस–भोपाल, राष्ट्रीय चेतना जा सुर–भोपाल, सिन्धू महोत्सव 'सिन्धीयत जा रंग'–छतरपुर, पारम्परिक सिन्धी भगति गायन–भोपाल, सुहिणा सिन्धी–ग्वालियर, अमर बलिदानी हेमू कालानी केन्द्रित आयोजन 'सूंह मुहिंजे वतन जी'– भोपाल, लक्ष्मणदेव बिजलानी केन्द्रित सिन्धी अदबी संगत–इन्दौर, भगवंती नावाणी केन्द्रित स्मृति प्रसंग 'ओ नढिड़ा शेर आ'–सागर, सम्राट दाहिर पर केन्द्रित यादि डाहिर जी–गंजबासौदा, 'रुपकुमार घायल ऐं हरि दिलगीर' पर केन्द्रित सिन्धी अदबी संगत 'सिन्धी शाइरीअ जा सुरमा'–मण्डला, 'नारायण श्याम केन्द्रित सिन्धी अदबी संगत–सुल्तानपुर, मास्तर चन्दर की स्मृति में 'सुर चंदर जा' (सिन्धी अदबी संगत)–इटारसी, हुन्दराज दुखायल की स्मृति में 'यादि दुखायल जी' (सिन्धी अदबी संगत)–गाडरवारा, चैतीचांद महोत्सव – ग्वालियर, संतनगर –भोपाल, द्रोपदी धनवानी अवतरण दिवस–संत, भोपाल, चालीहा समारोह– भोपाल, कटनी एवं ग्वालियर, सेवा पर्व अंतर्गत (विकसित भारत) उसिरियल भारत'–कटनी, पुस्तक मेला एवं साहित्य महोत्सव–कटनी के साथ ही अकादमी द्वारा भोपाल में सिन्धियत जी पाठशाला, सिन्धी साहित्य और संगीत एवं नर्मदापुरम् में सिन्धी कहाणी लेखन कार्यशाला आयोजित की गई। सिंधी भाषा सिखाने हेतु विभिन्न शहरों में शिविर भी आयोजित किये गये।

प्रकाशन – सिन्धू मशाल 2023 प्रथम, सिन्धू मशाल 2023–द्वितीय अंक, सिन्धी भाषा अध्यापन शिविर हेतु विशेष पाठ्यक्रमानुसार पुस्तक प्रकाशित, सिन्धू मशाल वर्ष 2024 का अंक–1 एवं सिन्धू मशाल 2024 अंक–2 प्रकाशित किये गये।

(6) मराठी साहित्य अकादमी, भोपाल :

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के अन्तर्गत मध्यप्रदेश में मराठी कला, संस्कृति एवं साहित्य को प्रोत्साहन, संरक्षण देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के अन्तर्गत मराठी साहित्य अकादमी का गठन वर्ष–2010 में किया गया। तभी से अकादमी अपने लक्ष्य एवं उद्देश्य की ओर अग्रसर है। अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अनुक्रम में जनवरी से दिसम्बर, 2025 में कला पंचाग अनुसार सम्पन्न गतिविधियां निम्नानुसार है :–

मकर संक्रमण व्याख्यानमाला–जबलपुर, राष्ट्रीय कीर्तन समारोह–बड़वाह, तुका म्हणे–उज्जैन, भा.रा.तांबे स्मृति समारोह–ग्वालियर, मराठी गौरव दिवस–इन्दौर, वीर सावरकरांची काव्य–नाट्य सृष्टि–भोपाल, ''पसायदान'' एक वैश्विक प्रार्थना–भोपाल, ''स्वागत हे नववर्ष''–भोपाल, अनियतकालिक पत्रिका अथर्वनाद अंक–22 डिजीटल माध्यम से प्रकाशित, पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर ''स्मरण प्रसंग''–भोपाल, ''मोड़ी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला''–ग्वालियर, बोलावा विठ्ठल–जबलपुर, बोलावा विठ्ठल ''पालकी'' वारी वृत्तांत रंग प्रयोग–बुरहानपुर, संतवाणी–ग्वालियर, रंगोली प्रशिक्षण कार्यशाला–जबलपुर, रंगोली प्रशिक्षण कार्यशाला–भोपाल, सेवा पर्व पखवाड़ा विकसित भारत संकल्पना पर केन्द्रित आवर्तन श्रृंखला के अन्तर्गत रचना पाठ–रतलाम, कोजागिरी उत्सव–सिवनी, कोजागिरी उत्सव–मंडला, मराठी जत्रा–इन्दौर, दिवाली पहाट–भोपाल, अकादमी की अनियतकालिक पत्रिका ''अथर्वनाद'' अंक–23 के दिवाली विशेषांक का भोपाल में लोकार्पण, मराठी लोकधारा रंग यात्रा–जबलपुर, कीर्तन सोहळा–भोपाल एवं लोकधारा–बालाघाट आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये।

(7) भोजपुरी साहित्य अकादमी, भोपाल :

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के अंतर्गत संस्कृति परिषद् के अनुषंग के रूप में भोजपुरी संस्कृति और कलाओं के संरक्षण, विकास और प्रोत्साहन के लिये भोजपुरी साहित्य अकादमी का गठन जुलाई, 2013 में किया गया। अकादमी अपने उद्देश्यों के अनुरूप भोजपुरी भाषा, साहित्य, कला, संस्कृति, इतिहास, नृत्य संगीत, गीत, सिनेमा नाटक आदि विधाओं से संबंधित अकादमिक कार्यों और पारम्परिक समकालीन सृजनात्मकता को संरक्षित करने का कार्य कर रही है।

वर्ष 2025–26 में अकादमी द्वारा नीचे लिखे अनुसार समारोह/गतिविधियाँ आयोजित की गईं:–

महिन्दर मिसिर स्मृति एवं कजरी–बिरहा समारोह, पाथाखेड़ा (सारणी), जिला–बैतूल, ठुमरी समारोह (सतना), छठ समारोह (भोपाल), विद्यापति स्मृति समारोह (कटनी), छंद प्रसंग (जबलपुर), बसंत पंचमी उत्सव (भोपाल), वंदनीय लक्ष्मीबाई केल्कर की स्मृति में व्याख्यानमाला (इंदौर) आयोजन के साथ ही भोजपुरी प्रतिभाएँ काफी टेबल बुक का प्रकाशन किया गया।

(8) पंजाबी साहित्य अकादमी, भोपाल :

अकादमी द्वारा वर्ष 2025–26 में प्रकाश पर्व (सागर), लोहड़ी पर्व (भोपाल, शिवपुरी एवं बड़वानी), दास्तान–ए–शहादत (हरदा), रौनकां बैसाखी दियां (सागर), रंग पंजाब दे (इंदौर, भोपाल एवं खरगौन), शहादत गाथा (इंदौर), सेवा पर्व पखवाड़ा (इंदौर), सजीव नाट्य प्रदर्शन (उज्जैन एवं रीवा), शहीदी दिवस (जबलपुर) एवं वीर बाल दिवस (शहडोल) आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये।

(9) मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, भोपाल :

मध्यप्रदेश शासन ने उर्दू भाषा के उन्नयन और विकास के लिए वर्ष 1976 में मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी का गठन किया था। अकादमी के गठन के उद्देश्यों में उर्दू भाषा, साहित्य और उर्दू से संबंधित ललित कलाओं का विकास एवं उन्नयन शामिल है। अकादमी अपने गठन के उद्देश्यों के अनुसार निरन्तर सभी गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। जिसमें साहित्य की विभिन्न विधाओं पर आधारित विमर्श, संवाद, मुशायरे, पुस्तक मेला, पुस्तक विमोचन, पुस्तक चर्चा, नए रचनाकारों की तलाश, इत्यादि का आयोजन किया जाता है। साथ ही सांस्कृतिक व सूफियाना कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये जाते हैं। वर्तमान में मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन में साहित्यकारों का ऑनलाइन पंजीयन, उर्दू के विद्वानों एवं साहित्यकारों के जन्मशताब्दी/स्मृति समारोह, अन्तर्राष्ट्रीय उर्दू साहित्य संवाद, अखिल भारतीय व प्रादेशिक पुरस्कार, उर्दू कॉन्फ्रेंस, जश्ने उर्दू, उर्दू ड्रामा फेस्टीवल इत्यादि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त उर्दू अकादमी के पुस्तकालय का डिजिटलीकरण और अनुवाद प्रकोष्ठ की स्थापना भी इसकी उपलब्धियों में शामिल है।

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा इस वर्ष सेमिनार, चारबैत, क़व्वाली, मुशायरा, क़िस्सा गोई, नाटक, अफ़साने का अफ़साना, सूफ़ियाना आदि के आयोजन किये गये। सिलसिला एवं तलाशे जौहर कार्यक्रम प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में आयोजित किये। अकादमी द्वारा बुज़ुर्ग/बीमार रचनाकारों को आर्थिक सहायता दी गई। लायब्रेरियों को सहायता के अलावा पुस्तक प्रकाशन के लिये रचनाकारों को आर्थिक सहायता दी गई। उर्दू के प्रचार–प्रसार के लिए अकादमी द्वारा भोपाल, ग्वालियर एवं छतरपुर में उर्दू कक्षाऐं चलाई जा रही हैं। साथ ही अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत आयोजन जिससे पिछड़े–गुमनामी में रह रहे रचनाकारों को सामने लाया जा सके।

अकादमी में अरबी, फारसी, केलीग्राफ़ी तथा ग़ज़ल की कक्षाऐं भी संचालित की जा रही हैं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग जुड़े हैं। अकादमी के पुस्तकालय में पुस्तकों के डिजिटिलाइज़ किया जा चुका है। अकादमी द्वारा त्रैमासिक पत्रिका "तमसील" और ख़बरनामा "मौजे नर्मदा" का प्रकाशन किया जाता है। अकादमी का प्रतिष्ठा आयोजन जश्न–ए–उर्दू जनवरी, 2026 में किया गया। जिसमें कलाकार रचनाकार विद्यार्थी एक साथ जमा हुए। अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष उर्दू रचनाकारों/शायरों/अदीबों की उर्दू पुस्तकों (कृति) के लिए 06 राष्ट्रीय एवं 13 प्रादेशिक सम्मान दिये जाते हैं।

7. भारत भवन न्यास, भोपाल

भारत भवन की स्थापना 13 फरवरी 1982 को हुई। म.प्र. शासन द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित भारत भवन मध्यप्रदेश ट्रस्ट एक्ट, 1981 के अन्तर्गत पंजीयत एक स्वायत्त न्यास है। भारत भवन एक प्रतिष्ठा प्राप्त बहुकला केन्द्र है। भारत भवन के परिसर में अनेक दीर्घाएँ, सभागार, संग्रहालय, पुस्तकालय, अभिलेखागार, कार्यशालाएँ आदि स्थित हैं।

भारत भवन का उद्देश्य कलाओं का संरक्षण, अनुसंधान, नवाचार, संवर्द्धन और समुचित विस्तार है तथा सृजनात्मक कलाओं के क्षेत्र में उत्कृष्टता के राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में स्थापित होना है। तमाम कलारूपों पर आधारित समारोह आयोजित करना तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से सतत् सक्रियता बनाये रखना भारत भवन की मूल संकल्पनाओं में है।

भारत भवन में रूपंकर, रंगमण्डल, वागर्थ, अनहद, छवि प्रभाग और विश्व कविता केन्द्र आदि प्रमुख प्रभाग कार्यरत हैं। वित्तीय वर्ष 2025–26 में भारत भवन की प्रमुख गतिविधियों में भारत भवन की 44वीं वर्षगाँठ का समारोह, बादल राग समारोह, संतवाणी समारोह, गायन पर्व, भावानुभाव समारोह, मध्यप्रदेश रंगोत्सव, ब.व. कारंत स्मृति समारोह, कविता पाठ, कहानी पाठ, विभिन्न कला प्रदर्शनियाँ, सम्मान समारोह, इसके साथ ही सहयोगी आयोजनों के अंतर्गत सदानीरा समारोह, महाभारत पर केन्द्रित 9 दिवसीय समारोह आदि सम्मिलित हैं।

मध्यंप्रदेश शासन की संकल्पना अनुसार भारत भवन के अन्तः विस्तार के लिए भारत भवन से लगी आवंटित भूमि पर कलाग्राम के निर्माण का कार्य मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के माध्यम से प्रगति पर है।

8. आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, भोपाल

मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग के अधीन आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1951 के अंतर्गत पंजीकृत न्यास है।

न्यास के उद्देश्यों में आचार्य शंकर की भव्य प्रतिमा की ओंकारेश्वर में स्थापना आचार्य शंकर की प्रतिमा (एकात्मता की मूर्ति के लिए पूरे प्रदेश के गाँव–गाँव से धातु दान स्वकार प्राप्त करना, भारतीय संस्कृति एकता के प्रतीक के रूप में आचार्य शंकर की प्रतिमा का प्रस्तुतीकरण, प्रतिमा स्थल के आस–पास सुवरिथत जन–सुविधाएँ विकसित करना, ओंकारेश्वर पहुंचने वाले मार्गों के निर्माण और देख–रेख के लिए संबंधित विभागों से सतत समन्वय करना, भारतीय अद्वैत ज्ञान और दर्शन से जुड़ी गतिविधियों के प्रोत्साहन एवं विचारों के आदान–प्रदान के लिए कार्यशाला सेमीनार शोध संगोष्ठी, व्याख्यान इत्यादि का आयोजन करना, आचार्य शंकर के द्वारा प्रोन्नत भारतीय सांस्कृतिक एकता की प्रदर्शनी एवं इस का लेजर, प्रकाश एवं ध्वनि माध्यम से प्रदर्शन, न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए भारत

सरकार, राज्य सरकार गैर शासकीय संस्थाओं/संगठनों, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के निकायों तथा व्यक्तियों से संपर्क, समन्वय तथा सहयोग स्थापित कर क्रियान्वयन। आचार्य शंकर अंतरराष्ट्रीय अद्वैत वेदान्त संस्थान की स्थापना एवं संचालन।

अन्य आयोजन/कार्यवाही :

1. आचार्य शंकर के अद्वैत वेदांत दर्शन के लोकव्यापीकरण हेतु न्यास द्वारा मासिक गतिविधि के अंतर्गत शंकर व्याख्यानमाला एवं प्रेरणा संवाद का ऑफलाइन/ऑनलाइन नियमित आयोजन किया गया।

2. आचार्य शंकर विरचित स्त्रोतों को पार्श्व गायकों से गवाया जाकर उनका संकलन किया जायेगा।

3. आचार्य शंकर के जीवन–योगदान तथा अद्वैत वेदान्त दर्शन पर आधारित नाटक एवं फिल्म 'शंकर' आदि के निर्माण की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

4. आचार्य शंकर के जीवन–योगदान पर देश की विभिन्न शैलियों यथा–समकालीन, कांगडा, गजीफा, मधुबनी, केरल म्यूरल, उड़िया पट्ट चित्र, मेवाड़ शैली, आधुनिक कला–मूर्त व अमूर्त में देश के विख्यात चित्रकारों से पेंटिंग्स बनवायी जा रही हैं।

5. अद्भुत वेदान्त दर्शन के लोकव्यापीकरण हेतु 08 विषयों पर शंकर फैलोशिप का संचालन किया जा रहा है। युवाओं में अद्वैत बोध के लिए अद्वैत जागरण युवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष में अभी तक 20 अद्वैत जागरण युवा शिविर तथा 02 एडवांस शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें देश के विभिन्न प्रदेशों तथा नेपाल, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, थाईलेण्ड चुकीचे एवं एनआरआई (आप्रवासी भारतीय), स्पेन, यूएसए से लगभग 900 युवाओं द्वारा सहभागिता की गयी है। एकात्म धाम तथा अद्वैत जागरण युवा शिविर पर शॉर्ट फिल्मों का निर्माण कराया गया है।

6. शंकर प्रकटोत्सव के अवसर पर ओंकारेश्वर में 28 अप्रैल से 02 मई, 2025 तक पांच दिवसीय शंकर प्रकटोत्सव एकात्म पर्व का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मान. मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश तथा पूज्य साधु–संत, संन्यासी, विषय विशेषज्ञ, मनीषी एवं विद्वतजन की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ में लगभग 400 शंकरपूतों की सहभागिता भी रही। पांच दिवसीय इस 'एकात्म पर्व' को भव्य रूप से मनाया गया। जिसमें व्याख्यान, आचार्य शंकर विरचित स्तोत्रों पर सांगीतिक प्रस्तुतियां दी गयीं।

7. दिनांक 21.09.2025 को एकात्मता की मूर्ति की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर पूज्य साधु–संत संन्यासियों की उपस्थिति में 'शंकरावतरणम' द्वितीय वर्षगांठ समारोह का आयोजन किया गया।

ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर की 108 फीट की बहुधातु प्रतिमा एकात्मता की मूर्ति (Statue of Oneness) की स्थापना की जा चुकी है। ओंकारेश्वर में अद्वैत लोक (शंकर संग्रहालय) एवं आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय वेदान्ता संस्थान की स्थापना हेतु मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के द्वारा एकात्म धाम निर्माण कार्य हेतु सीपीकेए एण्ड माइनहार्ट, नई दिल्ली को प्रमुख परियोजना सलाहकार नियुक्त किया गया है। अद्वैत लोक (शंकर संग्रहालय) हेतु निविदा आमंत्रित की गयी है और आचार्य शंकर अंतरराष्ट्रीय अद्वैत वेदान्त संस्थान, प्रशिक्षण केन्द्र तथा परियोजना सूचना केन्द्र की डीपीआर तैयार की जा रही है।

9. श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास, भोपाल

रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट द्वारा 28/08/2023 को श्रीरामचंद्र पथगमन न्यास का पंजीयन किया गया। श्रीरामचंद पथ गमन के अंतर्गत राज्य की वर्तमान सीमा में चिन्हांकित स्थलों एवं स्थानों के आध्यात्मिक–सांस्कृतिक रचनात्मक विकास हेतु श्रीरामचंद्र वन गमन के दौरान जिन स्थलों से गुजरे उन चिन्हांकित स्थलों को विकसित करने के साथ ही विशेषज्ञ द्वारा नये स्थलों की खोज का कार्य किया जा रहा है। न्यास द्वारा शाश्वतम व्याख्यानमाला श्रृंखला, पुरुषार्थ शोध संगोष्ठी श्रृंखला के माध्यम से प्रभु श्रीरामचंद्र के जीवन आदर्शों को जन–जन तक सम्प्रेषित किया जा रहा है। कामदगिरि परिक्रमा मार्ग को श्रद्धालुओं की सुविधा की दृष्टि से विकसित करने के लिये यहाँ पाथ–वे, गजिबों सहित अन्य निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं।

श्रीरामकथा पर एकाग्र अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का आयोजन चित्रकूट में 24 से 30 सितम्बर, 2025 तक एवं 23 से 29 सितंबर, 2025 तक रवीन्द्र भवन, भोपाल में किया गया। भक्तिमय आयोजन में इंडोनेशिया, वियतनाम और मलेशिया से आए दलों ने श्रीरामलीला की प्रस्तुति दी। साथ ही ओरछा में 13 से 15 अक्टूबर, 2025 तक तीन दिवसीय श्रीरामलीला उत्सव का आयोजन किया गया। न्यास द्वारा चिन्हांकित 9 जिलों की पवित्र नदियों/सरोवरों के तट पर देव प्रबोधिनी एकादशी के पावन अवसर पर 1 नवंबर, 2025 को 'दीपोत्सव' का आयोजन किया गया।

10. संत रविदास सांस्कृतिक एकता न्यास, भोपाल

संस्कृति विभाग के अंतर्गत दिनांक 15–12–2023 को संत रविदास सांस्कृतिक एकता न्यास पंजीकृत हुआ है।

संत रविदास सांस्कृतिक एकता न्यास का गठन संत रैदास के जीवन और उनकी वाणियों को मानव कल्याण के लिये विभिन्न माध्यमों में अभिव्यक्त करने के साथ मध्यप्रदेश की वर्तमान भौगोलिक सीमा से सम्बद्ध संतों के जीवन और उनकी वाणियों का विविध स्वरूपों में प्रदर्शन आदि के उद्देश्यों के लिए किया गया है। ट्रस्ट द्वारा संत रविदास मंदिर एवं कला संग्रहालय, सागर के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

भाग– चार

सामान्य प्रशासनिक विषय

शासन की जनहितकारी नीतियों का, संस्कृति संचालनालय को आवंटित कार्यों के परिप्रेक्ष्य में सभी को लाभ मिले इस उद्देश्य से कार्य किया जाता है। अधिकारियों/कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु कर्मचारी कल्याण अभियान के अंतर्गत निर्धारित बिंदुओं पर भी कार्यवाही की जाती है।

न्यायालयीन प्रकरणों के शीघ्र निपटारे के लिए समय पर जवाबदावे प्रस्तुत किये जाते है। संचालनालय के कर्मचारियों एवं महाविद्यालयों से संबंधित विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में कार्यवाही जारी है। संचालनालय में विभागीय जांच का कोई प्रकरण लंबित नहीं है।

संचालनालय से संबंधित विधानसभा में माननीय सदस्यों द्वारा सीधे संस्कृति विभाग से अथवा अन्य विभागों के माध्यम से पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर समय पर प्रशासकीय विभाग को उपलब्ध कराये गये।

भाग– पांच

अभिनव योजनाएं

1. मध्यप्रदेश की कला, संस्कृति, साहित्य, राज भाषा के संरक्षण संवर्धन तथा उनके निरंतर विकास के लिए गतिविधियों का **दस्तावेजीकरण।**
2. विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों पुरानी जानकारी एवं दस्तावेजों को रिकार्ड और संग्रहित करने के उद्देश्य से **डिजीटलीकरण** किया जाना प्रस्तावित है।
3. देशज नृत्य, गायन वादन के साथ ही विभिन्न शिल्प विधाओं में निष्णात गुरुओं की सन्निधि में प्रशिक्षण एवं परिष्कार हेतु देश के पहले पारंपरिक कलाओं के **गुरुकुल की खजुराहो में स्थापना**।
4. गोण्ड/बैगा के जीवन और उनकी सांस्कृतिक दृष्टि को विस्तार प्रदान करने एवं की कलापरक सभी संभावनाओं के लोकव्यापीकरण की उद्देश्य से बांधवगढ, जिला उमरिया में **गोण्ड/बैगा कला केन्द्र की स्थापना।**

भाग– छः

महिला नीति

संस्कृति संचालनालय द्वारा महिलाओं की समस्याओं के निराकरण हेतु एक समिति का गठन किया गया है, जिसमें महिला सदस्य तथा नोडल अधिकारी को संचालनालय से ही मनोनीत किया गया है। समय–समय पर महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ की नोडल अधिकारी द्वारा बैठक आहूत की जाती है, जिसमें सभी महिला सदस्यों से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की जाती हैं। संस्कृति संचालनालय द्वारा महिलाओं के उन्नयन के लिये ऐसे वातावरण व स्थितियों का निर्माण किया गया है, जिससे महिलाएं अपने कार्यक्षेत्र में पुरुषों के समान ही सक्रिय सहभागी हो सकें।



राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान समारोह



बादल राग समारोह



जश्ने उर्दू



सिन्धी हास्य कवि सम्मेलन



ताप्ती महोत्सव



स्वाधीनता का महापर्व



जनयोद्धा राष्ट्रीय नाट्य समारोह



पीर पराई जाणे रे... भक्ति संध्या



महाकाल उत्सव



अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

स्वराज संस्थान संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल

भाग – एक

स्वराज संस्थान संचालनालय की स्थापना वर्ष 1998 में की गयी। इस संचालनालय के मुख्य कार्य स्वाधीनता संघर्ष से लेकर स्वराज तक की बहुविध प्रश्नों पर केन्द्रित उच्च स्तरीय गतिविधियों का संचालन, स्वाधीनता संघर्ष के स्मृति चिन्हों को एकत्र कर प्रदर्शित करना, भारत और दुनिया भर में हुए स्वाधीनता संघर्ष पर केन्द्रित फिल्मों, समाचार–पत्रों, पुस्तकों, चित्रों और अन्य माध्यमों की रचनाओं का संग्रह, निर्माण, प्रदर्शन, अध्ययन, शोध, व्याख्यान एवं गोष्ठियाँ आदि कार्यक्रमों का आयोजन का प्रवर्तन संचालन, राज्य स्तरीय "डॉ. शंकरदयाल शर्मा स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय एवं पुस्तकालय" का संचालन, स्वाधीनता संग्राम–स्वराज को समर्पित सामुदायिक रेडियो केन्द्र "रेडियो आज़ाद हिन्द" का संचालन, भारतीय सेना के शहीदों की स्मृति एवं सम्मान में स्थापित "शौर्य स्मारक" की शौर्यवीथी का संचालन, शहीदों की स्मृति में शहीद स्तम्भ तथा स्मारकों की स्थापना, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों/शहीदों को समर्पित शताब्दी/जयन्ती आयोजन करना है।

स्वराज संस्थान संचालनालय का अमला
विभागीय स्वीकृत सेटअप का विवरण

स.क्र.	पदनाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त पद
1.	आयुक्त/संचालक भारतीय प्रशासनिक सेवा	1	1	–
2.	प्रथम श्रेणी	1	1	–
3.	द्वितीय श्रेणी	3	1	2
4.	तृतीय श्रेणी	9	3	6
5.	चतुर्थ श्रेणी	3	–	3
	कुल योग	**17**	**6**	**11**

स्वराज संस्थान संचालनालय अंतर्गत वर्ष 2025–26 में प्रथम श्रेणी में उप संचालक एवं द्वितीय श्रेणी में सहायक संचालक के पद प्रतिनियुक्ति से भरे हैं।

भाग–दो

बजट प्रावधान
वर्ष 2023–24

(राशि रुपये लाखों में)

क्र.	योजना का नाम	प्रावधान	व्यय
	मांग संख्या 26–लेखाशीर्ष 2205 (राजस्व मद)		
1	8458– स्वराज भवन	349.82	190.69
2	7714– राष्ट्रीय सम्मान	15.00	3.17
3	9061– शौर्य स्मारक	121.00	116.20
4	5533– रेडियो आज़ाद हिन्द	65.00	59.44
5	5690– धर्मपाल शोधपीठ	500.00	400.00
6	5705– महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ	1000.00	1000.00
7	6756– शहीद भवन	71.00	52.23
8	7373– स्वाधीनता सेनानियों/महापुरुषों की जयंती/पुण्यतिथि समारोह	200.00	123.61
9	7649– डॉ. शंकरदयाल शर्मा राज्य संग्रहालय एवं वाचनालय	13.01	8.32
10	7876– स्वाधीनता संग्राम संबंधी गतिविधियों का संकलन, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन	120.02	94.08
11	8001– वीर भारत योजना	00.01	00.00
	योग (राजस्व व्यय)	**2454.86**	**2047.74**
	मांग संख्या 26–लेखाशीर्ष 4202 (पूंजीगत मद)		
12	8001– वीर भारत योजना	00.01	00.00
13	9052– शहीदों की स्मृति में स्मारक निर्माण	50.00	47.20
14	9061– शौर्य स्मारक	100.00	100.00
15	7011– भीमानायक प्रेरणा केन्द्र	00.01	00.00
	योग (पूंजीगत परिव्यय)	**150.02**	**147.20**
	महायोग (राजस्व व्यय + पूंजीगत परिव्यय)	**2604.88**	**2194.94**

बजट प्रावधान
वर्ष 2024–25

(राशि रुपये लाखों में)

क्र.	योजना का नाम	प्रावधान	व्यय
	मांग संख्या 26–लेखाशीर्ष 2205 (राजस्व मद)		
1	8458– स्वराज भवन	425.75	256.02
2	7714– राष्ट्रीय सम्मान	60.00	54.40
3	9061– शौर्य स्मारक	230.00	64.08
4	5533– रेडियो आज़ाद हिन्द	80.00	42.09
5	5690– धर्मपाल शोधपीठ	700.00	448.00
6	5705– महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ	2500.00	3300.00
7	6756– शहीद भवन	116.50	37.38
8	7373– स्वाधीनता सेनानियों/महापुरुषों की जयंती/पुण्यतिथि समारोह	200.00	117.31
9	7649– डॉ. शंकरदयाल शर्मा राज्य संग्रहालय एवं वाचनालय	31.00	8.50
10	7876– स्वाधीनता संग्राम संबंधी गतिविधियों का संकलन, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन	200.02	105.85
11	8001– वीर भारत योजना	1500.00	400.00
12	9545–विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण	45.00	15.99
	योग (राजस्व व्यय)	**6088.27**	**4849.62**
	मांग संख्या 26–लेखाशीर्ष 4202 (पूंजीगत मद)		
13	8001– वीर भारत योजना	6500.00	1415.00
14	9052– शहीदों की स्मृति में स्मारक निर्माण	100.00	00.00
15	9061– शौर्य स्मारक	509.00	190.00
16	7011– भीमानायक प्रेरणा केन्द्र	00.01	00.00
17	8458– स्वराज भवन	5.02	3.93
18	6756– शहीद भवन	00.70	00.00
19	1164–अटल बिहारी वाजपेयी स्मारक निर्माण	100.00	00.00
	योग (पूंजीगत परिव्यय)	**7214.73**	**1608.93**
	महायोग (राजस्व व्यय + पूंजीगत परिव्यय)	**13303.00**	**6458.55**

नोट : वित्त विभाग से अनुमोदन उपरांत योजना क्रमांक 8001–वीर भारत न्यास में से राशि रुपये 8.00 करोड़ का पुनर्विनियोजन योजना क्रमांक 5705–महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ में किया गया।

बजट प्रावधान
वर्ष 2025–26

(राशि रुपये लाखों में)

क्र.	योजना का नाम	प्रावधान	31 दिसम्बर 2025 तक का वास्तविक व्यय
	मांग संख्या 26–लेखाशीर्ष 2205 (राजस्व मद)		
1	8458– स्वराज भवन	433.06	149.40
2	7714– राष्ट्रीय सम्मान	15.00	00.00
3	9061– शौर्य स्मारक	218.01	48.80
4	5533– रेडियो आज़ाद हिन्द	85.00	24.28
5	5690– धर्मपाल शोधपीठ	700.00	359.76
6	5705– महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ	3000.00	2250.00
7	6756– शहीद भवन	93.50	24.44
8	7373– स्वाधीनता सेनानियों/महापुरुषों की जयंती/पुण्यतिथि समारोह	200.00	110.17
9	7649– डॉ. शंकरदयाल शर्मा राज्य संग्रहालय एवं वाचनालय	20.00	01.50
10	7876– स्वाधीनता संग्राम संबंधी गतिविधियों का संकलन, दस्तावेजीकरण, प्रदर्शन	150.02	08.44
11	8001– वीर भारत योजना	1500.00	375.00
12	1045– श्रीकृष्ण पाथेय योजना	1500.01	00.00
13	9545–विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण	45.00	11.25
	योग (राजस्व व्यय)	**7959.60**	**3363.04**
	मांग संख्या 26–लेखाशीर्ष 4202 (पूंजीगत मद)		
14	8001– वीर भारत योजना	3500.00	875.00
15	9052– शहीदों की स्मृति में स्मारक निर्माण	100.00	00.00
16	9061– शौर्य स्मारक	200.01	00.00
17	7011– भीमानायक प्रेरणा केन्द्र	00.01	00.00
18	8458– स्वराज भवन	15.01	05.08
19	6756– शहीद भवन	01.54	00.00
20	1045–श्रीकृष्ण पाथेय योजना	1000.00	00.00
	योग (पूंजीगत परिव्यय)	**4816.57**	**880.08**
	महायोग (राजस्व व्यय + पूंजीगत परिव्यय)	**12776.17**	**4243.12**

नोट :– योजना क्रमांक 1045–श्रीकृष्ण पाथेय योजना में वित्तीय वर्ष 2025–26 में द्वितीय अनुपूरक अंतर्गत राशि रुपये 15.00 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

भाग–तीन

राज्य योजनाएँ

स्वाधीनता संघर्ष से लेकर स्वराज तक के बहुविध प्रश्नों पर केन्द्रित उच्च स्तरीय गतिविधियों के केन्द्र के रूप में स्थापित स्वराज संस्थान संचालनालय अपने उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में सक्रिय है। अपनी स्थापना से लेकर अब तक स्वराज संस्थान द्वारा स्वाधीनता संग्राम में मध्यप्रदेश के योगदान पर केन्द्रित अनेक फिल्मों, रेडियो कार्यक्रमों का निर्माण, पुस्तकों के प्रकाशन, लोकप्रिय प्रदर्शनी, परिसंवाद, संगोष्ठी, व्याख्यान, चर्चा, कार्यशाला, नाट्य समारोह आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये।

कार्यक्रम / गतिविधि / व्याख्यान / प्रदर्शनी

संचालनालय द्वारा स्वाधीनता संग्राम के अमर सेनानियों, महानायकों, रणबाँकुरों, महापुरुषों, क्रांतिकारियों एवं वीरांगनाओं की जयंती एवं पुण्यतिथि पर अनेक कार्यक्रम / समारोह आयोजित किये गये। आयोजनों की श्रृंखला में **अमर शहीद तात्या टोपे बलिदान दिवस** पर 18 एवं 19 अप्रैल, 2025 की तिथियों में जिला प्रशासन के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम (शिवपुरी), **जनजातीय नायक बिरसा मुण्डा बलिदान दिवस** पर 9 जून को नाटक का मंचन (भोपाल), **वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस** पर 17–18 जून की तिथियों में रानी झांसी समाधि स्थल (ग्वालियर) में कवि सम्मेलन एवं "खूब लड़ी मर्दानी" महानाट्य का मंचन तथा वीरांगनाओं पर केन्द्रित वीरांगना चित्र प्रदर्शनी, **वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस** पर 24 जून को जिला प्रशासन के सहयोग से वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवनवृत्त पर आधारित चित्र प्रदर्शनी (जबलपुर), **संविधान हत्या दिवस** अंतर्गत 25 जून को व्याख्यान (भोपाल), **आपातकाल के 50 वर्ष** (भारतीय लोकतंत्र का काल अध्याय) अवसर पर 26 जून को आज़ादी के तराने की प्रस्तुति (भोपाल), **अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती** अवसर पर 23 जुलाई को चंद्रशेखर आजाद नगर (अलीराजपुर) में जिला प्रशासन के सहयोग से देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति, **भारत विभाजन विभीषिका दिवस** पर 14 अगस्त को सरोजिनी नायडू शा.क. महाविद्यालय (भोपाल) के सहयोग से व्याख्यान, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष प्रो. रघुवेन्द्र तंवर द्वारा **''भारत का विभाजन 1947 : एक त्रासदी का रहस्योद्घाटन''** विषय पर व्याख्यान, स्वाधीनता दिवस अवसर पर 15 अगस्त को (भोपाल) **आजादी का महापर्व** अंतर्गत प्रख्यात पार्श्व गायक सुरेश वाडकर एवं साथी कलाकारों द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति, **वीरांगना रानी अवंतीबाई जयंती** अवसर पर 16 अगस्त को वीरांगना रानी अवंतीबाई पर केन्द्रित नाटक एवं चित्र प्रदर्शनी (दमोह), **अमर शहीद शंकरशाह एवं रघुनाथशाह के बलिदान दिवस** पर 18 सितम्बर को जिला प्रशासन के सहयोग से शहीद मेला (जबलपुर), सेवा पखवाड़ा अंतर्गत 23 से 29 सितम्बर की तिथियों में रवीन्द्र भवन परिसर, भोपाल में **विरासत के साथ विकास** विषय पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का प्रदर्शन किया गया।

इसी के साथ ही संचालनालय द्वारा **महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती** अवसर पर 2 अक्टूबर को भोपाल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर केन्द्रित चित्र प्रदर्शनी, 9 अक्टूबर को शहीदों की स्मृति में ग्राम टुरिया तहसील कुरई (सिवनी) में जिला प्रशासन के सहयोग से शहीद मेला, **शौर्य**

स्मारक 9वाँ वर्षगांठ समारोह अवसर पर 14 अक्टूबर को भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल द्वारा हिमवीर पाइप बैण्ड की संगीतमयी प्रस्तुति (भोपाल), **सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती** राष्ट्रीय एकता दिवस अवसर पर 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर की तिथियों में 'सरदार पटेल' चित्र प्रदर्शनी (भोपाल), राष्ट्रीय गीत "वंदेमातरम्" की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 7 नवम्बर को शौर्य स्मारक, भोपाल में ''वंदेमातरम्'' चित्र प्रदर्शनी, जिला प्रशासन के सहयोग से 15 नवम्बर को **जनजातीय नायक बिरसा मुण्डा जयंती** अवसर पर ग्राम डगडौआ (जिला–उमरिया) में शहीद मेला, जनजातीय नायक एवं वीरांगना रानी दुर्गावती पर केन्द्रित चित्र प्रदर्शनी (जबलपुर), **संविधान दिवस** अवसर पर 26 नवम्बर को भोपाल में भारत के संविधान पर आधारित चित्र प्रदर्शनी, **जननायक टंट्या भील की स्मृति** में 4 दिसम्बर को पातालपानी (जिला–इंदौर) तथा ग्राम बड़ौदा अहीर तहसील पंधाना (जिला–खण्डवा) में जिला प्रशासन के सहयोग से शहीद मेला, 16 से 21 दिसम्बर की तिथियों में शहीद भवन, भोपाल में आयोजित **जनयोद्धा राष्ट्रीय नाट्य समारोह** में मुम्बई, नई दिल्ली, पटना, चंडीगढ़, आजमगढ़ एवं लखनऊ के प्रतिष्ठित रंग–निर्देशकों के निर्देशन में नाटकों का मंचन, **1817 मराठा युद्ध के शहीदों के स्मरण** में जिला प्रशासन के सहयोग से 20 दिसम्बर को महिदपुर (जिला–उज्जैन) में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 26 दिसम्बर को **डॉ. शंकरदयाल शर्मा की पुण्यतिथि** पर भोपाल में जिला प्रशासन के सहयोग से भजनों की प्रस्तुति, 10 एवं 11 जनवरी को भोपाल में **''वंदे मातरम्@150''** प्रदर्शनी, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 356 शहीदों की स्मृति में 14 जनवरी को शहीद स्मारक स्थल, सीहोर में **सिपाही बहादुर** चित्र प्रदर्शनी का प्रदर्शन, गणतंत्र दिवस अवसर पर 26 जनवरी को मध्यप्रदेश के सभी ज़िला मुख्यालयों (भोपाल छोड़कर) पर जिला प्रशासन के सहयोग से लोकतंत्र का लोक उत्सव **भारत पर्व** अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं **"वंदेमातरम्"** चित्र प्रदर्शनी तथा भोपाल में **लोकरंग** के शुभारम्भ अवसर पर **"संविधान निर्माण में मध्यप्रदेश की भूमिका"** विषयक चित्र प्रदर्शनी एवं महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर **पीर पराई जाणे रे...** भक्ति संगीत सभा अंतर्गत 30 जनवरी, 2026 को भोपाल में प्रख्यात भजन गायिका **स्वस्ति मेहुल, नई दिल्ली** द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई।

इसी के साथ ही आगामी माहों में भोपाल में राष्ट्रकवि कवि प्रदीप एवं स्वर सम्राज्ञी लता मंगेश्कर की पुण्यतिथि पर ऐ मेरे वतन के लोगों, कर्नल गुरुबख्श सिंह ढिल्लन के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम (शिवपुरी), अमर शहीद राणा बख्तावर सिंह के बलिदान दिवस पर कवि सम्मेलन (अमझेरा–धार), राजा सरयु प्रसाद के बलिदान दिवस पर शहीद मेला (विजयराघवगढ़–कटनी), अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद के बलिदान दिवस पर आज़ाद मेला (अलीराजपुर एवं ओरछा), वीरांगना रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस पर शहीद मेला (बालपुर–डिण्डौरी) एवं अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किये जाना प्रस्तावित हैं।

राष्ट्रीय सम्मान

मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा के क्षेत्र में रचनात्मक अवदान, सृजनात्मकता एवं विशिष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से **अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान** (राशि रुपये 2.00 लाख), सामाजिक सद्भाव एवं सामाजिक समरसता के लिए श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान के लिए सम्मानित करने के उद्देश्य से

महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान (राशि रुपये 2.00 लाख), शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान के लिए शिक्षकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से **महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान** (राशि रुपये 2.00 लाख), देश की सुरक्षा, कर्तव्य हेतु बलिदान, अदम्य साहस, वीरता, नारी उत्थान, सामाजिक पुनर्जागरण एवं श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान के लिए महिला को सम्मानित करने के उद्देश्य से **वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान** (राशि रुपये 2.00 लाख) स्थापित किये गये हैं। इस वित्तीय वर्ष के राष्ट्रीय सम्मान प्रक्रियाधीन हैं।

स्वाधीनता पर्व अवसर पर 15 अगस्त, 2025 को माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं माननीय संस्कृति मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी की गरिमामयी उपस्थिति में **अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान** अंतर्गत श्री महेश शर्मा झाबुआ (2021–22), ले. जनरल सैयद अता हसनैन पूर्व कोर कमाण्डर (2022–23), श्री गिरीश प्रभुणे (2023–24) एवं विवेकानंद केन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर (2024–25), **महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान** अंतर्गत श्री निर्मलदास नारंग (2021–22), सेवा भारती इंदौर (2022–23), रामकृष्ण सेवाश्रम हॉस्पिटल वृंदावन (2023–24) एवं जनजाति कल्याण केन्द्र ग्राम बरगांव जिला डिण्डौरी (2024–25), **महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान** अंतर्गत श्री प्रफुल्ल केतकर (2021–22), प्रो. रघुवेन्द्र तंवर (2022–23), डॉ. मूसलगांवकर (2023–24) एवं श्री संजीव सन्याल (2024–25), **वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान** अंतर्गत श्रीमती मीनाक्षी जैन (2021–22), डॉ. शशिकुमार (2022–23), सुश्री इंदुमति काटदरे (2023–24) एवं सुश्री पी.टी. उषा (2024–25) को सम्मानित किया गया।

फेलोशिप

स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा तथ्यपूर्ण प्रामाणिक शोधकार्य के लिए राशि रुपये 4,32,000/– की दो फेलोशिप एवं डॉ. शंकरदयाल शर्मा स्वतंत्रता संग्राम राज्य संग्रहालय एवं वाचनालय द्वारा तथ्यपूर्ण प्रामाणिक शोधकार्य के लिए राशि रुपये 4,32,000/– की दो फेलोशिप स्थापित की गई हैं। फेलोशिप की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

शौर्य स्मारक, भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भारतीय सेना के शहीदों की स्मृति एवं सम्मान में वर्ष 2016 में स्थापित शौर्य स्मारक की शौर्यवीथी में भारतीय सेना, वायुसेना एवं नौसेना से सम्बन्धित संक्षिप्त ऐतिहासिक जानकारी, चित्र, अस्त्र–शस्त्रों के छायाचित्र, टेबलटॉप/स्केल मॉडल, विभिन्न शौर्य पदकों के विवरणों का प्रदर्शन, शौर्य से सम्बन्धित प्रकाशनों का विक्रय, लघु फिल्मों के प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय सेना की शौर्य गाथाओं से जनसामान्य को अवगत कराया जा रहा है।

अनेक युवाओं, छात्र–छात्राओं, गणमान्य नागरिकों, पर्यटकों एवं जनसामान्य द्वारा शौर्य स्मारक का अवलोकन कर सराहना की गई।

शौर्य स्मारक 9वाँ वर्षगांठ समारोह अवसर पर 14 अक्टूबर, 2025 को भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, भोपाल द्वारा हिमवीर पाइप बैण्ड की संगीतमयी प्रस्तुति दी गई।

फिल्म डिवीजन एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त सेना के शूरवीरों पर केन्द्रित दुर्लभ शौर्य फिल्मों के प्रतिदिन (अवकाश छोड़कर) प्रदर्शन के साथ ही मध्यप्रदेश के सैन्य शहीदों के बलिदान दिवस पर शौर्य स्तंभ पर पुण्य स्मरण स्वरूप पुष्पांजलि अर्पित की गई।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, भोपाल/उज्जैन

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ की स्थापना स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन अंतर्गत वर्ष 2009 में की गई है। शोधपीठ अपने निर्धारित लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति के लिए व्याख्यान, संगोष्ठी, परिचर्चा, शोध, अन्वेषण, फेलोशिप, पुस्तक, पत्रिका एवं पंचांग का प्रकाशन, प्रदर्शनी, स्थायी प्रदर्शनी, संग्रहालय, ग्रंथालय, डिजिटल लाइब्रेरी, डॉक्यूमेंटेशन, लघु फिल्मों का निर्माण, डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म, ऑडियो–वीडियो प्रोग्राम्स एवं यू–ट्यूब चैनल आदि के माध्यम से सृजन सक्रिय है।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा **"विक्रमोत्सव 2025"** अंतर्गत 12 से 14 अप्रैल 2025 की तिथियों में नई दिल्ली में तीन दिवसीय **"महानाट्य : सम्राट विक्रमादित्य"** का मंचन, **जल गंगा संवर्द्धन अभियान** अंतर्गत 4 एवं 5 जून की तिथियों में उज्जैन में **क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा** एवं **गंगा दशमी** कार्यक्रम, **"सदानीरा" जल गंगा संवर्धन अभियान** अंतर्गत 20 से 25 जून की तिथियों में भोपाल में फिल्म प्रदर्शन, नृत्यनाटिका, कविताओं का पुनर्पाठ, गायन एवं वैचारिक समागम इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किये गये।

शोधपीठ द्वारा स्थापित "भारत विक्रम" यू–ट्यूब चैनल को देश व दुनिया में देखा जा रहा है। "भारत विक्रम" यू–ट्यूब चैनल ने अल्प समय में ही देश–दुनिया में दर्शकों के बीच विशिष्ट पहचान अर्जित कर ली है।

शोधपीठ द्वारा "विक्रम संवाद" पाक्षिक आलेख सेवा प्रारम्भ की गई है, जिसमें विक्रमादित्य, उनके युग तथा भारत विद्या पर केन्द्रित शोध, सार–संक्षेप, समीक्षा, टिप्पणियाँ शामिल की जाती हैं।

शोधपीठ द्वारा शोधपरक पुस्तक प्रकाशित कर अमेज़न व अन्य प्लेटफार्म के माध्यम से ऑनलाईन विक्रित की जा रही हैं।

शोधपीठ की गतिविधियों, प्रकाशन, योजनाओं और कार्यक्रमों को डिजीटल फार्मेट में प्रकाशित करने के लिए वेबसाईट तैयार की गई है, जिसमें पूर्व एवं आगामी कार्यक्रम संबंधी जानकारी, पुस्तकों की सूची एवं विक्रय हेतु अमेज़न प्लेटफार्म से लिंक, विक्रम पंचांग, विक्रम संवाद के प्रकाशित डिजीटल अंक, विक्रमार्क, प्रदर्शनियाँ, भारत विक्रम यू–ट्यूब चैनल का प्रसारण, फेलोशिप से संबंधित जानकारी, शोधपीठ के सोशल मीडिया प्लेटफार्म, शोधपीठ द्वारा की जाने वाली गतिविधियों से संबंधित समाचार एवं मीडिया कवरेज आदि उपलब्ध है।

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आगामी माहों में विक्रमोत्सव 2026 अंतर्गत व्यापार मेला, नाट्य समारोह, अनादि पर्व, कवि सम्मेलन, पौराणिक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, उज्जयिनी गौरव दिवस, चित्र प्रदर्शनी एवं शोध संगोष्ठी आदि कार्यक्रम आयोजित किये जाना प्रस्तावित हैं।

शोधपीठ द्वारा इस वर्ष अलौकिक सिंहस्थ, शिवगीता, गणेशगीता, भगवतीगीता, रामगीता, यम गीता, सार्वभौम सम्राट विक्रमादित्य, कालकाचार्य कथा की परम्परा, शकारि सम्राट वीर विक्रमादित्य, लोक कथाओं का कीर्ति पुरूष विक्रमादित्य, हरिहरगीता, अवधूतगीता, कपिलगीता, दत्तात्रेयगीता एवं भृगुगीता सहित अनेक पुस्तकों का प्रकाशन किया गया।

वीर भारत न्यास, भोपाल

वीर भारत न्यास की स्थापना स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन अंतर्गत वर्ष 2013 में की गयी। न्यास अपने निर्धारित लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति के लिए व्याख्यान, संगोष्ठी, परिचर्चा, शोध, अन्वेषण, पुस्तक, पत्रिका का प्रकाशन, प्रदर्शनी, स्थायी प्रदर्शनी, संग्रहालय, ग्रंथालय, डिजिटल लाइब्रेरी, डाक्यूमेंटेशन, लघु फिल्मों का निर्माण, डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म, ऑडियो–वीडियो प्रोग्राम्स, यू–ट्यूब चैनल आदि के माध्यम से सृजन सक्रिय है।

न्यास द्वारा माननीय मुख्यमंत्रीजी की महत्वाकांक्षी परियोजना **जल गंगा संवर्धन अभियान** अंतर्गत 20 से 25 जून 2025 की तिथियों में भारत भवन, भोपाल में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं माननीय संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी की गरिमामयी उपस्थिति में **सदानीरा समागम** कार्यक्रम, **गुरु पूर्णिमा** अवसर पर 10 जुलाई 2025 को **गुरु पर्व** कार्यक्रम, 24 से 29 जुलाई की तिथियों में पारम्परिक लोक एवं जनजातीय कलाओं में **नाग (मणिधर)** एवं **बाघ (बघेश्वर)** की दुर्लभ छवियों की वृहद् प्रदर्शनी का भोपाल में प्रदर्शन, 27 जुलाई से 2 अगस्त की तिथियों में पारम्परिक लोक एवं जनजातीय कलाओं में **नाग (मणिधर)** एवं **बाघ (बघेश्वर)** की दुर्लभ छवियों की वृहद् प्रदर्शनी का महाकाल लोक, उज्जैन में प्रदर्शन, 28 जुलाई को माननीय विधानसभा सदस्यों के अवलोकन के लिए विधानसभा के सेंट्रल हॉल एवं फोर लेन मुक्ताकाशी परिसर में **जल गंगा संवर्धन अभियान** की सफलताओं पर केन्द्रित प्रदर्शनी, 14–15 सितंबर की तिथियों में रवीन्द्र भवन, भोपाल में राष्ट्र के निर्माण में भाषाओं के योगदान पर केन्द्रित दो दिवसीय **भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान** कार्यक्रम, मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस अवसर पर 1 से 3 नवंबर 2025 की तिथियों में आयोजित कार्यक्रम अंतर्गत प्रख्यात भजन गायक हंसराज रघुवंशी, विश्ववंद : श्रीकृष्ण की सांगीतिक यात्रा, सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुतियाँ की गयी। इसी अवसर पर विक्रमादित्य और अयोध्या, विक्रमादित्यकालीन सील और सिक्के, आर्ष भारत, भारत विक्रम, मध्यप्रदेश की बावड़ियाँ इत्यादि प्रदर्शनी प्रदर्शित की गईं।

14 से 18 जनवरी की तिथियों में महाकाल महालोक और त्रिवेणी संग्रहालय परिसर, उज्जैन में आयोजित भारत वर्ष का स्वाभिमान पर्व **"श्रीमहाकाल महोत्सव"** अवसर पर शंकर महादेवन एवं सिद्धार्थ–शिवम महादेवन के साथ **"शिवोऽहम्"**, प्रख्यात गायिका सोना महापात्रा (मुम्बई), द ग्रेट इंडियन कायर (मुंबई), विपिन अनेजा (मुंबई) और श्रेयस शुक्ला (इंदौर) की संगीतमयी प्रस्तुति एवं 16 से 24 जनवरी 2026 की तिथियों में भारत भवन, भोपाल में वैश्विक सभ्यताओं के संघर्ष और औदार्य की महागाथा पर केन्द्रित नौ दिवसीय समागम में **महाभारत** के विभिन्न आयामों को लेकर नाटक, नृत्य–नाट्य, कठपुतली कार्यशाला, लोक एवं शास्त्रीय प्रस्तुतियाँ, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल, इमर्सिव डोम थियेटर सहित प्रदर्शनी– नेपथ्य, अस्त्र–शस्त्र, चक्रव्यूह एवं पताकाएँ एवं महाभारत आधारित चित्र प्रदर्शनी का प्रदर्शन किया गया। साथ ही भारतीय कठपुतली तथा प्रकाशनों–सभ्यताओं की साँस (वैश्विक कविताओं का संकलन), भूली बिसरी सभ्यताएँ इत्यादि पुस्तकों का लोकार्पण।

इस वर्ष लोक में वेदान्त, जल स्त्रोत एवं जल संवर्धन, मंदिरों की छाया में बसे शहर, लोक में मणिधर–बघेश्वर, तपोधरा मध्यप्रदेश, युगयुगीन भारत का पुरोवाक 2, अमृत जलधारा, जलधरा – जीवन और प्रवाह, पृथ्वी पानी का देश है..., भारत में भाषा आलोक, भारत विक्रम एवं युगयुगीन भारतवंशी सहित अनेक पुस्तकों का प्रकाशन किया गया।

श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, भोपाल

श्रीकृष्ण पाथेय योजना अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा मध्यप्रदेश में जहाँ–जहाँ भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े उन स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जायेगा। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के दृष्टिगत विश्व के पथ प्रदर्शक युगावतार भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उज्जैन, मध्यप्रदेश को केन्द्र में रख कर की गयी विभिन्न यात्रा स्थलों के पुरान्वेषण तथा तीर्थ के रुप में विकसित करने तथा सम्बन्धित क्षेत्रों का साहित्यिक व सांस्कृतिक संरक्षण और संवर्धन किया जायेगा। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा भारतवर्ष में किये गये युगपरिवर्तित कार्यों की पहचान करने और उनके माध्यम से मध्यप्रदेश में विकास के नये रास्ते खोजने के लिए हम प्रयत्नशील हैं।

श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा 14 से 16 अगस्त 2025 की तिथियों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम, 16 से 28 नवंबर 2025 तक आयोजित हुई श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं के नामों की घोषणा एवं संजीव मालवीय निर्देशित नृत्य नाटिका "कृष्णायन" की प्रस्तुति की गयी। कुरुक्षेत्र (हरियाणा) में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव अंतर्गत 24 नवंबर से 5 दिसम्बर की तिथियों में विविध बहुआयामी गतिविधियाँ, 1 दिसंबर को माननीय मुख्यमंत्रीजी द्वारा मध्यप्रदेश के पहले गीता भवन–गोपाल मंदिर, राजवाड़ा, इंदौर का लोकार्पण एवं दूसरा गीता भवन जबलपुर में स्थापित किया गया।

न्यास द्वारा 1 से 3 दिसंबर की तिथियों में दशहरा मैदान, उज्जैन में सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत अभिनेता पुनीत इस्सर द्वारा निर्देशित नृत्य नाटिका **जय श्रीकृष्णा**, वैष्णवी शर्मा, नई दिल्ली का काव्यपाठ **विराटजयी** तथा मोहित शेवानी एवं दल, मुम्बई द्वारा **कृष्णायन** की सांगीतिक प्रस्तुति दी गई। साथ ही उमेश तरकसवार द्वारा निर्देशित **विश्ववंदनीय** एवं बैंगलोर के डॉ. सलाउद्दीन पाशा द्वारा निर्देशित **गीता ऑन व्हील्स** की प्रस्तुति दी गयी। इसी अवसर पर लघु चित्र शैली में **माधव दर्शनम्** प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गयी।

धर्मपाल शोधपीठ, भोपाल

राज्य शासन द्वारा आज़ादी के पूर्व तथा आज़ादी के बाद भारत की संस्कृति, परम्पराओं, जीवन पद्धतियों के संरक्षण संवर्धन, स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों तथा स्वराज के जीवन एवं बहुआयामी इतिहास के अध्ययन, अनुशीलन, शोध, प्रशिक्षण, व्याख्यान, गोष्ठी, सेमिनार तथा विविध कार्यक्रमों के आयोजन, दुर्लभ, प्रामाणिक, ऐतिहासिक तथा अन्य पत्र–पत्रिकाओं–पुस्तकों का संग्रह एवं प्रकाशन, आडियो–वीडियो कार्यक्रमों, शोध एवं प्रशिक्षणों के लिए स्थापित **धर्मपाल शोधपीठ** द्वारा विख्यात विचारक एवं इतिहासविद् श्री धर्मपालजी की स्मृति में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं धर्मपाल शोधपीठ के संयुक्त तत्वाधान में 23 एवं 24 अप्रैल, 2025 को सागर में **"भारतीय मन, मानस और संस्कृति का पुनर्बोध"** विषय पर दो दिवसीय **राष्ट्रीय संगोष्ठी** एवं उनकी पुण्यतिथि पर 24 अक्टूबर, 2025 को स्वराज सभागार, भोपाल में **"धर्मपाल जी (1922–2006) : विरासत और नव निर्माण"** विषय पर **समूह परिचर्चा** का आयोजन किया गया।

शोधपीठ द्वारा इस वित्त वर्ष में **मध्यकाल में महाकौशल के शिलालेख** एवं **धर्म एवं प्रकृति का संयोग – भारतीय पृष्ठभूमि** इत्यादि पुस्तकें प्रकाशित कर उनका विमोचन किया गया।

शोधपीठ के सहयोग से मध्यप्रदेश में स्वाधीनता संग्राम पर केन्द्रित 52 जिलों के शोधकार्य को 41 खण्डों में प्रकाशित किया गया।

ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की स्थापना के बाद भारत के इतिहास को जानने के लिए तात्कालिक समय की आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषय के महत्वपूर्ण ग्रंथों का हिन्दी अनुवाद कार्य शोधपीठ द्वारा किया जा रहा है। कार्योपरांत इसे पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जावेगा।

धर्मपाल जूनियर फैलोशिप अंतर्गत "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक परिवर्तन" विषय पर श्री अनिल सिंह, भोपाल एवं "मध्यप्रदेश के मध्यकालीन राजवंशों के किले : एक अध्ययन" विषय पर सुश्री प्रियंका तिवारी, छतरपुर द्वारा शोधकार्य पूर्ण किया गया।

भारतीय इतिहास, शिक्षा एवं धर्मपाल जी के विचारों के प्रतिपादन हेतु किये गए उल्लेखनीय कार्य एवं योगदान हेतु **धर्मपाल राष्ट्रीय पुरस्कार** एवं आधुनिक भारत के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक इतिहास, ऐतिहासिक दस्तावेज़ों के संरक्षण, परिरक्षण, दस्तावेजीकरण, अनुवाद, ग्राम स्वराज, ग्रामीण विकास, सामाजिक सरोकार एवं स्वदेशी जैसे भारतीय विचारों के क्रियान्वयन के लिए **धर्मपाल राष्ट्रीय युवा पुरस्कार** स्थापित किया गया।

शहीद भवन, भोपाल

स्वाधीनता संग्राम, स्वराज पर केन्द्रित विभिन्न आयोजनों को जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से शहीद भवन सभागार में आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दृष्टि से मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। कार्य पूर्ण होने के उपरांत शहीद भवन विभिन्न कार्यक्रम/गतिविधियों के लिए संचालित किया जा सकेगा।

डॉ. शंकरदयाल शर्मा संग्रहालय एवं वाचनालय, भोपाल

स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा द्वारा अपने संग्रह में उपलब्ध दुर्लभ दस्तावेज/स्मृति चिन्ह और भेंट की गई सामग्री को डॉ. शंकरदयाल शर्मा स्वतंत्रता संग्राम राज्य संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया है एवं पुस्तकों को लायब्रेरी में संग्रहीत कर विकासशील समाज के अध्ययन, अनुसंधान के लिए अवलोकित करायी जा रही हैं।

रेडियो आज़ाद हिन्द 90.8 मेगा हर्ट्ज़, भोपाल

स्वाधीनता संग्राम–स्वराज को पूर्ण रूप से समर्पित देश के पहले सामुदायिक रेडियो केन्द्र **रेडियो आज़ाद हिन्द 90.8 मेगा हर्ट्ज** के माध्यम से स्वाधीनता संग्राम के विविध पहलुओं, ज्ञात–अज्ञात पक्षों, तथा जनजाति अनुसूचित जाति की भागीदारी एवं चेतना, परम्पराओं, बलिदान, विचार, साहित्य के साथ–साथ कला, संस्कृति, लोक परम्परा, पुरातत्व तथा राज्य शासन द्वारा प्रवर्तित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोक समाज को दी जा रही है।

रेडियो आज़ाद हिन्द 90.8 मेगा हर्ट्ज़ द्वारा प्रतिदिन सुबह 7.00 से रात्रि 10.00 बजे तक रेडियो कार्यक्रमों यथा वतन का राग, रेडियो रिपोर्ट, परिक्रमा, वागर्थ, विशेष कार्यक्रम, आमने–सामने, जीवन सौरभ, सुर–सागर, इतिहास के पन्नों से, मन की बात, टेक गुरु, बालसभा, शब्दों के शिल्पकार, जिंगल्स, सुनो कहानी, विश्व झरोखा, स्वास्थ्य चर्चा, योग संवाद, विज्ञान चर्चा, छू लो आसमां, कला कल्लोलिनी, भारत विभूति, हमारी सेना हमारा गर्व एवं रेडियो रूपक इत्यादि सहित लगभग 780 रेडियो कार्यक्रमों का भोपाल एवं वैश्विक स्तर पर पॉडकास्ट तथा रेडियो लाईव स्ट्रीमिंग के माध्यम से ऑनलाईन प्रसारण किया जा रहा है।

रेडियो आजाद हिन्द द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की लोकप्रियता इस बात से भी साबित होती है कि मिक्सलर एप्प पर ऑनलाईन श्रोताओं की संख्या अब तक लगभग 22.50 लाख से अधिक हो गई है एवं पिछले माह में लगभग 51,000 नये श्रोता जुड़े हैं।

रेडियो आजाद हिन्द के माध्यम से देश–प्रदेश के ज्ञात–अल्पज्ञात क्रांतिकारियों, शहीदों, रणबांकुरों, वीरांगनाओं, जननायकों की शौर्य गाथाओं, आजादी के दुर्लभ तरानों एवं लोकप्रिय जनहितैषी कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा रहा है।

भाग – चार

सामान्य प्रशासनिक विषय

राज्य शासन द्वारा समय–समय पर प्रसारित दिशा–निर्देशों के अंतर्गत समस्त प्रशासनिक कार्य संपादित किये जाते हैं। स्वराज संस्थान संचालनालय में किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय जांच, पेंशन एवं न्यायालयीन प्रकरण लंबित नहीं है। संचालनालय के अंतर्गत वर्तमान में कोई अधीनस्थ कार्यालय नहीं होने से स्थानांतरण से सम्बन्धित कोई प्रकरण नहीं है। जनशिकायत के निपटारे सम्बन्धी कोई प्रकरण लंबित नहीं। प्रशासकीय विभाग द्वारा प्रेषित संसदीय कार्य/विधानसभा सम्बन्धी कार्यों एवं ध्यानाकर्षण इत्यादि की जानकारी यथा समय नियमित रूप से प्रेषित की गयी। संचालनालय से सम्बन्धित कोई संसद प्रश्न तथा ध्यानाकर्षण नहीं हैं।

भाग–पाँच

अभिनव योजना

सनातन भारत के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति एवं आधुनिक भारत के विकास से देश को परिचित कराने के उद्देश्य से प्रदेश के ज्ञात–अल्पज्ञात क्रांतिकारियों, शहीदों, रणबाँकुरों, वीरांगनाओं तथा जननायकों की स्मृति में विविध कार्यक्रम/गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

मध्यप्रदेश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, रणबांकुरों की स्मृति को संजोये रखने के लिए **जननायक टंट्या भील** (पातालपानी–इंदौर एवं बड़ौदा अहीर–खण्डवा)**, बिरसा मुण्डा (डगडौआ–उमरिया), रानी दुर्गावती** एवं **राजा शंकरशाह–रघुनाथशाह** (मण्डला), **राजा सरयु प्रसाद** (विजयराघवगढ–कटनी), **अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद** (भाभरा–अलीराजपुर), **रानी अवंतिबाई** (बालपुर–डिण्डौरी) **एवं टुरिया जंगल सत्याग्रह** (सिवनी) मेलों के आयोजन के साथ ही विभिन्न कार्यक्रम, व्याख्यान, संगोष्ठी, फिल्म प्रदर्शन एवं चित्र प्रदर्शनी आयोजित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

युग–युगीन भारत के कालजयी महानायकों की तेजस्विता को रेखांकित करने के लिए **वीर भारत संग्रहालय** की स्थापना की कार्ययोजना का कार्य महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा किया जा रहा है। पूर्व वैदिक, वैदिक, उत्तर वैदिक, रामायण– महाभारतकाल, विक्रमादित्य युग, मध्य युग और पराधीनता के विरुद्ध सिंहनाद करने वाले तेजस्वी नायकों, मंत्रदृष्टा ऋषियों, संतों, मनीषियों और आज़ादी के रणबाँकुरों के अनुपम योगदान पर केन्द्रित यह संग्रहालय देश और दुनिया में सर्वथा अनूठा संग्रहालय होगा।

राष्ट्र में नवजागरण तथा उत्कर्ष के लिये भारतवर्ष के पथ प्रदर्शक युगावतार श्रीकृष्ण पर केन्द्रित **श्रीकृष्ण पाथेय** का आयोजन व्यापक स्तर पर किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। श्रीकृष्ण पाथेय अंतर्गत यात्रा के पथ स्थलों के अध्ययन, अन्वेषण, सर्वेक्षण एवं डॉक्यूमेंटेशन की कार्ययोजना का क्रियान्वयन महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा किया जावेगा।

स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा प्रवासी भारतीय और भारत का स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करने के लिए शौर्य स्मारक भोपाल में **डिजिटल प्रदर्शनी गैलरी** का निर्माण किया जा रहा है। 14 खण्डों में विभक्त इस डिजिटल प्रदर्शनी में महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, दादाभाई नौरोजी, सुभाषचंद्र बोस, इण्डिया हाउस, गदर आंदोलन जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर सामग्री प्रदर्शित की जाएगी। नवीन डिजिटल प्रदर्शनी गैलरी का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

भाग – छः

विभागीय प्रकाशन

स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा **स्वराज पुस्तक मालांतर्गत** स्वाधीनता संघर्ष एवं सम्बन्धित विषयों पर अब तक लगभग 70 पुस्तकें तथा **अक्षयनिधि प्रकाशन** योजनांतर्गत लगभग 8 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

भाग–सात

महिला नीति

स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा महिलाओं की समस्या के निराकरण हेतु गठित समिति द्वारा समय–समय पर संचालनालय में कार्यरत महिला कर्मचारियों से उनकी समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर कार्यक्षेत्र में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

महिलाओं के लिए किये गये कार्य :– स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भागीदारी को रेखांकित करने के उद्देश्य से महिला क्रांतिकारियों–वीरांगनाओं पर केन्द्रित चित्र प्रदर्शनी **वीरांगना** एवं महारानी लक्ष्मीबाई पर केन्द्रित चित्रकथा प्रदर्शनी **ज़रा याद करो कुर्बानी** तथा वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवनवृत्त पर आधारित चित्र प्रदर्शनी **वीरांगना रानी दुर्गावती** का समय–समय पर प्रदर्शन।

इसी प्रकार संचालनालय द्वारा विभिन्न आयोजनों, रेडियो कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, चित्रांकन कार्यशालाओं इत्यादि में महिलाओं की विशेष रूप से भागीदारी सुनिश्चित कर महिला सशक्तिकरण पर केन्द्रित विशेष साप्ताहिक रेडियो कार्यक्रम **"छू लो आसमाँ"** अंतर्गत राजनीति, विज्ञान, समाजसेवा, खेल, प्रबन्धन, चिकित्सा, शिक्षा आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली देश की प्रमुख महिलाओं के जीवन एवं उनकी सफलता पर आधारित रेडियो कार्यक्रम का निर्माण कर प्रसारण भी किया जा रहा है।



भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान समारोह

मा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मा. संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मा. लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह
माननीय विधायक श्री भगवानदास सबनानी एवं अपर मुख्य सचिव संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला



राष्ट्रीय तानसेन सम्मान - अलंकरण समारोह

मा. संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी एवं अन्य अतिथि गण
राष्ट्रीय तानसेन सम्मान से पंडित राजा काले, मुम्बई को सम्मानित करते हुए






21 March, 1947
Inter Asia – Cultural
The same day The
ported death of
ple in March riots.
व्याख्यान


उस्ताद रजब अली-अमानत अली खाँ
स्मरण संगीत समारोह


॥ शक्ति पर्व ॥


श्रीकृष्ण पर्व
DHWANI
BHOPAL



